राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHI/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 286 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, मंगलवार ,20 अप्रैल 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नजर...

सिविल सेवा परीक्षा के साक्षात्कार स्थगित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने कोरोना मामलों में वृद्धि के चलते सिविल सेवा परीक्षा 2020 के लिए साक्षात्कार स्थगित कर दिए हैं। यह जानकारी सोमवार को जारी बयान से मिली। यूपीएससी द्वारा सालाना तीन चरणों में सिविल सेवा परीक्षा आयोजित की जाती है, जिसमें प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार शामिल है। इसके जरिए आईएएस, आईएफएस और आईपीएस के अधिकारियों का चयन होता है। बयान में कहा गया है कि साक्षात्कार और भर्ती परीक्षा की तारीख की समय-समय पर समीक्षा की जाएगी।

कर्नाटक में कोरोना के चलते टाले पंचायत चुनाव

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोविड-19 मामलों में तेजी के बीच, कर्नाटक सरकार ने जिला पंचायत और तालुका पंचायत चुनाव स्थगित करने का फैसला किया है। कर्नाटक के ग्रामीण विकास मंत्री केएस ईश्वरप्पा ने सोमवार को कहा कि अधिकारियों और विशेषज्ञों के साथ चर्चा के बाद, राज्य सरकार ने जिला पंचायत और तालुका पंचायत चुनाव को स्थगित करने का फैसला किया है। उन्होंने आगे कहा कि इन चुनावों में 3.5 करोड़ से अधिक लोग भाग लेंगे। इसलिए कैबिनेट में इसे स्थगित करने पर फैसला लिया जाएगा और चुनाव आयोग को भेजा जाएगा।

कोरोना के खौफ से मुक्त हुआ इजरायल

येरूसलम, (एजेंसी)। 2019 के अंत में चीन से निकले कोरोना वायरस ने पूरी दुनिया में लाखों लोगों की जिंदगी छीनी, करोड़ों लोग संक्रमण से लड़े तो तमाम मुल्कों को आर्थिक बदहाली के दिन देखने पड़े। इन सबके अलावा लोग घर से निकलने से पहले चेहरे पर मास्क चढ़ाने को मजबूर हो गए। इस बीच, इजरायल से आई तस्वीरों ने उम्मीद दिखाई है कि फिर लोग घर से चेहरे पर मास्क नहीं मुस्कुराहट लेकर निकलेंगे। दरअसल, 81 फीसदी टीकाकरण के बाद इजरायल ने मास्क पहनने की अनिवार्यता खत्म कर दी। इसके बाद अधिकतर लोगों ने चेहरे से मास्क उतार फेंके हैं।

वायु सेना प्रमुख पांच दिनों के फ्रांस दौरे पर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया पांच दिन की यात्रा पर सोमवार को फ्रांस रवाना हो गए। वायु सेना प्रमुख की यात्रा का उद्देश्य दोनों वायु सेनाओं के बीच सहयोग को और बढाना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगले महीने की फ्रांस यात्रा से पहले हो रही इस यात्रा को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। 23 अप्रैल तक की अपनी यात्रा के दौरान एयर चीफ मार्शल फ्रांस के वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व के साथ बैठकें और चर्चा करेंगे। साथ ही कुछ एयरबेस और परिचालन केंद्रों का दौरा भी करेंगे। उनकी यात्रा से पहले फरवरी में फ्रांसीसी वायु सेना के प्रमुख जनरल फिलिप लेविने भारत के दौरे पर आए थे।

ओडिशा में विस्फोट से दो मरे, तीन घायल

भुवनेश्वर, (एजेंसी)। ओडिशा में गंजम जिले के कुकुडाखांडी गांव में एक घर में हुए विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि विस्फोट में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य ने एमकेसीजी अस्पताल बरहामपुर में दम तोड़ दिया। घायलों का इसी अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। स्थानीय सरपंच ने बताया कि यह विस्फोट क्रेशर इकाई के मजदूरों के विस्फोटक सामग्री एक घर में रखने के दौरान हुआ। पुलिस ने क्रेशर मालिक को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

1 मई से 18 साल से ज्यादा उम्र वालों को लगेगा टीका, खुले बाजार में भी बिकेगी वैक्सीन

नई दिल्ली। देश में फैली कोरोना महामारी के बीच केंद्र सरकार कोरोना टीकाकरण का तीसरा चरण शुरू करने जा रही है। सरकार के अनुसार एक मई से टीकाकरण का तीसरा चरण शुरू होगा। इसमें 18 वर्ष से ऊपर सभी आयु के लोगों को कोरोना का टीका लगाया जाएगा। डॉक्टरों के साथ आज हुई बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि पिछले एक साल से सरकार पूरी कोशिश कर रही है कि देश में ज्यादा से ज्यादा लोगों को वैक्सीन की डोज दी जाए। इसलिए सरकार यह एलान कर रही है कि अब 18 साल से ऊपर सभी लोगों को एक मई से कोरोना का टीका लगाया जाए।

डॉक्टरों के साथ आज हुई बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए एक साल से कड़ी मेहनत कर रही है कि देश के लोग अधिक से अधिक संख्या में कम से कम समय में वैक्सीन प्राप्त कर सकें।

राज्य सीधे कंपनियों से खरीद सकेंगे वैक्सीन- पीएम मोदी ने कहा कि टीकाकरण अभियान के तीसरे चरण में टीकों की खरीद और टीका लगवाने की पात्रता में ढील दी जा रही है। राज्यों को वैक्सीन खरीदने और बांटने की भी छूट दी जाएगी। वैक्सीन बनाने वाली कंपनियां राज्यों को 50 प्रतिशत वैक्सीन दे सकेंगी। राज्य सीधे कंपनियों से वैक्सीन खरीद सकेंगे।

देश में 16 जनवरी से शुरू हुआ था टीकाकरण- बता दें कि देश में कोरोना का टीकाकरण 16 जनवरी से शुरू किया गया था। अब तक देश में कुल बारह करोड़ से ज्यादा लोगों को कोरोना का टीका लगाया जा चुका है। अब तक सरकार ने केवल फ्रंटलाइन श्रमिकों और 45 से ऊपर के लोगों के लिए टीकाकरण की अनुमति दी थी।

गौरतलब है कि भारत में कोरोना वायरस के खिलाफ टीकाकरण अभियान में अब तक 12 करोड़ से ज्यादा टीके लगाए जा चुके हैं। अन्य देशों की तुलना में भारत में टीकाकरण की रफ्तार सबसे तेज है। 12 करोड़ टीके लगाने में अमेरिका को 97 और चीन को 108 दिन लगे थे, जबकि भारत ने मात्र 92 दिनों में ही यह मुकाम हासिल कर लिया है। रविवार तक 18,15,325 सत्रों में लाभार्थियों को कुल 12 करोड़ 26 लाख 22 हजार 590 टीके लगाए गए हैं। इनमें से 1.5 करोड़ से ज्यादा लोगों को वैक्सीन की दोनों डोज लगाई जा चुकी है। इसके अलावा राज्य सरकार ने एक बात और साफ कही है कि पहले से तय प्राथमिकता समूह के लोगों का वैक्सीनेशन जारी रहेगा। फिलहाल 45 साल से अधिक आयु के लोगों को सरकारी केंद्रों और निजी अस्पतालों में टीका लग रहा है।

चीन के साथ मोदी सरकार की निरर्थक बातचीत से राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा, राहुल गांधी का आरोप

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि सरकार देश की राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाल रही है और चीन के साथ उसकी बातचीत 'निरर्थक' रही है.

उन्होंने ट्वीट किया, 'गोगरा-हॉट स्प्रिंग्स और देपसांग में चीन का कब्जा दौलत बेग ओल्डी हवाई पट्टी समेत भारत के सामरिक हितों के लिए सीधा खतरा है.' कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया, 'भारत सरकार ने (चीन के साथ) निरर्थक बातचीत करके राष्ट्रीय सुरक्षा को बड़े पैमाने पर खतरे में डाल दिया है.'

राहुल गांधी ने यह टिप्पणी उस वक्त की है जब ऐसी खबरें आई हैं कि चीन ने पूर्वी लद्दाख गोगरा-हॉट स्प्रिंग्स और देपसांग से अपने सैनिक पीछ हटाने से मना कर दिया है.

भारतीय सेना ने पिछले दिनों एक बयान में कहा था कि दोनों देशों ने पूर्वी लद्दाख में तनाव वाले शेष हिस्सों हॉट स्प्रिंग्स, गोगरा और देपसांग से सैनिकों की वापसी को लेकर विस्तृत चर्चा की और संयुक्त रूप से जमीन पर स्थायित्व कायम करने, नए विवादों से बचने और शेष मुद्दों के शीघ्र निपटारे पर सहमति जतायी है.

उन्होंने पूछा, रक्षा मंत्री के वादे के अनुसार विवादित इलाकों से वापसी के लिए हुई वार्ताओं का भारत के पक्ष में कोई परिणाम क्यों नहीं निकला. चीन के साथ सैन्य वार्ताएं विफल होने और हमारी क्षेत्रीय संप्रभुता के साथ समझौता होने के बाद चीन से हमारा क्षेत्र वापस हासिल करने के लिए मोदी सरकार के पास क्या योजना है? प्रधानमंत्री को जवाब देना चाहिए.

ममता का चुनाव आयोग से अनुरोध, एक या दो दिन में पूरे कराएं बाकी चरण का मतदान

कोलकाता । बंगाल में कोरोना के बढ़ते मामले को देखते हुए मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने सोमवार को एक बार फिर निर्वाचन आयोग से अनुरोध किया कि वह राज्य में पूर्ववत कार्यक्रम के अनुसार चुनाव संपन्न कराने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करे। ममता ने जोर देते हुए कहा कि राज्य में आखिरी तीन चरणों का मतदान एक बार में या दो दिन में कराए जाएं। उत्तर दिनाजपुर के चाकुलिया में एक रैली में ममता ने कहा कि आयोग को सार्वजनिक स्वास्थ्य को तरजीह देनी चाहिए।

ममता ने कहा, मैं हाथ जोड़कर निर्वाचन आयोग से अनुरोध करती हूं कि अगले तीन चरणों का मतदान एक दिन में कराएं। अगर एक दिन में नहीं हो सकता तो दो दिन में करा लें और एक दिन बचा लें। उन्होंने कहा, आप भाजपा के कहने पर अपना फैसला मत लीजिए। कृपया चुनाव का कार्यक्रम कम करके जनता के स्वास्थ्य को बचाइए। भले एक ही दिन बच जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह और उनकी पार्टी का कोई नेता घने इलाकों में कोई रैली नहीं करेंगे।

ममता ने इसके साथ ही देश में कोरोना की दूसरी लहर बढने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जिम्मेदार ठहराया। ममता ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कोरोना संक्रमण रोकने के लिए पिछले छह महीनों में कौन सा निर्णय लिया, क्या उनके पास इसका कोई जवाब है? बिलकुल नहीं। अगर केंद्र की ओर से सही समय पर फैसला लिया जाता तो आज ऐसी स्थिति नहीं होती। वहीं, भाजपा को दंगाइयों और जंग भड़काने वालों की पार्टी बताते हुए ममता ने रैली में उपस्थित लोगों से कहा, उन्हें (भाजपा नेताओं को) बंगाल को गुजरात नहीं बनाने दें।

इधर, मुख्यमंत्री ने सोमवार को मालदा में संवाददाता सम्मेलन को भी संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे कोरोना की खराब होती स्थिति को लेकर न घबराएं क्योंकि राज्य सरकार इस बीमार के प्रसार को रोकने के लिए हरसंभव उपाय कर रही है। उन्होंने इस बात का भी संकेत दिया कि राज्य में नाइट कर्फ्यू नहीं लगेगा। ममता ने कहा कि नाइट कर्फ्यू इसका समाधान नहीं है। हमें सतर्क रहना चाहिए, घबराने की कोई बात नहीं है। उन्होंने साथ ही भाजपा का नाम लिए बिना कहा कि राजनीतिक प्रदूषण को पहले रोकने की जरूरत है।

ममता ने स्थिति से निपटने के लिए राज्य सरकार द्वारा अस्पतालों में कोविड-19 बिस्तरों की संख्या बढ़ाने जैसे उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी देते हुए सभी कार्यालयों से अनुरोध किया कि वे फिलहाल 50 फीसद कार्यबल के साथ काम करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने एक कार्यबल का भी गठन किया है। हमने बिस्तर, सेफ होम की संख्या बढ़ाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल में सभी स्कूलों में गर्मियों की छुट्टियों का भी ऐलान कर दिया है जो कि जून तक रहेंगी। ममता ने इसके अलावा केंद्र सरकार से टीकों और दवाओं की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हमने और टीकों की मांग की है, क्योंकि इसकी भारी कमी है। केंद्र को टीकों, दवाओं और ऑक्सीजन सिलेंडरों की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करनी चाहिए।

फिर हिमाकत करने लगा चीन

वेस्टर्न थिएटर कमांड में की रॉकेट लॉन्चर्स की तैनाती

नई दिल्ली, (एजेंसी)। चीन ने भले ही बीते दिनों लद्दाख में पैंगोंग लेक पर पिछले साल की स्थिति को बहाल करने पर सहमति जताई थी, लेकिन अब उसने वेस्टर्थ थिएटर कमांड में रॉकेट लॉन्चरों की तैनाती कर दी है। भारतीय सीमा से लगे 17,000 फुट ऊंचे क्षेत्र में चीन की ओर से हथियारों की इस तैनाती ने सुरक्षा चिंताओं को बढ़ाने का काम किया है। चीनी सेना के समाचार पत्र पीएलए डेली में पहले ही पेज पर बताया गया है कि चीनी सेना की आर्टिलरी ब्रिगेड की समुद्र तल से 5200 मीटर ऊंचाई पर तैनाती की गई है। अखबार में इस बात का जिक्र किया गया है कि यह तैनाती उइगुर मुस्लिम बहुल राज्य शिनजियांग में की गई है, लेकिन इसकी सटीक लोकेशन के बारे में जानकारी नहीं दी गई है।

भारतीय सीमा से लगे 17,000 फुट ऊंचे क्षेत्र में ड्रैगन की हरकतों ने बढ़ाई चिंता

पीएलए डेली के आर्टिकल में बताया गया है कि बर्फीले और ऊंचे पहाड़ों के बीच यह जगह स्थित है। रिपोर्ट में कहा गया है कि नए रॉकेट लॉन्चर्स चीन के सघन अभियान का हिस्सा हैं। इन्हें चीनी सेना में 2019 में शामिल किया गया था। हॉन्गकॉन्ग स्थित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि पीएलए डेली ने इन हथियारों की फायरिंग रेंज के बारे में नहीं बताया है, लेकिन यह जरूर बताया है कि यह सिस्टम लॉन्ग रेंज रॉकेट का है। जो लंबी दूरी तक मार कर सकते हैं। इन्हें चीनी सेना में 2019 में शामिल किया गया था। पीएलए की आर्टिलरी कॉर्प्स में इंस्ट्रक्टर रहे सॉन्ग झोंगपिंग ने कहा कि हथियारों का यह नया सिस्टम लॉन्ग रेंज के रॉकेट लॉन्चर का हो सकता है।

तीन हजार करोड़ का नशीला पदार्थ जब्त

पाक मादक पदार्थ तस्कर पंजाब में सीमा बाड़ से गिरफ्तार

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय नौसेना को बड़ी सफलता हाथ लगी है। उसने हजारों करोड़ रुपए की कीमत का नारकोटिक्स जब्त किया है। सरकार के सूत्रों के मुताबिक, अरब सागर में मछली पकड़ने के जहाज में चढ़ाए जा रहे 3 हजार करोड़ के नशीले पदार्थों को नौसेना ने जब्त किया है।

इधर, मादक पदार्थ निरोधक एजेंसियों ने अपने तरह के पहले अभियान के तहत पंजाब में भारत-पाकिस्तान सीमा बाड़ से मादक पदार्थ की तस्करी का प्रयास करने वाले एक पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा है। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान के लाहौर के खरक गांव निवासी 28 वर्षीय अमजद अली उर्फ माजिद जट्ट को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने 6-7 अप्रैल की दरमियानी रात को फिरोजपुर जिले के खेमकरन सीमाक्षेत्र से तब पकड़ा था, जब वह और उसका सहयोगी बाड़ के नीचे से 20 किलोग्राम हेरोइन अपने भारतीय संपर्कों को देने वाले थे। उन्होंने कहा कि बीएसएफ ने अली से कुल 20.5 किलोग्राम हेरोइन, एक मोबाइल फोन, एक पावर बैंक और 13 फुट लंबा पीवीसी पाइप बरामद किया। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) उप महानिदेशक (उत्तर) ज्ञानेश्वर सिंह ने कहा कि चूंकि यह अंतर-सीमा मादक पदार्थ तस्करी से संबंधित अत्यधिक महत्व का मामला है, इसलिए इसकी जांच केंद्रीय एजेंसी को सौंपी गई। यह अंतर्राष्ट्रीय ड्रग्स सिंडिकेट है जो सीमा पार से काम कर रहा है। आपूर्तिकर्ता बाड़ के पार बैठे हैं और मादक पदार्थ भारत में भेज रहे हैं। एनसीबी द्वारा मुहैया कराए गए एक वीडियो में गिरफ्तार किया गया पाकिस्तानी नागरिक कबूल करते दिख रहा है कि उसे भारत-पाकिस्तान सीमा पर रात में बीएसएफ के जवानों ने पकड़ा।

कैंसल हुआ बोरिस जॉनसन का दौरा

अगले सप्ताह भारत आने वाले थे ब्रिटिश प्रधानमंत्री

नई दिल्ली ■ एजेंसी

ब्रिटेन के पीएम बोरिस जॉनसन का भारत दौरा कैंसल हो गया है। वे अगले सप्ताह ही भारत आने वाले थे, लेकिन कोरोना संकट के चलते दौरे को रद्द कर दिया गया है।

इससे पहले वह इस साल 26 जनवरी के आयोजन में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होने वाले थे, लेकिन अपना दौरा कैंसिल कर दिया था। इस तरह लगातार दो बार बोरिस जॉनसन भारत आने का प्लान कैंसिल कर चुके हैं। ब्रिटिश विदेश मंत्रालय के मुताबिक कोरोना संकट के चलते अगले सप्ताह भारत के अपने दौरे को उन्होंने टाल दिया है। इसकी बजाय भारत के पीएम नरेंद्र मोदी और बोरिस जॉनसन इसी महीने के अंत तक दोनों देशों के बीच संबंधों को लेकर चर्चा करेंगे और भविष्य की योजना पर बात करेंगे। इसके अलावा वह लगातार संपर्क में बने रहेंगे। इसी साल आने वाले वक्त में दोनों नेताओं की मुलाकात हो सकती है। बोरिस जॉनसन के दौरे के रद्द होने को लेकर इस महीने के अंत तक दोनों देशों की ओर से संयुक्त बयान जारी किया जा सकता है।

समसेरगंज, जांगीपुर सीट पर चुनाव 13 मई को होंगे

उम्मीदवारों के निधन से स्थगित हुए थे यहां पर चुनाव

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में मुर्शिदाबाद जिले के समसेरगंज और जांगीपुर विधानसभा सीटों पर चुनाव 13 मई को कराए जाएंगे। उम्मीदवारों के निधन के कारण इन सीटों पर चुनाव स्थगित कर दिए गए थे। इन दोनों सीटों पर पहले चुनाव 26 अप्रैल को होने वाले थे। समसेरगंज सीट से उम्मीदवार रेजॉल हक और जांगीपुर सीट से रिवोल्यूशरी सोशलिस्ट पार्टी के प्रदीप नंदी का क्रमशः 15 और 16 अप्रैल को निधन हो गया था। पश्चिम बंगाल विधानसभा में 294 सीटें हैं। इस बीच, मालदा सीट से भाजपा उम्मीदवार गोपाल चंद्र साहा को रविवार रात गोली मारी गई। उन्हें एक अस्पताल में भर्ती कराया है।

बंगाल में 100 प्रतिशत ईवीएम-वीवीपेट मिलान वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में 100 प्रतिशत ईवीएम-वीवीपेट मिलान की मांग सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी है। तृणमूल कांग्रेस के नेता गोपाल सेठ की और से दाखिल इस याचिका में कहा गया था कि इससे पूरी तरह पारदर्शी चुनाव होगा, लेकिन कोर्ट ने कहा कि आधे से ज्यादा चुनाव बीत जाने के बाद चुनाव प्रक्रिया में अब दखल नहीं दिया जाएगा। याचिकाकर्ता को चुनाव से पहले ही चुनाव आयोग से मांग करनी चाहिए थी।

वर्तमान में हर विधानसभा के 5 ईवीएम का वीवीपेट से मिलान होता है। यह व्यवस्था 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने ही बनाई थी। तब कोर्ट ने 50 प्रतिशत ईवीएम-वीवीपेट मिलान की मांग को अव्यवहारिक बताते हुए खारिज कर दिया था। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले यह मांग कांग्रेस, सपा, बसपा, आरजेडी, तृणमूल कांग्रेस, एनसीपी, सीपीएम और तेलगु देशम समेत कुल 21 पार्टियों ने की थी।

8 अप्रैल 2019 को तत्कालीन चीफ जस्टिस रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली बेंच ने ईवीएम-वीवीपेट का मिलान 50 प्रतिशत करने से मना कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि याचिका में जो मांग की गई है, उससे मौजूदा मिलान प्रक्रिया 125 गुणा बढ़ जाएगी। ये पूरी तरह अव्यवहारिक होगा। लेकिन फिर भी हम इस दलील से सहमत हैं कि चुनाव प्रक्रिया को ज्यादा विश्वसनीय बनाने की कोशिश करनी चाहिए। इसलिए यह आदेश देते हैं कि हर विधानसभा क्षेत्र से 5 ईवीएम मशीनों का वीवीपेट की पर्चियों से मिलान करवाया जाए।

मोदी सरकार ने राज्यों को दिए 1 करोड़ 27 लाख से अधिक टीके

अब वैक्सीन की किल्लत होगी दूर?

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना वायरस की जंग में देश के कई राज्यों को वैक्सीन की कमी का सामना करना पड़ रहा है। लगातार लोगों की जान जा रही है तो कहीं अस्पताल में बेड और ऑक्सीजन को लेकर हाय तौबा मची है। इस बीच राहत की खबर ये है कि रविवार सुबह तक अलग-अलग राज्यों में 1 करोड़ 27 लाख से अधिक कोरोना वैक्सीन पहुंचाई गई हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने कहा कि सितंबर तक कोवाक्सिन के उत्पादन में 10 गुना वृद्धि होगी। इसके अलावा एंटी-वायरल दवा, रेमडेसिविर का निर्माण मई तक दोगुना होकर 7.4 मिलियन हो जाएगा।

बंगाल में अब 500 लोगों की ही रैलियां करेगी बीजेपी, पीएम नरेंद्र मोदी पर भी नियम लागू

नई दिल्ली । कोरोना संक्रमण के बढ़ते केसों को देखते हुए बीजेपी ने बंगाल चुनाव में छोटी रैलियां करने का बड़ा फैसला लिया है। बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा की ओर से लिए गए फैसले में कहा गया है कि किसी भी रैली में 500 से ज्यादा लोगों की मौजूदगी नहीं होगी। यहां तक कि पीएम नरेंद्र मोदी और अन्य केंद्रीय मंत्रियों की जनसभाओं को लेकर भी यह नियम लागू रहेगा। पार्टी की ओर से बताया गया है कि ये सभी सभाएं खुले स्थान में ही होंगी और इस दौरान यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोरोना के प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन किया जाए। बंगाल चुनाव में 5 चरणों का मतदान हो चुका है और तीन राउंड अभी बाकी हैं।

रैलियों में लोगों की संख्या को सीमित करने के साथ ही बीजेपी ने 6 करोड़ मास्क और सैनिटाइजर भी बांटने का फैसला लिया है। इसके अलावा पार्टी ने देश के सभी राज्यों में अपनी ओर से COVID19 हेल्पडेस्क और हेल्पलाइन शुरू करने का भी फैसला लिया है। हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पश्चिम बंगाल में अपनी सभी रैलियों को स्थगित करने का ऐलान किया था। इसके अलावा ममता बनर्जी भी अपने कार्यक्रमों को सीमित करने का फैसला कर चुकी हैं। बीते कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर बीजेपी नेताओं पर यह कहते हुए निशाना साधा जा रहा था कि कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच इस तरह की रैलियां कैसे की जा सकती हैं।

यहां तक कि बीते सप्ताह चुनाव आयोग ने राज्य सभी पार्टियों के साथ मीटिंग की थी और कोरोना प्रोटोकॉल को सख्ती के साथ लागू किए जाने की बात कही थी। राज्य की सीएम ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग से आखिरी तीन राउंड की वोटिंग एक साथ ही कराने की अपील भी की थी, हालांकि आयोग ने इसे खारिज कर दिया। वहीं बीजेपी का कहना था कि चुनाव तय नियमों के साथ ही होने चाहिए, लेकिन कोरोना प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित किया जाए। पश्चिम बंगाल में 294 विधानसभा सीटों पर 8 राउंट में वोटिंग होनी है। इनमें से 5 चरणों का मतदान हो चुका है और आखिरी के तीन राउंड बाकी हैं।

हांगकांग ने भारत से आने वाली सभी उड़ानों पर तीन मई तक लगाई रोक

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत में कोरोना के लगातार बढ़ते संकट को देखते हुए हांगकांग ने भारत से आने वाली सभी उड़ानों पर रोक लगा दी है। मंगलवार से आगामी 3 मई तक भारत से हांगकांग जाने वाली सभी फ्लाइट्स निलंबित कर दी गई हैं, यही नहीं हांगकांग सरकार ने पाकिस्तान और फिलीपींस को हांगकांग से जोड़ने वाली सभी उड़ानें भी रद्द करने का फैसला किया है।

दरअसल, इस महीने विस्तारा एयरलाइंस की दो उड़ानों में 50 यात्री कोरोना से संक्रमित पाए गए। इसके बाद हांगकांग की सरकार ने ये फैसला किया है। कोविड सुरक्षा नियमों के मुताबिक हांगकांग आने वाले हर यात्री को पिछले 72 घंटों के भीतर किए गए आरटी-पीसीआर टेस्ट की निगेटिव रिपोर्ट दिखानी होती है। इससे पहले हांगकांग ने रविवार को मुंबई से हांगकांग के बीच चलने वाली विस्तारा की सभी उड़ानों को 2 मई तक निलंबित करने का फैसला किया था। विस्तारा की रविवार को आने वाली उड़ान से आए तीन यात्री कोविड जांच के दौरान पॉजिटिव पाए गए थे।

भारत में कोरोना के हालात भयावहः भारत में कोरोना के चलते हालात दिनों दिन खराब होते जा रहे हैं। रोजाना नए संक्रमित मरीजों की संख्या विकराल रूप लेती दिखाई दे रही है। हर दिन नए संक्रमित मरीजों का आंकड़ा पुराने रिकॉर्ड को तोड़ता दिखाई दे रहा है। सोमवार को स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों के अनुसार देश में 2,73,810 नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान 1619 लोगों की मौत हुई है।

संक्षिप्त समाचार

टेक्सास: ऑस्टिन में एक शॉपिंग सेंटर में गोलीबारी, तीन लोगों की मौत

नई दिल्ली. अमेरिका के टेक्सास में गोलीबारी के एक घटना में तीन लोग मारे गए हैं। यह घ टना टेक्सास के ऑस्टिन में स्थित एक शॉपिंग सेंटर में हुई। गोलीबारी को लेकर ऑस्टिन पुलिस ने कहा कि घटना घरेलू विवाद से जुड़ा लग रहा है। इस वजह से बाकी लोगों को किसी प्रकार कोई खतरा नहीं है।

दूसरी ओरअमेरिका में ही विस्कॉन्सिन प्रांत में केनोशा काउंटी के एक बार में हुई गोलीबारी में तीन लोग मारे गये, जबकि दो अन्य घायल हो गए। काउंटी के सार्जेंट डेविड राइट ने बताया कि यह घटना सोमर्स गांव के एक बार में रविवार तड़के हुई।

उन्होंने बताया कि यह एक लक्षित हमला था और संदिग्ध हमलावर को अब तक पकड़ा नहीं जा सका है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

बांग्लादेश पर टूटा कोरोना वायरस का कहर, हर 14 मिनट में 1 व्यक्ति की मौत

ढाका. बांग्लादेश में कोरोना वायरस से हालात बेहद खराब हैं। पिछले तीन दिनों में हर 14 मिनट में एक संक्रमित व्यक्ति की मौत हुई है। देश में कोविड-19 से मरने वालों का आंकड़ा 10,385 पहुंच गया है। रविवार को देश में 18 मार्च, 2020 के बाद पहली बार संक्रमण से मरने वालों की संख्या 102 दर्ज की गई है। मृतकों में 59 पुरुष और 43 महिलाएं शामिल हैं।

कोरोना संक्रमण से जान गंवाने वाले लोगों में से 63 लोग 60 वर्ष से अधिक आयु के थे, 23 लोग 51-60 वर्ष की आयु सीमा के बीच, 14 लोग 41-50 वर्ष की आयु सीमा के और दो लोगों 31-40 वर्ष की आयु सीमा के बीच के थे। इसमें से 68 लोगों की मौत ढाका में दर्ज की गई है। चटगांव में 22 लोगों की मौत, मेमनसिंह और बारिसल में 4-4 लोगों की मौत, राजशाही में तीन की मौत और खुलना में एक की मौत हुई है।

इन सब के बीच, 1000 बेड क्षमता वाले ढाका नॉर्थ सिटी कॉरपोरेशन (DNCC) अस्पताल का उद्घाटन किया गया है। रविवार सुबह संक्रमित मरीजों के इलाज के लिए सभी आवश्यक सुविधाओं के साथ इसे शुरू कर दिया गया है।

2025 से कम होने लगेगी चीन की आबादी, उपभोग वाली वस्तुओं की मांग घटने का खतरा

प्रेट्र. दुनिया का सबसे ज्यादा आबादी वाला देश चीन इस समय जन सांख्यिकी में बदलाव के दौर से गुजर रहा है। इसके चलते 2025 के बाद चीन की जनसंख्या कम होनी शुरू हो सकती है। इसका सीधा असर वहां की उपभोग वाली वस्तुओं की मांग कम होने पर पड़ सकता है। यह बात चीन के एक वरिष्ठ अर्थशास्त्री ने कही है।

चीन की आबादी करीब चार साल तक और दुनिया में सबसे ज्यादा बनी रह सकती है। इसके बाद इसका कम होना शुरू हो जाएगा। वरिष्ठ अर्थशास्त्री काई फेंग ने कहा है कि जब देश की आबादी कम होनी शुरू होगी तो स्वाभाविक रूप से वस्तुओं की मांग भी कम होनी शुरू हो जाएगी। बुजुर्गों की संख्या बढ़ेगी और बच्चों-युवाओं की संख्या कम होगी। इसलिए जरूरत है कि हम भविष्य में जन

सांख्यिकी में होने वाले बदलाव के बारे में अभी से सोचना शुरू करें। काई का यह बयान चीन द्वारा जारी किए जाने वाले जनगणना के आंकड़ों से ठीक पहले आया है।

उल्लेखनीय है कि चीन ने आबादी के कम होने के खतरे को भांपना शुरू कर दिया है। इसी के चलते तीन दशकों तक लागू रही वन चाइल्ड पॉलिसी को खत्म कर 2016 में दंपतियों को दो बच्चे पैदा करने की छूट दी गई। लेकिन तेजी से विकास कर रहे चीन में युवाओं को अब उसमें दिक्कत महसूस हो रही है। वे अब शादी और बड़े परिवार के झंझटों से मुक्त रहना चाहते हैं।

Corona संक्रमण से मचा हड़कंप, Hong Kong ने भारत से आने वाली फ्लाइटों पर 3 मई तक लगाई रोक

भारत में कोरोना वायरस (Coronavirus in India) के बढ़ते संक्रमण के बीच हॉन्गकॉन्ग ने भारत से आने और जाने वाली उड़ानें 20 अप्रैल से 3 मई तक के लिए स्थगित कर दी हैं

हॉन्गकॉन्ग. भारत में कोरोना वायरस (Coronavirus in India) के बढ़ते संक्रमण के बीच हॉन्गकॉन्ग ने भारत से आने और जाने वाली विमानों को मंगलवार (20 अप्रैल) से 3 मई तक के लिए स्थगित कर दी. हॉन्गकॉन्ग (Hong Kong) की सरकार का यह फैसला इस महीने विस्तारा एयरलाइंस की फ्लाइट से गए 50 यात्रियों के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद आया है.

पाकिस्तान और फिलीपींस की उड़ानों पर भी रोक

हॉन्गकॉन्ग (Hong Kong) की सरकार ने भारत के अलावा पाकिस्तान और फिलीपींस से पहुंचने वाली उड़ानों को भी 20 अप्रैल से 3 मई तक के लिए स्थगित कर दिया है. पाकिस्तान और फिलीपींस में कोविड-19 (Covid-19) के बढ़ते मामलों की वजह से हॉन्गकॉन्ग ने यह कदम उठाया है.

20 अप्रैल रात 12 बजे से सभी उड़ानों पर रोक

हॉन्गकॉन्ग सरकार ने अपने बयान में कहा, भारत, पाकिस्तान और फिलीपींस से आने वाली फ्लाइटों को निलंबित करने का आदेश दिया गया है. 20 अप्रैल रात 12 बजे से 14 दिनों के लिए इन देशों के सभी यात्री उड़ानों को हॉन्गकॉन्ग में उतरने से रोक दिया जाएगा.

हॉन्गकॉन्ग जाने वालों को आरटी-पीसीआर टेस्ट जरूरी

हॉन्गकॉन्ग के नियमों के तहत वहां जाने से अधिकतम 72 घंटे पहले सभी यात्रियों के लिए आरटी-पीसीआर टेस्ट (RT-PCR Test) कराकर कोविड-19 निगेटिव रिपोर्ट दिखानी अनिवार्य है.

पहले मुंबई-हॉन्गकॉन्ग फ्लाइट की गई थी बंद

इससे पहले रविवार को ही हॉन्गकॉन्ग सरकार ने मुंबई से हॉन्गकॉन्ग के बीच चलने वाली विस्तारा एयरलाइंस की सभी उड़ानों को दो मई तक स्थगित करने की घोषणा की थी. यह फैसला विस्तारा की मुंबई-हॉन्गकॉन्ग फ्लाइट से पहुंचे तीन लोगों के रविवार को कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद लिया गया था.

भारत में 24 घंटे में 273810 लोग हुए संक्रमित

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले 24 घंटे में 2 लाख 73 हजार 819 लोग कोरोना वायरस (Coronavirus) से संक्रमित हुए है, जबकि इस दौरान 1619 लोगों की जान गई. इसके बाद भारत में कोरोना संक्रमितों की संख्या 1 करोड़ 50 लाख 61 हजार 919 हो गई है और 1 लाख 78 हजार 769 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं. केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटे में देशभर में 1 लाख 44 हजार 178 लोग कोविड-19 से ठीक हुए, जिसके बाद ठीक हुए लोगों की कुल संख्या 1 करोड़ 29 लाख 53 हजार 821 हो गई है. हालांकि पिछले 24 घंटे में एक्टिव मामलों में 128013 बढ़ोतरी हुई है और अब भारत में कोरोना वायरस के 19 लाख 29 हजार 329 एक्टिव केस मौजूद हैं.

अपनी 80 फीसदी आबादी को वैक्सीन लगाने वाले इजरायल में अब मास्क नहीं अनिवार्य, Positive Cases में आई कमी

अवीव. एक तरफ जहां दुनिया के अधिकांश देश कोरोना (Coronavirus) की मार से बेहाल हैं. संक्रमण को रोकने के लिए कर्फ्यू, लॉकडाउन (Lockdown) जैसे उपाय फिर से अपना रहे हैं. वहीं, इजरायल (Israel) ने लोगों के लिए मास्क (Mask) की अनिवार्यता खत्म कर दी है.

यानी अब यहांके लोगोंके लिए मास्क लगाना जरूरी नहीं है. लगभग एक साल में पहली बार ऐसा हुआ है जब इजरायल की जनता बगैर मास्क घर से बाहर निकली है. दरअसल, इजरायल ने अपनी 80 फीसदी आबादी को कोरोना वैक्सीन (Corona Vaccine) लगा दी है. इस सफलता को हासिल करने के बाद ही उसने मास्क की अनिवार्यता खत्म की है.

Corona से जंग में बड़ी जीत

हमारी सहयोगी वेबसाइट WION में छपी खबर के अनुसार, इजरायल के स्वास्थ्य मंत्रालय ने मास्क से आजादी का ऐलान करते हुए कहा कि देश में कोरोना संक्रमण की दर वैक्सीन (Vaccine) लगाए जाने के बाद बहुत कम हो गई है. इसलिए अब प्रतिबंधों में ढील देना संभव हुआ है. सार्वजनिक स्थलों पर अब मास्क लगाने की जरूरत नहीं है. इसे कोरोना वायरस से जंग में इजरायल की बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है.

Decision से लोगों में खुशी

सरकार के इस फैसले से लोग काफी खुश हैं. जाफा स्ट्रीट स्थित यरुशलम शॉपिंग के पास बस का इंतजार कर रहीं 26 वर्षीय इलियाना गामुल्का (Eliana Gamulka) ने कहा, 'विश्वास ही नहीं हो रहा है कि अब मास्क लगाने की जरूरत नहीं है. अब हमें मास्क के पीछे अपना चेहरा नहीं छिपाना होगा. गामुल्का के लिए ये फैसला इसलिए भी बेहद खुशी भरा है, क्योंकि दो हफ्तों में उनकी शादी होनी वाली है. उन्होंने कहा, 'बिना मास्क जश्न मानना अच्छा रहेगा, हमारे फोटो भी अच्छे आएंगे. मैं वास्तव में अब राहत महसूस कर रही हूं'.

Vaccination से ऐसे हुआ फायदा

वैक्सीनेशन ने किस तरह से बढ़ते केसों पर लगाम लगाई है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इस साल जनवरी में प्रतिदिन 10,000 नए मामले सामने आ रहे थे, जो अब घटकर 200 रह गए हैं. संक्रमण की रफ्तार पर एक तरह से ब्रेक लगाने के बाद सरकार ने स्कूल, बार, रेस्तरां और अन्य इनडोर एक्टिविटी की अनुमति दे दी है. हालांकि, इनडोर पब्लिक स्पेस जैसे कि ऑफिस आदि में मास्क पहनना अभी भी अनिवार्य है.

भारत में कोरोना के ताबड़तोड़ मामले, क्या फिर रद्द होगा UK पीएम जॉनसन का दौरा?

लंदन . कोरोना की विस्फोटक स्थिति को देखते हुए ब्रिटिश पीएम बोरिस जॉनसन पर अपनी भारत यात्रा कैंसिल करने का दबाव बढ़ता जा रहा है। बोरिस जॉनसन 25 अप्रैल को भारत आने वाले हैं। ब्रिटेन की विपक्षा लेबर पार्टी ने पीएम जॉनसन से सवाल किया है कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा के लिए ऑनलाइन बैठक क्यों नहीं कर सकते हैं? बता दें कि अगर बोरिस जॉनसन की यात्रा रद्द होती है तो यह इस साल में दूसरी बार होगा। इससे पहले 26 जनवरी को भी कोरोना की वजह से मुख्य अतिथि के तौर पर भी वह नहीं आ पाए थे।

एनडीटीवी की खबर के मुताबिक, लेबर पार्टी के स्टीव रीड ने कहा है, %ब्रिटेन सरकार लोगों से कह रही है कि अगर जरूरी न हो तो यात्रा न करें और मुझे यह समझ नहीं आ रहा कि पीएम बोरिस जॉनसन भारत सरकार के साथ जूम मीटिंग पर चर्चा क्यों नहीं कर सकते हैं। इस दौर में हम में से कई लोग यहीं करते हैं। मुझे लगता है कि पीएम और जो भी लोग पब्लिक लाइफ में हैं उन्हें एक उदाहरण पेश करना चाहिए।खबर के मुताबिक, बोरिस जॉनसन अपनी भारत यात्रा रद्द नहीं करना चाहते हैं। इससे पहले 26 जनवरी को भी जॉनसन की यात्रा रद्द हो चुकी है। दिसंबर 2019 में ब्रिटेन के आम चुनावों के बाद यूरोप के बाहर ब्रितानी पीएम की यह पहली बड़ी विदेश यात्रा मानी जा रही है।

बता दें कि बोरिस जॉनसन पहले ही अपनी यात्रा को छोटा कर चुके हैं। डाउनिंग स्ट्रीट ने भी इसकी पुष्टि की है कि कोविड संक्रमण के चलते यूके पीएम ने अपनी यात्रा को सिर्फ एक दिन-26 अप्रैल तक का कर दिया है।

अमेरिका ने रूस को दी चेतावनी, 'एलेक्सी नवलनी को जेल में कुछ हुआ, तो भुगतने होंगे गंभीर परिणाम'

वॉशिंगटन. अमेरिका (America) ने एलेक्सी नवलनी (Alexei Navalny) के मुद्दे पर एक बार फिर रूस (Russia) को चेताया है. राष्ट्रपति जो बाइडेन (Joe Biden) ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि यदि जेल में नवलनी की मौत होती है, तो रूस को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे. दरअसल, व्लादिमीर पुतिन (Vladimir Putin) के धुर विरोधी एलेक्सी नवलनी जेल में भूख हड़ताल पर बैठे हुए हैं. डॉक्टरों का कहना है कि उनकी स्थिति बिगड़ती जा रही है और किसी भी समय उनकी मौत हो सकती है. हालांकि, नवलनी समर्थक इसे साजिश करार दे रहे हैं. उन्होंने देशव्यापी प्रदर्शन का ऐलान किया है, ताकि अपने नेता को बचाया जा सके.

Jake Sullivan ने दिया ये बयान

हमारी सहयोगी वेबसाइट WION में छपी खबर के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन (Jake Sullivan) ने कहा कि यूएस ने रूस को चेतावनी दी है कि यदि एलेक्सी नवलनी को जेल में कुछ होता है, तो अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा उसे इसके लिए जवाबदेह ठहराया जाएगा. उन्होंने आगे कहा कि हमने स्पष्ट संदेश दे दिया है कि अगर जेल में नवलनी की मृत्यु होती है, तो रूस को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे. इससे पहले, राष्ट्रपति बाइडेन ने कहा था कि रूस में विपक्षी नेता के साथ जो कुछ हो रहा है वो पूरी तरह गलत है.

EU के विदेश मंत्रियों की बैठक आज

एलेक्सी नवलनी के मुद्दे पर यूरोपीय यूनियन (EU) के विदेश मंत्री आज (सोमवार) बैठक करने जा रहे हैं. माना जा रहा है कि इस बैठक में रूस पर अतिरिक्त प्रतिबंधों का फैसला लिया जा सकता है. बता दें कि मार्च में अमेरिकी सरकार ने रूस के ऐसे 7 शीर्ष अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाया था, जिन पर विपक्षी नेता नवलनी को जहर देने का शक है. इस दौरान यूएस ने कहा था कि नवलनी पर 20 अगस्त 2020 को नर्व एजेंट से हमला किया गया था, जिसमें रूस के फेडरल सिक्योरिटी सर्विस (एफएसबी) के अधिकारी शामिल थे. ये प्रतिबंध रूस की ओर से नवलनी की हत्या की कोशिशों के खिलाफ लगाया गया है.

Putin के संबोधन के बाद होंगे Protest

वहीं, एलेक्सी नवलनी की टीम ने ऐलान किया है कि बुधवार शाम को पूरे देश में प्रदर्शन किए जाएंगे. यह प्रदर्शन राष्ट्रपति ०?लादिमीर पुतिन देश के नाम संबोधन के बाद होंगे. नवलनी के खास कहे जाने वाले लियोनिद वोलकोव (Leonid Volkov) ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा है कि अब कुछ कर गुजरने का समय आ गया है. हम केवल नवलनी की आजादी के लिए नहीं बल्कि उनके जीवन के लिए भी जंग लड़ रहे हैं. उन्होंने कहा कि बुधवार की रैली सरकार के खिलाफ लड़ाई में एक निर्णायक मोड़ साबित होगी.

कार्टून पर विवाद, पाकिस्तान में फिर भड़की हिंसा, पुलिसकर्मियों को बंधक बनाकर दी जा रही यातनाएं

लाहौर . पाकिस्तान में रविवार को एक बार फिर हिंसा भड़क गई। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों द्वारा रविवार को प्रतिबंधित इस्लामी पार्टी तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) पर की गई कार्रवाई में संगठन के तीन कार्यकर्ता मारे गए और कई अन्य जख्मी हो गए। वहीं टीएलपी ने पांच पुलिस अधिकारियों को रविवार को लाहौर से अगवा कर लिया। संगठन के समर्थकों ने एक पुलिस उप-अधीक्षक (डीएसपी) को बंधक बनाकर यातनाएं दी हैं रेंजर्स और पुलिस ने रविवार की सुबह लाहौर में टीएलपी के मुख्यालय पर कार्रवाई शुरू की ताकि वहां इकट्ठे हजारों कार्यकर्ताओं को हटाया जा सके। इन लोगों ने मुख्य मुल्तान रोड को जाम कर दिया था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अभियान के दौरान टीएलपी के तीन कार्यकर्ता मारे गए और कई अन्य जख्मी हो गए। जख्मी होने वालों में पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी सहित कई पुलिसकर्मी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि टीएलपी के समर्थकों की संख्या हजारों में थी इसलिए रेंजर्स और पुलिस उन्हें तीन घंटे के अभियान में नहीं हटा पाई। उन्होंने कहा कि पुलिस ने और अधिक जान जाने की आशंका के कारण अभियान समाप्त कर दिया। संगठन ने एक वीडियो शेयर किया जिसमें अगवा अधिकारी दिख रहेथे।

नवनकोट पुलिस स्टेशन पर हमला

पंजाब प्रांत की पुलिस ने एक बयान में बताया कि सुबह शरारती तत्वों ने नवनकोट पुलिस स्टेशन पर हमला कर दिया। हमले के समय रेंजर्स और पुलिस अधिकारी अंदर ही फंसे थे। उन्होंने नवनकोट डीएसपी का अपहरण कर लिया और मरकज में ले गए। वो कम से पचास हजार लीटर पेट्रोल वाले एक टैंकर को भी मरकज ले गए। पाकिस्तान के पत्रकार हामिद मीर के ट्वीट के जवाब में पुलिस ने कहा कि पुलिस और रेंजर्स ने उन्हें पीछे धकेल दिया है और पुलिस स्टेशन को दोबारा कब्जे में ले लिया है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने मदरसे और मस्जिद के खिलाफ कोई अभियान नहीं चलाया। पुलिस प्रवक्ता आरिफ ने बताया कि टीएलपी सदस्यों के हमले में 11 पुलिस अधिकारी घायल हुए हैं। सभी का शहर के अलग-अलग हॉस्पिटल में इलाज किया जा रहा है।

यह है मामला

टीएलपी ने बीते सोमवार को तब विरोध प्रदर्शन शुरू किया था जब एक कार्टून संबंधी विवाद को लेकर फ्रांसीसी राजदूत को देश से निष्कासित करने के लिए संगठन द्वारा दी गई 20 अप्रैल समयसीमा से पहले संगठन के प्रमुख साद हुसैन रिज़वी को गिरफ्तार कर लिया गया था। हिंसा के बाद पाकिस्तान की इमरान खान ने कट्टर इस्लामी पार्टी तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान को 1997 के आतंकवाद रोधी अधिनियम के नियम 11-बी के तहत प्रतिबंधित कर दिया था।

कोरोना से जंग में कौन है बेहतर हथियार कपड़े का मास्क या N95? अमेरिकी डॉ. फहीम यूनुस ने दिया इस सवाल का जवाब

➤इस सवाल के जवाब में कि क्या बिना मास्क के पार्क और समुद्र तट पर जाना सुरक्षित है? डॉ. फहीम यूनुस ने कहा कि यदि दो व्यक्तियों के बीच 6 फीट की दूरी है, तो ऐसी जगहों पर बिना मास्क के घूमना सबसे सुरक्षित है. उन्होंने कहा कि मौजूदा स्थिति में N95 मास्क निश्चित रूप से कपड़े के मास्क से बेहतर हैं.

उन्होंने कोरोना की दूसरी लहर से बचने के लिए ह९5 याचह९5 मास्क पहनने की सलाह दी है.

वॉशिंगटन. जब से मेडिकल जर्नल द लैंसेट में प्रकाशित स्टडी में यह दावा किया गया है कि कोरोना वायरस (Coronavirus) के हवा में फैलने की आशंका है, तब से यह सवाल अहम हो गया है कि कौन सा मास्क (Mask) वायरस से बचा सकता है. क्या कपड़े का मास्क वायरस (Virus) रोकने में कारगर है या फिर N95 जैसे मास्क का उपयोग किया जाना चाहिए? मैरीलैंड स्कूल ऑफ मेडिसिन के डॉ. फहीम यूनुस (Dr Faheem Younus) ने इस सवाल का जवाब देने का प्रयास किया है.

इस तरह इस्तेमाल करें Mask

हमारी सहयोगी वेबसाइट DNA में छपी खबर के अनुसार, डॉ. फहीम यूनुस ने कहा है कि हवा में फैलने वाले वायरस (Airborne Virus) से निपटने के लिए ह९5 या चह९5 मास्क इस्तेमाल करना बेहतर विकल्प है. उन्होंने लोगों को दो ह९5 या चह९5 मास्क खरीदने की सलाह देते हुए कहा है कि एक मास्क एक दिन इस्तेमाल करें. इसके बाद उसे पेपर बैग में रख दें और दूसरा इस्तेमाल करें. हर 24 घंटे पर ऐसे ही मास्क अदल-बदल कर पहनें. उन्होंने यह भी कहा कि यदि मास्क को कोई नुकसान नहीं हुआ है, तो उसे कई हफ्तों तक फिर से इस्तेमाल किया जा सकता है.

Park और Beaches पर जाना सुरक्षित है?

इस सवाल के जवाब में कि क्या बिना मास्क के पार्क और समुद्र तट पर जाना सुरक्षित है? डॉ. फहीम यूनुस ने कहा कि यदि दो व्यक्तियों के बीच 6 फीट की दूरी है, तो ऐसी जगहों पर बिना मास्क के घूमना सबसे सुरक्षित है. उन्होंने बताया कि जब बात हवा में फैलने वाले वायरस की आती है, तो एन 95 मास्क निश्चित रूप से कपड़े से बने मास्क से बेहतर होते हैं. ह९5 और सर्जिकल मास्क व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों के उदाहरण हैं, जो पहनने वाले को हवा में मौजूद बारीक कणों से बचाते हैं. यह हवा में मौजूद 95 प्रतिशत कणों को रोकने में सक्षम है, इसलिए इसका नाम ह९5 पड़ा है.

क्या N95 Mask को धो सकते हैं?

क्या N95 मास्क को पुन: इस्तेमाल किया जा सकता है, इसे लेकर स्थिति कुछ स्पष्ट नहीं है. डॉ. फहीम यूनुस के मुताबिक जहां इसे दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है. वहीं, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने पहले कहा था कि ह९5 केवल एक बार उपयोग के लिए है.

एक सवाल यह भी है कि क्या इन मास्क को धोया जा सकता है? तो इसका जवाब है 'हां'. बाजार में ऐसे ह९5 मास्क भी उपलब्ध हैं, जिन्हें गंदा होने पर धोया जा सकता है. ये मास्क नोज क्लिप और इयरलूप के साथ आते हैं, ताकि आप बिना किसी परेशानी के लंबे समय तक मास्क पहन सकें

एक नजर

मास्क न लगाने पर टोका तो दिल्ली पुलिसकर्मियों से भिड़ गई युवती, पति संग गिरफ्तार

नई दिल्ली। कोरोना वायरस संक्रमण के दौर में जहां लोग इलाज के लिए परेशान हैं, वहीं देश की सबसे हाइटेक मानी जाने वाली दिल्ली पुलिस के साथ दंपती द्वारा हैरान करने वाली करतूत सामने आई है। जागरण संवाददाता से मिली जानकारी के मुताबिक, नई दिल्ली क्षेत्र में कार सवार दंपती द्वारा दिल्ली पुलिसकर्मियों के साथ बदसलूकी का मामला सामने आया है। पुलिसवालों के साथ यह बदसलूकी इसलिए की गई, क्योंकि कार सवार दंपती को मास्क नहीं लगाने पर टोका था। दरअसल, दरियागंज स्थित दिल्ली गेट के समीप वीकेंड कर्फ्यू के दौरान एक दंपती द्वारा पुलिसकर्मियों के साथ बदसलूकी का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें साफ-साफ देखा जा सकता है कि किस तरह दंपती मास्क नहीं पहनने पर टोकने पर बदसलूकी करते नजर आ रहे हैं। वहीं, दिल्ली पुलिस ने कानूनी कार्रवाई करते हुए पति पकंज और पत्नी आभा को गिरफ्तार कर लिया है।

बताया जा रहा है कि अपने पति के साथ बिना मास्क के कार में घूम रही महिला को दिल्ली पुलिस ने जांच के लिए रोका था। कार रोकते ही महिला ने पुलिसकर्मियों के साथ काफी दर तक बदसलूकी की। यहां तक पुलिसकर्मियों को आरोपित महिला ने कम पढ़ा लिखा और खुद को यूपीएससी टॉपर बताकर डराने लगी। थाने से महिला सिपाही को बुलाकर आरोपित महिला को काबू कर थाने लाया गया और फिर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

बताया जा रहा है कि आरोपित महिला ने भीड़ को भी उकसाने का प्रयास किया। फिलहाल पुलिस ने दंपती के खिलाफ सरकारी आदेश के उल्लंघन करने का मामला दर्ज किया है। वीडियो देखने के बाद मध्य जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में और भी कई धाराएं जोड़ी जाएंगी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि बदसलूकी करने वाला दंपती पटेल नगर इलाके का रहने वाला है। आरोपित दंपती की पहचान पंकज और आभा के रूप में हुई है। बता दें कि दिल्ली में कार के भीतर मास्क नहीं लगाने पर 2000 रुपये का फाइन लगाने का नियम है। इस पर दिल्ली हाई कोर्ट ने भी मुहर लगा दी है। ऐसे में इस महिला पर उसके पति दोनों पर मास्क नहीं पहनने पर अलग-अलग 2000 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा कई अन्य धाराएं भी लगाई गई हैं।

दिल्ली में कोरोना से बिगड़े हालात, साकेत फैमली कोर्ट के जज की कोविड-19 संक्रमण से मौत

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस से फैले संक्रमण के चलते हालात लगातार बिगड़ते जा रहे है. इससे होने वाली मौतों का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है. अब साकेत के फैमली कोर्ट के एक जज की कोरोना संक्रमण से मौत हो गई है. जज कोवई वेणुगोपाल संक्रमित हो गए थे. उनका इलाज चल रहा था, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका. बता दें कि दिल्ली में कोरोना संक्रमितों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है. बिगड़ी स्थितियों को देखते हुए अरविंद केजरीवाल की सरकार ने दिल्ली में 6 दिन के लिए पूर्ण लॉकडाउन लगा दिया है. बहरहाल, वेणुगोपाल की उम्र करीब 50 साल थी और वह तीन दिन पहले की अस्पताल में भर्ती हुए थे. इस बीच दिल्ली उच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना वायरस के तेजी से बढ़ते मामलों के मद्देनजर सोमवार को जिला अदालतों को आदेश दिया कि वे केवल आवश्यक मामलों पर ही वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए ही सुनवाई करें. इस आदेश से एक दिन पहले उच्च न्यायालय ने कहा था कि इस वर्ष दायर किए गए मामलों में से 19 अप्रैल से केवल उन्हीं मामलों पर सुनवाई करेगा जो 'अत्याधिक आवश्यक' हैं. बता दें कि 8 अप्रैल 2021 को उच्च न्यायालय ने तय किया था कि 9 से लेकर 23 अप्रैल तक वह केवल डिजिटल माध्यम से ही मामलों पर सुनवाई करेगा. उसी दिन जिला अदालतों के लिए भी इसी तरह का निर्देश जारी किया गया था.

दिल्ली में कोरोना बेकाबू- दिल्ली में रविवार को कोविड-19 के एक दिन में सर्वाधिक 25,462 नए मामले सामने आए थे और यहां संक्रमण की दर बढ़कर 29.74 फीसदी पर पहुंच गई. इसका मतलब यह है कि लगभग हर तीसरा नमूना जांच में संक्रमित पाया गया. वहीं, आज सीएम अरविंद केजरीवाल ने छह दिन के लॉकडाउन की घोषणा कर दी है, जोकि आज रात 10 बजे से लागू हो जाएगा.

दिल्ली-मेरठ हाइवे से हटाए गए बैरियर, रास्ता खोलने का काम शुरू

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली सहित पूरे देश में कोरोना वायरस का कहर जारी है. वहीं, किसान अभी भी दिल्ली की सीमाओं पर प्रदर्शन कर रहे हैं. इसी बीच खबर है कि गाजीपुर बॉर्डर पर रविवार देर रात दिल्ली से गाजियाबाद की ओर जाने वाले रास्ते को खोलने का काम शुरू कर दिया गया है. दिल्ली-मेरठ हाईवे पर लगी बैरिकेडिंग को हटा लिया गया है, लेकिन अभी तक आधिकारिक तौर पर पुलिस इस मामले में कुछ भी नहीं बोल रही है. वहीं, किसानों ने बताया कि उनके कहने के बाद ही पुलिस ने इस रास्ते को खोला है.

भारतीय किसान यूनियन के मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र मलिक ने बताया कि दिल्ली पुलिस की ओर से दिल्ली से गाजियाबाद जाने वाले रास्ते की तीन लेन को खोला गया है. किसानों के आह्वान के बाद ही पुलिस ने यह फैसला लिया है. दरअसल, आम लोगों को हो रही परेशानी के चलते कई दिनों से किसान प्रशासन से इस रास्ते को खोलने की मांग कर रहे थे. उन्होंने कहा कि दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर गाजियाबाद से दिल्ली की ओर जाने वाली सभी लेन अभी भी बंद हैं और यहां पर किसान धरने पर बैठे हुए हैं. हालांकि, इस मामले में पुलिस ने आधिकारिक तौर पर कुछ भी नहीं कहा है.

इस घटनाक्रम से पहले बीकेयू के महासचिव युद्धवीर सिंह ने एक बड़ा बयान दिया था. उन्होंने बीते सोमवार को कहा था कि किसानों की संस्था भाजपाके खिलाफ नहीं है और उत्तर प्रदेश के लोग अपना वोट जिसे चाहें, उस पार्टी को दे सकते हैं. वास्तव में बीकेयू नेता प्रदेश में आगामी पंचायत चुनावों के सिलसिले में बात कर रहे थे और उनके इस बयान के बाद कई तरह की क़यासों का दौर चल पड़ा है. इस बयान को अजीब इसलिए माना जा रहा है, क्योंकि भारतीय किसान यूनियन ने पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों के दौरान कई सभाएं और प्रचार करते हुए लोगों के बीच जाकर पुरज़ोर अपील की कि वो भाजपा का बहिष्कार करें. साथ ही उत्तर प्रदेश में भी यूनियन ने नए कृषि कानूनों का विरोध करते हुए कई महापंचायतों का आयोजन किया.

कोरोना मरीजों के लिए राहतभरी खबर, दिल्ली को जल्द मिलेंगे 3 हजार ऑक्सीजन बेड

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस के मामले ने सारे रिकॉर्ड को तोड़ दिए हैं. यहां पर हजारों मरीज रोज सामने आ रहा हैं. साथ ही 100 से अधिक मरीज की रोज मौत हो रही है. ऐसे में लोगों के बीच भय का माहौल बना हुआ है. वहीं, कोरोना मरीजों की बढ़ती संख्या के चलते दिल्ली में हालत ऐसी हो गई है कि अस्पतालों में कोविड के बेड लगभग फुल हो गए हैं. साथ ही ऑक्सीजन की कमी भी हो गई है. वहीं, इलाज के लिए वेंटिलेटर या ऑक्सीजन की सुविधा वाले बेड्स की जरूरत है. ऐसे में इन जरूरतों को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को राष्ट्रमंडल खेल गांव, यमुना खेल परिसर, राउस एवेन्यू में स्कूल का दौरा किया. केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में अगले दो या तीन दिन में तीन हजार बेड्स तैयार हो जाएंगे. सीएम अरविंद केजरीवाल ने ट्विटर पर तस्वीर शेयर करते हुए कहा कि इन तीन जगहों पर 1500 ऑक्सीजन बेड तैयार हो जाएंगे. केंद्र सरकार के निर्देश पर डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन यानी DRDO ने कोरोना के गंभीर हालत वाले मरीजों के इलाज के लिए एयरपोर्ट के पास अपना एक अस्पताल तैयार किया है. कुल 500 बेड्स की क्षमता वाले इस अस्पताल के 250 बेड्स पर सोमवार से मरीजों की भर्ती शुरू होने की उम्मीद है, जबकि बाकी के 250 बेड्स भी अगले दो-तीन दिनों में रेडी हो जाएंगे. दिल्ली में कोरोना के मामले रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं. रोजाना 25 हजार से ज्यादा आ रहे कोरोना संक्रमितों के आंकड़ों के मुकाबले दिल्ली के अस्पतालों में मौजूद सुविधाएं भी कम पड़ रही हैं. ऐसे में कोरोना से जंग लड़ रहे दिल्ली के लोगों को बचाने के लिए अब अरविंद केजरीवाल सरकार ने प्राइवेट अस्पतालों को आदेश जारी किया है. राज्य सरकार ने दिल्ली के 115 प्राइवेट अस्पतालों को बेड बढ़ाने के आदेश दिए हैं. केजरीवाल सरकार की ओर से आदेश दिया गया है कि दिल्ली के सभी प्राइवेट अस्पताल और नर्सिंग होम जो कोविड का उपचार उपलब्ध करा रहे हैं,

सीएम केजरीवाल ने कहा न छोड़ें दिल्ली फिर भी बस अड्डे की ओर चल दिए लोग, बढ़ गई भीड़

(आनंद राय)

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में एक सप्ताह के लॉकडाउन की घोषणा होने के साथ ही बस अड्डे पर यात्रियों की भीड़ बढ़ गई। ये वो यात्री थे जो दिल्ली में काम करते थे। अब लॉकडाउन होने की वजह से एक सप्ताह तक उनके पास करने के लिए कुछ नहीं होगा, साथ ही घर से भी बाहर नहीं निकलना होगा इसलिए ऐसे लोग अपना सामान समेटकर बसों के माध्यम से घर जाने के लिए निकल लिए। आनंद विहार आइएसबीटी और कौशांबी बस अड्डे पर ऐसे यात्रियों की काफी भीड़ देखने को मिली। रेलवे स्टेशनों पर लोगों की भीड़ देखने को नहीं मिली। उसका एक बड़ा कारण ये था कि इन दिनों जिसके पास कनफर्म टिकट होता है उसी को स्टेशन में प्रवेश दिया जा रहा है। इस वजह से रेलवे स्टेशनों की ओर अधिक यात्री नहीं जाते हैं।

इससे पहले दिल्ली में शुक्रवार से लॉकडाउन लगा हुआ था। सोमवार की सुबह जब इसे खोला गया तो सीएम अरविंद केजरीवाल ने एलजी अनिल बैजल के साथ मीटिंग करके दोपहर 12 बजे लॉकडाउन की घोषणा कर दी। इस घोषणा के बाद ही लोगों में अफरातफरी मच गई। लोग सामान खरीदने के लिए अपने घरों से बाहर निकल गए। इसी तरह से काफी संख्या में लोग अपना सामान समेटकर बस अड्डों की ओर चल दिए।

अब दिल्ली में आगामी 26 अप्रैल तक लॉकडाउन लगा दिया गया है। यह सोमवार रात (आज) 10 बजे से लागू होगा और अगले एक सप्ताह तक चलेगा। सोमवार रात 10 बजे से लेकर आगामी 26 अप्रैल तक दिल्ली में पूर्ण कर्फ्यू लगाया गया है लेकिन जरूरी सेवाओं को छूट दी गई है।

दिल्ली के ये बाजार हैं बंद दिल्ली में चांदनी चौक मुख्य मार्ग, सदर बाजार, चावड़ी बाजार, भागीरथ पैलेस, ओल्ड लाजपत राय बाजार, न्यू लाजपत राय बाजार, दरीबा, किनारी बाजार, नई सड़क, खारी बावली, केमिकल बाजार, फोटो बाजार , साइकिल बाजार, मोरी गेट, अशोक विहार, करोलबाग की विभिन्न बाजार, गांधी नगर, शांति मोहल्ला बाजार, पूर्वी दिल्ली की अनेक बाजार, कंप्यूटर बाजार, रबर प्लास्टिक बाजार आदि पूरी तरह से बंद रहेंगे।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार दिल्ली में अब तक कुल आठ लाख 53 हजार 460 मामले आ चुके हैं। जिसमें से सात लाख 66 हजार 398 मरीज ठीक भी हो चुके हैं। इससे मरीजों के ठीक होने की दर 90.12 फीसद से घटकर 89.79 फीसद हो गई है। मृतकों की संख्या 12,121 हो गई है। फिर भी मृत्यु दर 1.47 फीसद से घटकर 1.42 फीसद पर आ गई है। मौजूदा समय में 74,941 सक्रिय मरीज हैं। जिसमें से 13,887 मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं। वहीं कोविड केयर सेंटर में 558 व कोविड हेल्थ सेंटर में 96 मरीज भर्ती हैं। इसके अलावा होम आइसोलेशन में रहकर इलाज कराने वाले मरीजों की संख्या 34,398 हो गई है।

आप विधायक का आरोप, पश्चिम बंगाल चुनाव जीतने के लिए कोरोनों को लेकर ढिलाई बरत रही भाजपा

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर समेत देशभर में बढ़ रहे कोरोना वायरस संक्रमण के मामले के बीच इस पर राजनीति भी जमकर हो रही है। खासकर चुनावी राज्यों में कोरोना के मामलों के बढ़ने का सिलसिला भी तेज हो गया है। वहीं, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार को लेकर राहुल गांधी और तृणमूल कांग्रेस ने रैलियों को रद करने भी बात कही है। इस बीच आम आदमी पार्टी के नेता और विधायक राघव चड्ढा ने आरोप लगाया है कि बंगाल चुनाव जीतने के लिए भाजपा न शारीरिक दूरी का पालन कर रही है और न ही दवाई का इंतजाम कर रही है। वोट पाने के लिए ढिलाई ही ढिलाई कर रही है। उन्होंने मांग की कि इसे तत्काल बंद किया जाना चाहिए।

राघव चड्ढा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नारा है कि देश नहीं झुकने देंगे, जबकि हमारा नारा होना चाहिए देशवासियों को नहीं मरने देंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा जवाब दे कि अगर 2-4 चुनाव जीत भी लिए तो उससे क्या फर्क पड़ जाएगा। चुनाव आएंगे-जाएंगे, सरकारें बनेंगी-बिगड़ेंगी, लेकिन लोगों की जिंदगी वापस नहीं आएगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार कोरोना प्रबंधन की जगह चुनाव पर ज्यादा ध्यान दे रही है। पिछले 10 दिनों में जिस गति से कोरोना संक्रमण व मौत के आंकड़े बढ़े हैं, उससे ज्यादा गति से बंगाल में भाजपा की रैलियों की संख्या बढ़ी है।

देश में कोरोना के रोजाना 2 लाख से अधिक मामले आ रहे हैं, जबकि भाजपा बंगाल चुनाव में जनसैलाब वाली रैलियां करने में व्यस्त हैं। बता दें कि देशभर में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। आलम यह है कि रोजाना कोरोना के रिकॉर्ड मामले सामने आने के साथ ही मौतों की संख्या भी बढ़ी है।

सप्ताह भर के लॉकडाउन से दिल्ली के बाजारों को रोजाना होगा 600 करोड़ का नुकसान!

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में कोविड के बेकाबू होने के चलते सोमवार को 6 दिन का पूर्ण लॉकडाउन लगाने की घोषणा कर दी गई है. कुछ रियायत और पाबंदियों के साथ लॉकडाउन लगाया गया है. लॉकडाउन के चलते दिल्ली के लगभग 100 से अधिक प्रमुख बाजार भी सप्ताह भर के लिए बंद रहेंगे. हालांकि रोजमर्रा की जरूरत के सामान की दुकानों को रियायत और गाइडलाइन के साथ खुला रखने की इजाजत दी गई है. एक अनुमान के अनुसार, सप्ताह भर तक दिल्ली के बाजारों के बंद रहने से रोजाना करीब 600 करोड़ के व्यापार का नुकसान होगा.

कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ़ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल कहते हैं कि एक मोटे अनुमान के अनुसार दिल्ली में लॉकडाउन की अवधि के दौरान प्रतिदिन लगभग 600 करोड़ रुपये का व्यापार नहीं होगा, जबकि देश के अन्य राज्यों में लॉकडाउन, आंशिक लॉकडाउन, रात्रि कर्फ़्यू एवं अन्य बंदिशों के चलते प्रतिदिन लगभग 10 हजार करोड़ रुपये का व्यापार नहीं हो पा रहा है. उनका कहना है कि निर्यात की वस्तुओं के व्यापार पर भी बुरा असर पड़ा है, क्योंकि कोरोना के संक्रमण को रोकना जरूरी है, इसलिए व्यापारियों के पास भी बाजार बंद करने के अलावा दूर कोई रास्ता नहीं बचा है.

उन्होंने दिल्ली के उपराजयपाल अनिल बैजल और मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल से आग्रह किया है कि वे दिल्ली को पांच भाग सेंट्रल, पूर्व, पश्चिम, उत्तरी और दक्षिणी दिल्ली में बांटकर पांच नोडल अधिकारियों को नामांकित करें, जिनके साथ सहयोग करते हुए सभी जोन में कैट टीम के लोग आपूर्ति एवं अन्य कार्यों में सरकार के सहभागी बन सकें.

व्यापारी सभी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति करेंगे- कैट महामंत्री ने 26 अप्रैल तक दिल्ली में लॉकडाउन लगाने की घोषणा को सही कदम बातते हुए कहा कि अब जब दिल्ली में लॉकडाउन घोषित हो गया है, ऐसे में दिल्ली के सभी व्यापारी संगठन अपनी ज़िम्मेदारियों के प्रति प्रतिबद्ध हैं और सरकार के दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करेंगे और दूसरों को भी पालन करने के लिए प्रेरित करेंगे साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि दिल्ली में सभी प्रकार से आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति की जाएगी, जिससे आम लोगों को लॉकडाउन से कोई असुविधा न हो.

अगले 24 घंटे में बदलेगा मौसम का मिजाज, चलेगी धूल भरी आंधी; बारिश होने के भी आसार

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के मौसम में तेजी से उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। पिछले 2 दिन दिन तक राहत के बाद सोमवार को तेज धूप और गर्मी परेशान कर रही है। इस बीच भारतीय मौसम विज्ञान विभाग का कहना है कि मंगलवार को एक बार फिर दिल्ली का मौसम करवट लेगा। धूल भरी आंधी चलने के साथ-साथ हल्की बारिश होने के भी आसार हैं। इससे अभी अगले तीन चार दिन और गर्मी की तल्खी थोड़ी कम ही रहेगी। वहीं, यह भी कहा जा रहा है कि अप्रैल के अंतिम सप्ताह से गर्मी में इजाफा होगा और जून में लू चलनी भी शुरू होगी।

वहीं, स्काईमेट वेदर के अनुसार मंगलवार को पहाड़ों पर फिर से एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। इसके असर से पहाड़ों पर बर्फबारी और बारिश होगी जबकि मैदानी इलाकों में धूल भरी आंधी चलने तथा बारिश होने के आसार हैं।

बताया जा रहा है कि पहाड़ों पर तो इस पश्चिमी विक्षोभ का असर बृहस्पतिवार तक यानी तीन दिन रहेगा, लेकिन दिल्ली सहित अन्य मैदानी इलाकों में केवज एक ही दिन के लिए मौसम करवट लेगा।

इस बीच रविवार को मौसम साफ रहा। दिन भर धूप खिली रही, हालांकि उसकी चुभन हल्की थी। अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 35.7 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान से तीन डिग्री कम 18.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 32 से 83 फीसद रहा। स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स 38.0 डिग्री सेल्सियस अधिकतम एवं 23.8 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान के साथ दिल्ली का सबसे गर्म इलाका रहा।

दिल्ली एनसीआर की हवा में सुधार बरकरार

शुक्रवार शाम हुई बारिश और सप्ताहांत कर्फ्यू का असर दिल्ली एनसीआर की हवा में रविवार को भी साफ नजर आया। सभी जगह की हवा मध्यम श्रेणी में रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा जारी एयर क्वालिटी इंडेक्स के अनुसार दिल्ली सहित एनसीआर के शहरों में भी रविवार को एयर इंडेक्स 200 से नीचे दर्ज हुआ। शनिवार को भी यह मध्यम श्रेणी में ही था। सफर इंडिया के मुताबिक हाल फिलहाल इसमें इजाफा होने के आसार भी नहीं हैं।

लॉकडाउन का एलान होते ही दिल्ली में शराब की दुकानों के आगे लगी भारी भीड़, जमकर उड़ाई जा रही कोविड -19 के नियमों की धज्जियां

नई दिल्ली। दिल्ली में आगामी 26 अप्रैल तक लॉकडाउन के एलान के बाद शहर की शराब की दुकानों पर भारी भीड़ देखी जा रही है। दक्षिण दिल्ली के लाजपतनगर, ग्रेटर कैलाश, नेहरू प्लेस के साथ पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर, शकरपुर आदि इलाकों में शराब की दुकानों पर भारी भीड़ है। यह भीड़ पूरी दिल्ली में है, वहीं, शराब के दुकानदार भी लाइन में लगे लोगों से शारीरिक दूरी के नियमों का पालन करवाने में असमर्थ हैं। वहीं, कहा जा रहा है कि हालात यही रहे तो कुछ देर बाद भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए दिल्ली पुलिस को मोर्चा संभालना पड़ेगा। जिस तरह से लोग शारीरिक दूरी के नियमों को ताक पर रखकर शराब की दुकानों के बाहर लगे हैं, उससे कोरोना बम फूटने का खतरा भी मंडरा रहा है। कोरोना वायरस को फैलने से रोकने को लेकर विशेषज्ञों का कहना है कि मास्क लगाने के साथ शारीरिक दूरी के नियम का पालन भी जरूरी है।

दरअसल, बुधवार (21 अप्रैल) को रामनवमी के चलते दिल्ली में ड्राइ डे है और फिर लॉकडाउन के कारण शराब की दुकानें बंद रहेंगीं। ऐसे में सोमवार दोपहर में जैसे ही सीएम अरविंद केजरीवाल ने लॉकडाउन का एलान किया तो दिल्ली में शराब की दुकानों के बाहर जगह-जगह लंबी कतारें दिखीं।

दिल्ली के लाजपतनगर, लक्ष्मी नगर, जहांगीरपुरी समेत तमाम इलाकों में शराब की दुकानों बेतहाशा भीड़ जुटी हुई है। इस दौरान लाइन में लगने वाले शारीरिक दूरी के नियमों का उल्लंघन करते नजर आए।

इससे पहले पिछले साल जब दिल्ली में लंबे वक्त के बाद पिछले साल जब लॉकडाउन 3.0 में जनता को कई तरह की रियायत मिली थीं तो शराब की दुकानों के बाहर इसी तरह की भारी भीड़ नजर आई थी। इस दौरान दिल्ली में हालात इतने खराब हो गए थे कि कोई भी शारीरिक दूरी का पालन नहीं कर रहा था, ऐसे में दिल्ली पुलिस को लाठी चार्ज के साथ शराब की दुकानों को बंद तक करवाना पड़ा था।

दिल्ली में 25 से घटाकर 21 साल की गई शराब पीने की उम्र

बता दें कि पिछले दिनों दिल्ली सरकार ने एक्साइज पॉलिसी में बड़ा बदलाव किया है। अब दिल्ली में शराब की नई दुकानें खोली जाएंगी। शराब खरीदने के लिए लीगल उम्र भी 21 साल होगी, हालांकि अभी तक यह नियम लागू नहीं हुआ है। मनीष सिसोदिया ने ये भी बताया था कि अब शराब की नई दुकानें नहीं खोली जाएंगी। इसका मतलब हुआ कि दिल्ली में जितनी शराब की दुकानें हैं, उतनी ही रहेंगी।

यहां पर बता दें कि राजधानी दिल्ली में अभी कुल 850 शराब की दुकानें हैं। इनमें से 60 फीसद सरकारी और 40 फीसद प्राइवेट हैं। दिल्ली के डिप्टी सीएम ने एलान किया है कि दिल्ली में कोई भी नई शराब की दुकान नहीं खुलेगी। इसके साथ ही सरकारी शराब की दुकानों को भी बंद कर दिया जाएगा। मौजूदा सरकारी शराब की दुकानों की नीलामी की जाएगी और इन्हें निजी हाथों में दिया जाएगा।

धरती के भगवान बोले- कोरोना टीका जरूर लगवाएं दिल्ली के लोग, आसान हो जाएगी मौत से लड़ाई

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमितों के दिन ब दिन बढ़ रहे आंकड़े दिल्ली में सत्तासीन आम आदमी पार्टी सरकार के साथ लोगों के लिए भी चिंता का सबब बना हुआ है। यहां तक कि टीकाकरण के एक या फिर दोनों डोज लेने के बाद भी लोग वायरस की जद में आ रहे हैं, लेकिन इस बीच राहत की बात यह है कि टीकाकरण के बाद कोरोना संक्रमित हुए मरीजों में गंभीर लक्षण अभी तक नहीं दिखाई दिए हैं। वास्तव में टीका लोगों की जिंदगी बचा रहा है। ऐसे में कोरोना संक्रमण के गंभीर लक्षण से बचना है तो टीकाकरण बहुत ही आवश्यक है।

दिल्ली के नामी सर गंगाराम अस्पताल के चेस्ट मेडिसीन विशेषज्ञ डॉ. बाबी भालोत्रा ने बताया कि टीकाकरण के बाद अच्छी एंटी बॉडी के साथ ही टीसेल इम्यूनिटी विकसित हो रही है। ऐसे में अगर टीकाकरण के बाद कोई कोरोना से संक्रमित हो रहे हैं तो उनमें गंभीर लक्षण नहीं दिखाई दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हमारे अस्पताल में टीका लगाने के बाद 37 डॉक्टर व नर्स कोरोना से संक्रमित हो गए थे, लेकिन एक में भी गंभीर लक्षण नहीं दिखाई दिए और धीरे-धीरे सभी ठीक हो गए हैं। सभी में हल्का संक्रमण था। उन्होंने कहा कि टीके को जितना कार्य करना चाहिए वह कर रहा है।

इस बाबत द्वारका स्थित मणिपाल अस्पताल में पल्मोनोलाजी कंसल्टेंट डॉ. देविंदर कुंद्रा ने बताया कि अभी अस्पताल में 15-20 प्रतिशत मरीज ऐसे आते हैं जिन्होंने टीका लगा लिया है। लोग यह सोचते हैं कि टीका लगाने के बाद भी वे क्यों संक्रमित हो गए। इसका कारण यह है कि टीके का पहला डोज लेने के बाद लोग लापरवाह हो जाते हैं और स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों का पालन नहीं करते। ऐसे में कोरोना वायरस की चपेट में आना स्वाभाविक है।

उन्होंने कहा कि टीका लगाने के 21 दिन बाद एंटी बाडी विकसित होनी शुरू होती है। ऐसे में अगर टीका लगा भी लिया है तो मास्क पहनने के साथ ही शारीरिक दूरी का पालन करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि टीका लगाने के बाद भी संक्रमित होने का खतरा रहता है, लेकिन सुकून की बात यह है कि ऐसे लोगों में गंभीर लक्षण नहीं दिखाई दे रहे हैं। वह साधारण दवा से ही ठीक हो रहे हैं। आज के समय में यह बहुत बड़ी बात है।

10 दिन के लिए बंद हो सकता है दिल्ली विश्वविद्यालय

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय का नार्थ कैंपस कोरोना की जद में आ चुका है। संक्रमण के मामले दो सौ के पास पहुंचने वाले हैं। परीक्षा विभाग में आधे से अधिक कर्मचारी संक्रमित हो चुके हैं। स्कूल आफ ओपन लर्निंग, पेंशन विभाग, कालेज विभाग समेत अन्य विभागों में संक्रमण के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। लिहाजा, डीयू सात से दस दिन के लिए बंद किया जा सकता है। सोमवार को उच्च पदस्थ अधिकारियों की होने वाली बैठक में इस पर कोई ठोस निर्णय लिया जाने की संभावना है।

डीयू के एक उच्च पदस्थ अधिकारी ने बताया कि शनिवार को स्कूल आफ ओपन लर्निंग में संक्रमण के 15 मामले सामने आए। परीक्षा विभाग में कुल आठ पदाधिकारी है जिसमें से छह संक्रमित हो चुके हैं। एंथ्रोपोलाजी विभाग को पहले ही बंद किया ही जा चुका है। पेंशन विभाग एवं कझ्रलेज विभाग में भी कई कर्मचारी संक्रमित हो गए हैं। अधिकारी की मानें तो डीयू का शायद ही कोई ऐसा विभाग बचा हो जिसमें संक्रमण का मामला सामने नहीं आया हो। डीयू नार्थ कैंपस में ही संक्रमण के मामले दो सौ तक पहुंचने वाले हैं। परीक्षा विभाग को तीन दिनों के लिए बंद कर दिया गया है। अब डीयू को सात से दस दिन तक बंद करने की तैयारी है, ताकि कोरोना संक्रमण की चेन तोड़ी जा सके।

छात्रावास को लेकर जारी होंगे दिशानिर्देश- डीयू सूत्रों ने बताया कि सोमवार को डीयू बंद करने समेत छात्रावास में रह रहे छात्रों को लेकर एक विस्तृत दिशानिर्देश जारी हो सकते हैं। डीयू छात्रों को यह सलाह देगा कि वो घर चले जाएं। साथ ही परिसर समेत छात्रावास में कुछ पाबंदियां भी लगाई जा सकती है। बाहरी लोगों के प्रवेश पर सख्त पाबंदी लगाई जाएगी। हालांकि डीयू कुलसचिव डा विकास गुप्ता ने कहा कि डीयू के विभिन्न विभागों में मामले सामने आ रहे हैं। हम विभागों को बंद कर संक्रमण की चेन तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

जून मध्य तक शुरू होगी दाखिला प्रक्रिया- डीयू दाखिला प्रक्रिया में लगातार दूसरे साल विलंब होगा। गत वर्ष लाकडाउन के चलते दाखिला प्रक्रिया देरी से शुरू हो पाई थी। इस वर्ष सीबीएसई समेत देश के विभिन्न राज्यों में 12वीं की परीक्षा टाले जाने से डीयू दाखिला प्रक्रिया प्रभावित होगी। डीयू प्रशासन ने बताया कि सीबीएसई जून के पहले सप्ताह में परीक्षा की बाबत कोई निर्णय लेगा। जिसके बाद डीयू जून में स्नातक दाखिले के लिए छात्रों से आवेदन मांग सकता है।

जीवन बचाने के लिए अस्पताल और मृत्यु हो जाने के बाद अंतिम संस्कार के लिए लग रही लाइन, तस्वीरें देख विचलित हो रहे लोग

नई दिल्ली/गाजियाबाद। देश में कोरोना के हालात बुरे हैं। राजधानी दिल्ली के अस्पतालों में आइसीयू बेड खत्म हो चुके हैं, आक्सीजन की कमी हो गई है। यही हाल एनसीआर का भी है। यहां भी सभी निजी और सरकारी अस्पतालों में बेड खत्म हैं। लोग अपने जानकारों से एक बेड उपलब्ध कराने के लिए चिरौरी कर रहे हैं, संपर्क निकाल रहे हैं, सोर्स लगा रहे हैं मगर व्यवस्था के आगे सब कुछ ध्वस्त दिख रहा है। कुछ अस्पतालों में तो बेड नहीं होने का बोर्ड तक लगा दिया गया है।

उधर कोरोना से हो रही मौतों के कारण श्मशान घाटों पर भी बुरा हाल है। शवों का अंतिम संस्कार कराने के लिए लाइन लगानी पड़ रही है। दिल्ली के अलावा एनसीआर के इलाके में भी शवों का अंतिम संस्कार के लिए अलग से शेड तैयार किए जा रहे हैं। दिल्ली के निगम बोध घाट की बात करें या फिर गाजियाबाद के हिंडन श्मशान घाट की, इन दोनों जगहों पर ही शवों का अंतिम संस्कार करने के लिए पहले से बने शेड कम पड़ गए हैं। यहां नए शेड बनाए जा रहे हैं। शवों के पहुंचने का सिलसिला लगातार जारी है। लोग शव लेकर श्मशान घाट पहुंच रहे हैं और अंतिम संस्कार के लिए अपनी बारी का इंतजार करते नजर आ रहे हैं।

20 नए प्लेटफार्म बनाए जा रहे

निगम बोध संचालन समिति के अध्यक्ष सुमन गुप्ता ने बताया कि शुरूआत में हमने 20 प्लेटफार्म आरक्षित किए थे, लेकिन जिस तेजी से लोगों की कोरोना से मौत हो रही उससे कोरोना के मृतकों के अंतिम संस्कार की संख्या भी बढ़ रही है। इसको देखते हुए अभी 120 में 55 प्लेटफार्म कोरोना से मृतकों के अंतिम संस्कार के लिए आरक्षित किए गए हैं। चूंकि यह संख्या और आगे बढ़ सकती है इसलिए 20 नए प्लेटफार्म बनाए जा रहे हैं। ताकि अंतिम संस्कारों की संख्या बढ़े तो लोगों को कोई दिक्कत न हो। उन्होंने बताया कि अस्पतालों से समन्वय के जरिए कोरोना से मृतकों के शव अंतिम संस्कार के लिए आ रहे हैं। जिनका तय स्थान पर अंतिम संस्कार किया जा रहा है।

अगले दिन ही उठानी होगी अस्थियां

कोरोना से मृतकों के अंतिम संस्कार की संख्या बढ़ते देख अब लोगों को अगले दिन ही अस्थियां उठानी होगी। निगम बोध संचालन समिति ने अंतिम संस्कार की बढ़ती संख्या को देखते हुए अनिवार्य कर दिया है।

इसको लेकर श्मशान घाट पर बोर्ड भी लगाया गया है। संचालन समिति का कहना है कि पहले सामान्य लोगों के अंतिम संस्कार में दो से तीन दिन का समय दे दिया जाता था। लेकिन चूंकि कोरोना का समय है इसलिए बढ़ते दवाब को देखते हुए 24 घंटे के भीतर लोगों को अस्थियां उठानी होगी। समिति ने बताया कि अस्थियां उठा लें अगर विसर्जित करने का समय आगे बढ़ाना है तो अस्थियों को रखने की सुविधा निश्शुल्क उपलब्ध है।

हरनंदी मोक्ष स्थल पर 53 प्लेटफार्म

गाजियाबाद के हरनंदी मोक्ष स्थल पर शनिवार शाम सात बजे तक 19 शव पहुंचे थे। सामान्य दिनों में 20 से 25 शव मोक्ष स्थल पर आते हैं। शुक्रवार को मोक्ष स्थल पर 40 से अधिक शव पहुंचे थे। अंतिम संस्कार करने वाली खराब इलेक्ट्रिक मशीन को भी ठीक करा दिया गया है। हरनंदी मोक्ष स्थल पर 53 प्लेटफार्म हैं।

प्लेटफार्म पर अंतिम संस्कार के बाद तीसरे दिन स्वजन अस्थियां लेकर विसर्जन करने जाते हैं। लिहाजा अस्थियां उठने के बाद ही दूसरे शव का उस प्लेटफार्म पर अंतिम संस्कार किया जाता है। शनिवार को 15 सामान्य शवों का अंतिम संस्कार सामान्य प्लेटफार्म पर किया गया। जबकि चार शवों का अंतिम संस्कार इलेक्ट्रिक शव दाह गृह के पास बने कोरोना प्लेटफार्म पर किया।

मशीन को कराया गया ठीक

इलेक्ट्रिक शवदाह गृह में कोरोना संक्रमितों का अंतिम संस्कार कराया जाता है। इस मशीन में एक शव को जलने में चार घंटे लगते हैं। यह मशीन खराब हो गई थी। शनिवार को मशीन को ठीक करा दिया गया। वहीं, देर शाम को हरनंदी पर शव रखे होने की फोटो व वीडियो इंटरनेट मीडिया पर भी वायरल हो गए। यह फोटो पुरानी बताई जा रही है।

संपादकीय

फिर जिंदगी को तरजीह देने का वक्त

देश में कोरोना की दूसरी लहर बेलगाम हो गई है। रोजाना के नए मामले 1.80 लाख का आंकड़ा पार कर चुके हैं। कई बड़े शहरों में लॉकडाउन जैसी कड़ाई भी शुरू हो गई है। छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र जैसे राज्यों की हालत काफी चिंतित करने वाली है। उत्तर प्रदेश में भी उन जिलों में लॉकडाउन लगाने की वकालत की जा रही है, जहां स्थिति गंभीर है। इन सबको देखकर महानगरों के प्रवासी मजदूर फिर से अपनी जन्मभूमि की ओर लौटने लगे हैं। इससे असंगठित क्षेत्र के साथ-साथ संगठित क्षेत्र पर भी खासा दबाव बढ़ गया है। अर्थव्यवस्था के फिर से लुढ़कने का अंदेशा है। लिहाजा, सभी की यही चिंता है कि बिगड़े हालात कैसे संभाले जाएं? पिछली बार जब 68 दिनों का देशव्यापी लॉकडाउन लगाया गया था, तब अर्थव्यवस्था को आघात लगने के साथ ही आम लोगों पर भी गहरा मनोवैज्ञानिक असर पड़ा था। इसका हमें सबक लेना चाहिए था। मगर हमने यही देखा कि दिवाली, बिहार चुनाव और किसान रैलियों के बावजूद कोरोना के मामले कम आए। इससे लोगों का हौसला बढ़ता गया, और वे करीब-करीब बेपरवाह हो गए। यह आलम तब था, जब हमें पता था कि हर महामारी का दूसरा दौर आता है, जो पहले चरण से कहीं ज्यादा घातक होता है। पिछली सदी के स्पेनिश फ्लू का अनुभव भी हमारे पास था, और अक्तूबर-नवंबर के महीनों में ब्रिटेन, ब्राजील, अमेरिका जैसे तमाम देशों में कोरोना की दूसरी लहर दस्तक दे चुकी थी। फिर भी, हमने सुरक्षा-उपायों की अनदेखी जारी रखी। रेमडेसिविर जैसी दवाओं का उत्पादन कम कर दिया, और जिस टीकाकरण की ओर हमें पिछले साल के जून-जुलाई महीने में ही कदम बढ़ाने चाहिए थे, जनवरी 2021 में हमने टीके का ऑर्डर दिया। कोविड-19 वायरस के नए 'वेरिएंट' को समझने के लिए जीनोम टेस्टिंग की जरूरत भी नहीं समझी। 'ट्रेसिंग' (संक्रमित के संपर्क में आए लोगों की पहचान) में तो लापरवाह रहे ही।

अब चूंकि संक्रमण देश में काफी ज्यादा फैल गया है, इसलिए नए सिरे से रणनीति बनाने की दरकार है। चुनावी रैलियां और कुंभ जैसे बड़े आयोजन 'सुपर स्प्रेडर' साबित हो सकते हैं और अगले चार-पांच हफ्तों में इसका असर दिखने लगेगा। इसको रोकने के लिए करोड़ों लोगों की ट्रेसिंग की जरूरत है, जो संसाधनों की कमी के कारण संभव नहीं। अभी टीकाकरण से भी 'हर्ड इम्यूनिटी' मुमकिन नहीं, क्योंकि इसके लिए हमें हरेक महीने औसतन 14 करोड़ टीके लगाने होंगे। आपात स्थितियों में कुछ विदेशी टीकों को मंजूरी देने से टीकाकरण में गति आने और टीके की कमी से पार पाने में मदद मिल सकती है, लेकिन आदर्श स्थिति को पाना फिलहाल मुश्किल जान पड़ता है। ऐसे में, लॉकडाउन ही एकमात्र विकल्प है। अगर तुरंत देशव्यापी तालेबंदी नहीं की गई, तो हालात और खराब हो सकते हैं। ब्राजील का उदाहरण हमारे सामने है। वहां लॉकडाउन को लेकर की गई हीला-हवाली से हालात इतने बिगड़ गए कि कोरोना संक्रमण और मौत के मामले में वह दूसरे स्थान पर पहुंच गया। अमेरिका में भी पिछले साल तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लॉकडाउन की अनदेखी की, जिसके कारण वहां संक्रमण काफी तेजी से फैला, जबकि उसके पास विश्व की सबसे बेहतरीन स्वास्थ्य सेवा है। स्पष्ट है, जिसने शुरू में ध्यान नहीं दिया, वहां हालात बिगड़े और जहां संजीदगी दिखाई गई, वहां अब अर्थव्यवस्था खुलने लगी है। चीन इसका एक बड़ा उदाहरण है। तीन हफ्ते का देशव्यापी और प्रभावशाली लॉकडाउन आज की जरूरत है। चुनावी जलसों पर तुरंत रोक लगाई जानी चाहिए। वैसे भी, ज्यादातर जगहों पर मतदान हो चुके हैं। आवागमन भी बंद कर देने चाहिए, क्योंकि लोग अब वायरस ढोने लगे हैं। ऐसी रिपोर्टें भी हैं कि जिन लोगों को टीका लग गया, वे भी करियर साबित हो रहे हैं। लिहाजा, तमाम सुरक्षा उपायों के साथ लॉकडाउन लगना ही चाहिए। अगर फरवरी या मार्च में सख्त प्रतिबंध लगा दिए गए होते, तो शायद यह नौबत नहीं आती। महाराष्ट्र में हुई अनदेखी का नतीजा हम भुगत ही रहे हैं। हालांकि, वहां के लॉकडाउन सरीखे प्रतिबंध खासा मानवीय हैं, जिनकी तारीफ की जानी चाहिए। अच्छी बात यह है कि हमारे पास खाद्यान्न का पर्याप्त भंडार है। लॉकडाउन-1 से सबक लेकर हमें इस बार हर गरीब और वंचित को मुफ्त में भोजन उपलब्ध कराना होगा। इसी तरह, जहां-जहां जनसंख्या घनत्व ज्यादा है, वहां लोगों के बीच शारीरिक दूरी बढ़ाने के लिए उन्हें नजदीकी स्कूल-कॉलेज में अस्थाई आसरा देना होगा। नगदी की सहायता भी नियमित तौर पर जरूरतमंदों तक पहुंचनी चाहिए। हमें महाराष्ट्र की तरह पूरे देश में व्यवस्था करनी होगी, जहां दुकान व व्यावसायिक प्रतिष्ठान खुले तो रहें, लेकिन जरूरत के वक्त ही लोगों को घरों से बाहर निकलने के निर्देश हों। प्रवासी मजदूरों को भी वापस भेजने की माकूल व्यवस्था करनी होगी। इससे पिछली बार की तरह अफरा-तफरी नहीं मचेगी। लॉकडाउन से अर्थव्यवस्था पर तो बुरा असर पड़ेगा, लेकिन जब सांसत में जान हो, तब कुछ चीजों से आंखें मूंद लेने में ही समझदारी है। ब्रिटेन ने यही रणनीति अपनाई। उसने लॉकडाउन लगाया और टीकाकरण को गति दी। इससे उसकी अर्थव्यवस्था अब खुलने लगी है, जिससे लोगों की आजीविका में मदद मिल रही है। अपने यहां अगर अब भी सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो हालात काफी बिगड़ सकते हैं। आईएमएफ या विश्व बैंक जैसी संस्थाएं भारतीय अर्थव्यवस्था से उम्मीद जरूर लगा रही हैं, लेकिन उनकी रिपोर्ट सरकारी आंकड़ों पर निर्भर होती हैं। जबकि कोरोना महामारी का असर सबसे ज्यादा असंगठित क्षेत्र पर पड़ा है, जो सरकारी आंकड़े में शामिल नहीं है। आज जब कोरोना का कहर फिर से टूटा है, तब संगठित क्षेत्रों की हालत भी खासा खराब होने लगी है। मजदूरों के पलायन से सर्विस सेक्टर और उद्योग जगत को खासा नुकसान हो रहा है। इसलिए अर्थव्यवस्था को और ज्यादा खराब होने से बचाने के लिए भी हमें सख्त कदम उठाने चाहिए। यहां टुकड़े-टुकड़े में लॉकडाउन का कोई फायदा नहीं होगा। दुखद तथ्य यह है कि इस बार बड़े पैमाने पर नौजवान और बच्चे भी वायरस का शिकार बन रहे हैं। नए-नए क्षेत्रों, खासकर उन शहरों में भी इसका प्रसार दिख रहा है, जहां स्वास्थ्य सेवाओं का ढांचा काफी कमजोर है। इसलिए यदि हम यूं ही लापरवाही बरतते रहे, तो आने वाले दिन भयावह हो सकते हैं।

प्रवीण कुमार सिंह

भारत को नीचा दिखाने की साजिश, वी-डेम की यह हास्यास्पद एवं भ्रामक रिपोर्ट तिरस्कार की है हकदार

> **वी-डेम और फ्रीडम हाउस की तरह फ्रांसीसी एनजीओ आरएसएफ ने प्रेस की स्वतंत्रता के पैमाने पर अफ्रीकी राष्ट्र बुर्किनाफासो को 36वें स्थान पर रखा है, जबकि भारत को 142वां स्थान दिया है। यह तब है जब अमेरिकी विदेश विभाग यह कह चुका है कि बुर्किनाफासो में अभी भी दास प्रथा जारी है, जिसके सबसे बड़े शिकार वहां के बच्चे होते हैं। भारत से कथित बेहतर इन देशों के संविधानों की पड़ताल कर मैं इस नतीजे पर पहुंचा हूं कि एक आदर्श लोकतंत्र में आठ आधारभूत अवयव अवश्य होने चाहिए अभिव्यक्ति एवं अंतःकरण की स्वतंत्रता से जुड़ी अक्षुण्ण प्रतिबद्धता, पंथनिरपेक्षता को लेकर असंदिग्ध प्रतिबद्धता, धर्म एवं राज्य में पृथक्करण, सरकार का गणतांत्रिक स्वरूप, विधि के समक्ष समता का अधिकार , प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता का अधिकार लैंगिक समानता और सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार।**

यदा-कदा कई अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं भारत के खिलाफ विमर्श खड़ा करने का काम करती हैं। बीते दिनों यही कुत्सित प्रयास किया स्वीडन की वी-डेम नामक संस्था ने। गोथेनबर्ग विश्वविद्यालय से संबद्ध यह संस्था हर साल एक डेमोक्रेसी रिपोर्ट जारी करती है। वर्ष 2021 की अपनी रिपोर्ट में उसने लोकतंत्र को लेकर भारत की रैंकिंग घटा दी। वी-डेम के अनुसार 2010 में भारत एक चुनावी लोकतंत्र था, जो अब चुनावी अधिनायकवाद में तब्दील हो गया है। इस रिपोर्ट में भारत पर कुछ अतिरंजित आरोप लगाए गए। वह देश में चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए कहती है कि पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के सिद्धांत की धज्जियां उड़ीं, जिससे देश चुनावी अधिनायकवाद की गर्त में चला गया। वी-डेम के अनुसार भारत अब पाकिस्तान जितना ही निरंकुश है, जबकि पाकिस्तान एक इस्लामिक गणतंत्र है, जहां कोई गैर-मुस्लिम राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री जैसे पदों पर नहीं पहुंच सकता। इतना ही नहीं, इस रिपोर्ट में भारत को बांग्लादेश से भी खराब बताया गया है। पिछले लोकसभा चुनाव के विशेष संदर्भ मे देश की चुनावी प्रक्रिया को कठघरे में खड़ा करना इस रिपोर्ट का सबसे आपत्तिजनक पहलू है। देश के संविधान और चुनावी इतिहास का सम्मान करने वाले प्रत्येक भारतीय को कई कारणों के आधार पर इस निष्कर्ष की कड़ी निंदा करनी चाहिए। वी-डेम को लगता है कि भारत में केवल एक ही दल है और अन्य दल कोई मायने नहीं रखते। यह बिल्कुल हास्यास्पद है, क्योंकि देश में भाजपा के अलावा करीब 44 राजनीतिक दल सत्ता में भागीदार हैं। तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक, तेलंगाना राष्ट्र समिति, बीजू जनता दल और वाइएसआर कांग्रेस ने गत लोकसभा चुनाव के दौरान अपने-अपने राज्यों की अधिकांश सीटों पर

जीत हासिल की थी। वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद अगले ही साल हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 70 में से 67 सीटें जीती थीं। वामपंथी केरल में जीते। बंगाल में ममता की तृणमूल को भारी जीत हासिल हुई। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का परचम लहराया। कई राज्यों का जनादेश भाजपा के खिलाफ गया। ऐसे में जब कोई हमारी चुनावी प्रक्रिया पर प्रश्न उठाए तो भारतीयों को ऐसा करने वालों की ईमानदारी पर सवाल अवश्य उठाने चाहिए।

वी-डेम की रिपोर्ट यह अजीबोगरीब दावा भी करती है कि भारतीय नागरिकों के हाथ से 'आजादी' फिसल रही है। फ्रीडम हाउस नामक एक अमेरिकी संस्था की रिपोर्ट 'फ्रीडम इन द वर्ल्ड' भी उसके सुर से सुर मिलाती है। उसके अनुसार भारत में राजनीतिक अधिकारों और नागरिक स्वतंत्रता का क्षरण हो रहा है। यदि ऐसा है तो भाजपा विरोधी दर्जनों पार्टियां, जिनमें मुस्लिम और ईसाई केंद्रित राजनीतिक दल भी शामिल हैं, को चुनावों में इतनी सीटें कैसे मिल रही हैं? राजनीतिक बंदिशों से यह कैसे संभव होता? अगर आपको ऐसे दावों के खोखले होने के सुबूत चाहिए तो दिल्ली सीमा से सटे गाजीपुर जाइए, जहां कुछ किसान महीनों से विरोध-प्रदर्शन जारी रख एक बड़े हाईवे को बाधित किए हुए हैं। पिछले वर्ष की तरह इस साल भी डेनमार्क, स्वीडन और नॉर्वे वी-डेम के लोकतंत्र सूचकांक में शीर्ष पर विराजमान हैं।

ऐसे में जरा इन देशों के संविधान की पड़ताल कर भारत के साथ उनकी तुलना की जाए। डेनमार्क का संविधान चर्च को महत्ता देते हुए सुनिश्चित करता है कि राज्य उसे हरसंभव सहयोग दे। यानी यह राज्य का दायित्व है कि वह डेनमार्क में चर्च की वित्तीय और अन्य प्रकार से मदद करे। इस सूची में स्वीडन दूसरे पायदान पर है। यहां का संविधान राजा द्वारा सदैव ईसाई मत को प्रोत्साहित करने की वकालत करता है। यहां तक कि राजकुमार और राजकुमारी को विवाह के लिए सरकारी अनुमति आवश्यक होती है। वी-डेम ने नॉर्वे को तीसरा स्थान दिया है। यहां का संविधान भी कहता है कि राजा को धार्मिक मत को सदैव वरीयता देनी होगी।

इनके उलट भारत, जो प्राचीन सभ्यता से ही पंथनिरपेक्ष रहा है और जिसके संविधान की प्रस्तावना में ही इसका उल्लेख है, वह इस संस्था की दृष्टि में लोकतंत्र ही नहीं है और उसे 97वें स्थान पर रखा गया है। पंथनिरपेक्षता के अतिरिक्त धर्म एवं राज्य के बीच विभाजन और विधि के समक्ष समता जैसे सिद्धांत भी उपरोक्त तीनों देशों के संविधान से नदारद हैं। वे भारत की तरह गणतंत्र भी नहीं, जहां राष्ट्रप्रमुख निर्वाचित होता है। अर्द्ध लोकतंत्र सेनेगल, ईसाई सिद्धांतों को आधार मानने वाला पापुआ न्यू गिनी और रोमन कैथोलिक धर्म को संवैधानिक रूप से सहयोग देने वाले अर्जेंटीना जैसे देश इस सूची में भारत से ऊपर हैं। इस रिपोर्ट के हास्यास्पद होने की कल्पना इसी तथ्य से की जा सकती है कि इसमें उस मालदीव को भारत से ऊपर स्थान दिया गया है, जिसका संविधान कहता है कि केवल मुस्लिम ही देश के नागरिक बन सकते हैं।

वी-डेम और फ्रीडम हाउस की तरह फ्रांसीसी एनजीओ रिपोर्टर्स विदाउट फ्रीडम (आरएसएफ) ने प्रेस की स्वतंत्रता के पैमाने पर अफ्रीकी राष्ट्र बुर्किनाफासो को 36वें स्थान पर रखा है, जबकि भारत को 142वां स्थान दिया है। यह तब है जब अमेरिकी विदेश विभाग यह कह चुका है कि बुर्किनाफासो में अभी भी दास प्रथा जारी है, जिसके सबसे बड़े शिकार वहां के बच्चे होते हैं। भारत से कथित बेहतर इन देशों के संविधानों की पड़ताल कर मैं इस नतीजे पर पहुंचा हूं कि एक आदर्श लोकतंत्र में आठ आधारभूत अवयव अवश्य होने चाहिए अभिव्यक्ति एवं अंतःकरण की स्वतंत्रता से जुड़ी अक्षुण्ण प्रतिबद्धता, पंथनिरपेक्षता को लेकर असंदिग्ध प्रतिबद्धता, धर्म एवं राज्य में पृथक्करण, सरकार का गणतांत्रिक स्वरूप, विधि के समक्ष समता का अधिकार (जो भारतीय संविधान के अनु. 14 में है), प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता का अधिकार (जो हमें अनु. 21 के तहत प्राप्त है), लैंगिक समानता और सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार। भारत में ये सभी आठ तत्व विद्यमान हैं, परंतु भारत से ऊपर रखे गए तमाम कथित लोकतंत्रों में इनका अभाव है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे गतिशील एवं जीवंत लोकतंत्र है। यह विश्व का सबसे विविधता भरा और उदार देश भी है। ऐसे में भारतीय नागरिकों के लिए आवश्यक है कि वे ऐसी हास्यास्पद एवं भ्रामक रपटों का उसी भाव से तिरस्कार करें, जिसकी वे हकदार हैं।

सरकार को सरकारी लघु बचत योजनाओं के ब्याज दरों में कटौती करने से पहले इन तथ्यों में संज्ञान लेना चाहिए

हमारे देश की एक बड़ी आबादी को निवेश की पर्याप्त समझ नहीं है। अधिकांश लोग अभी भी बैंक, डाकघर, पब्लिक प्रोविडेंट फंड, सुकन्या समृद्धि योजना, किसान विकास पत्र, राष्ट्रीय बचत पत्र आदि में निवेश करते हैं, क्योंकि ये निवेश के सुरक्षित विकल्प हैं। शेयर बाजार की पेचीदगी उन्हें समझ में नहीं आती है। एक अनुमान के अनुसार केवल 2.78 करोड़ भारतीय शेयर बाजारों में निवेश करते हैं, जो देश की आबादी का महज दो प्रतिशत है।

खुदरा निवेशकों के बीच राष्ट्रीय बचत पत्र (एनएससी), पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) और सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाइ) सबसे ज्यादा लोकप्रिय जमा योजनाएं हैं। एनएससी पर अभी 6.8 प्रतिशत की दर से वार्षकि आधार पर ब्याज दिया जा रहा है, जबकि बैंकों में अधिकतम पांच से 6.5 प्रतिशत की दर से ब्याज दिया जा रहा है। अगर निवेशक आयकर की पुरानी व्यवस्था के तहत आयकर जमा कर रहे हैं तो उन्हें एनएससी से और भी ज्यादा फायदा मिल सकता है, क्योंकि पुरानी व्यवस्था के तहत अधिकतम डेढ़ लाख रुपये तक एनएससी में निवेश करने पर आयकर में छूट का लाभ मिलता है।

वहीं पीपीएफ में 7.1 प्रतिशत की दर से सालाना आधार पर ब्याज दिया जाता है। पीपीएफ में निवेश करने पर किसी तिमाही या वित्त वर्ष में किए गए निवेश की जगह पूरी जमा राशि पर ब्याज दी जाती है। इतना ही नहीं, पीपीएफ में जमा राशि पर आयकर की धारा 80 सी के तहत निवेश पर आयकर में छूट भी दी जाती है। साथ ही, परिपक्वता अवधि जो 15 साल है उसके पूरा होने पर परिपक्वता राशि पर भी आयकर नहीं देना होता है। इस तरह, एनएससी की तरह आयकर में छूट मिलने से पीपीएफ निवेशकों के लिए और भी ज्यादा लाभदायक बन जाता है।

लोग सरकारी लघु बचत योजनाओं में निवेश करते हैं, जिसे राष्ट्रीय लघु बचत कोष में जमा किया जाता है। इस राशि का उपयोग केंद्र और राज्य सरकारें अपना वित्तीय घाटा पूरा करने के लिए करती हैं और बची हुई राशि को वे सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करती हैं। वित्त वर्ष 2017-18 के दौरान सरकारी लघु बचत योजनाओं में लोगों ने 5.96 लाख करोड़ रुपये सकल निवेश किया था। जाहिर है, ब्याज दर अधिक होने से सरकार को जमा राशि पर ज्यादा ब्याज निवेशकों को ब्याज के तौर पर देना पड़ रहा है, लेकिन उसे जमाराशि से कम आय हो रही है। सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश की गई राशि पर सरकार को फिलहाल कम प्रतिफल मिल रहा है, जिससे सरकार को कोरोना काल में राजकोषीय संतुलन बनाए रखने में मुश्किल हो रही है। इसी वजह से छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरों में 31 मार्च 2021 को 1.1 प्रतिशत तक की कटौती की गई, लेकिन बाद में इस फैसले को वापस लिया गया।

महामारी ने सरकार के राजस्व स्रोत को कम किया है, लेकिन यह भी सच है कि आम जनता के आय स्रोत को भी इसने कम किया है। भारत में एक बड़ा तबका आज भी सरकारी लघु बचत योजनाओं में निवेश करना पसंद करता है, क्योंकि इन योजनाओं में निवेश करने से उनका निवेश सुरक्षित रहता है और एक निश्चित प्रतिफल भी मिल जाता है। इधर, संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन 2019 की रिपोर्ट के अनुसार 2019 में भारत में 8.16 करोड़ लोगों की उम्र 65 वर्ष से ऊपर की थी। अगर इस आबादी का एक प्रतिशत यानी 8.16 लाख बुजुर्ग भी सरकारी लघु बचत योजनाओं में निवेश कर जीवनयापन कर रहे हैं तो छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरों में कटौती करने से उनके सामने भुखमरी की नौबत आ सकती है।

अखाड़ों ने दिखाई राह

आखिर निरंजनी अखाड़ा ने आगे बढ़कर राह दिखाई। कोरोना महामारी की बदतर होती स्थिति को देखते हुए शनिवार को वह कुंभ की गतिविधियों से बाहर आ गया। फिर जूना अखाड़ा ने भी कहा कि इसने अपनी तरफ से कुंभ समाप्त करने का फैसला किया है। जूना अखाड़ा सबसे प्रमुख और प्रभावी अखाड़ा माना जाता है। निरंजनी अखाड़ा भी सबसे पुराने अखाडों में आता है। जाहिर है, इस फैसले के पीछे आस्था की कमी की कोई भूमिका नहीं है। इन अखाड़ों ने अपने फैसले के माध्यम से बताया है कि जब मनुष्यता संकट में हो तो धर्म और आस्था की वास्तविक भूमिका कैसी होनी चाहिए। कोरोना संक्रमण की दूसरी प्रलयंकारी लहर पूरे देश को अपनी चपेट में लेती जा रही है। ऐसे में कुंभ के नाम पर लाखों लोगों का एक जगह इकट्ठा रहना अत्यधिक खतरनाक है। ऐसी भीड़ के बीच न तो लोगों का आपस में आवश्यक दूरी बरतना संभव हो पाता है और न ही उनसे कोरोना संबंधी अन्य प्रोटोकॉल पर अमल सुनिश्चित कराना। हरिद्वार में कोरोना के मामलों में आई तेजी इसका सबूत है। बड़ी संख्या में साधु-संत भी पॉजिटिव पाए जा रहे हैं। खुद अखाड़ा परिषद अध्यक्ष नरेंद्र गिरि संक्रमित हो गए।

मध्य प्रदेश के महा निर्वाणी अखाड़ा के प्रमुख कपिल देव की तो कोरोना पॉजिटिव होने के बाद 13 अप्रैल को मृत्यु भी हो गई। पूरे उत्तराखंड में नए केसों की संख्या अभूतपूर्व ऊंचाई पर पहुंची हुई है। इन सबके मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपील की कि अब कुंभ से जुड़े आयोजनों को प्रतीकात्मक रूप दे दिया जाए। उनकी अपील का असर हुआ है। हालांकि कुछ अखाड़े और साधु संत अब भी इसके लिए तैयार नहीं दिख रहे। समझना होगा कि मामला सिर्फ हरिद्वार में कोरोना के केस बढ़ने का नहीं है। वहां जुटे लाखों श्रद्धालु जब अपने अपने गांवों शहरों को लौटेंगे तो उनका एक बड़ा हिस्सा अनजाने ही अपने साथ वायरस भी लेकर लौटेगा, जिससे उन इलाकों में कोरोना विस्फोटक रूप ले सकता है। अब कुछ राज्यों ने कुंभ से लौट रहे श्रद्धालुओं की जांच कराने और जरूरी होने पर उन्हें क्वारंटीन करने की घोषणा की है। फिर भी यह समझना जरूरी है कि धर्म या आस्था का मतलब सिर्फ बाहरी आडंबर और कर्मकांड नहीं होता। इसकी वास्तविक भूमिका मनुष्य को बचाने और मनुष्यता को मजबूती देने की होती है। कोरोना की इस चुनौती के दौरान दुनिया के तमाम धर्मों ने अलग-अलग ढंग से इस भूमिका का निर्वाह किया है। सऊदी अरब में भी मक्का और मदीना जैसे पवित्र स्थल बंद किए गए थे ताकि हाजियों को कोरोना संक्रमण के खतरे से बचाया जा सके। अपने देश में भी मंदिर-मस्जिद बंद किए गए थे। यही वक्त है जब निरंजनी अखाड़ा और जूना अखाड़ा के सही फैसले से प्रेरणा लेते हुए प्रधानमंत्री की अपील स्वीकार की जाए और कुंभ से जुड़े बाकी आयोजन प्रतीक रूप में संपन्न करने पर विचार किया जाए।

नक्सलवाद रूपी कम्युनिस्ट आतंकवाद को जड़ से समाप्त करने की नितांत जरूरत

> **कम्युनिस्ट विचारधारा ने हमेशा भारत और भारतीयता के विरुद्ध काम किया है। 1962 के युद्ध के समय भी कम्युनिस्ट पार्टी ने चीन का साथ दिया था। तब पं. नेहरू ने 250 से अधिक कम्युनिस्ट नेताओं पर देशद्रोह के मुकदमे चलाए थे। 1964 में कांग्रेस सरकार ने लोकसभा में कम्युनिस्ट देशद्रोही कार्यों पर एक श्वेत पत्र जारी किया था। इसमें भारत में कम्युनिस्टों की देश विरोधी गतिविधियों की जानकारी दी गई थी। समय आ गया है कि नक्सलवाद रूपी जो कम्युनिस्ट आतंकवाद छत्तीसगढ़, आंध्र, ओडिशा आदि राज्यों में सक्रिय है, उसे जड़ से समाप्त किया जाए।**

विश्व में शायद ही कोई विचारधारा इतनी क्रूर, बर्बर और अमानुषिक होगी, जितनी कम्युनिस्ट विचारधारा है। यद्यपि पिछली अनेक शताब्दियों में करोड़ों लोग मध्य पूर्व एवं पश्चिमी देशों में ईसाई धर्मयुद्धों यानी क्रूसेड और इस्लामिक जिहादों में मारे गए, पर कम्युनिस्ट विचारधारा यानी साम्यवाद के नाम पर स्टालिन और माओ के समय दस करोड़ से अधिक लोगों को क्रूरता पूर्वक मारने का एक खौफनाक रिकॉर्ड बना। कंबोडिया के कम्युनिस्ट शासक पोल पोट ने तो अपने देश की एक चौथाई आबादी को नरसंहार का शिकार बनाकर समाप्त कर दिया। पोल पोट ने देश के उन लोगों को, जो कम्युनिस्ट विचारधारा स्वीकार करने से इन्कार करते थे, तड़पा-तड़पा कर मारने का एक ऐसा वृत्त निर्मित किया, जिसका और कोई उदाहरण नहीं मिलता।

एक समय कम्युनिस्ट विचारधारा पंजाब से लेकर बंगाल और त्रिपुरा से लेकर केरल तक अनेक राज्यों में काफी प्रभावी रही, लेकिन शनैः शनैः और विशेषकर सोवियत संघ के विघटन के बाद भारत में कम्युनिस्ट विचारधारा की राजनीति खंडहर में तब्दील होती गई और अब वह केरल एवं बंगाल के कुछ नगण्य कोनों-किनारों में ही दिखती है, फिर भी यह विचारधारा आज भी पत्रकारिता, लेखन, छात्रसंघों, राजनीति में सक्रिय है। इसका ही एक हिस्सा नक्सली संगठनों के रूप में अराजकता और आतंकवाद फैलाने में सक्रिय है।

बीते तीन अप्रैल को छत्तीसगढ़ के बीजापुर क्षेत्र में कम्युनिस्ट विचारधारा को मानने वाले नक्सलियों ने 22 सुरक्षा सैनिकों की जो कायराना हत्या की, वह कोई नई घटना नहीं है। पिछले कई दशकों से नक्सली भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बने हुए हैं। 1960 के आसपास नक्सलवाद बंगाल में प्रारंभ हुआ और चीन का चेयरमैन- हमारा चेयरमैन नारे से बंगाल की दीवारें रंग दी गईं। उस समय कांग्रेस के सिद्धार्थ शंकर राय मुख्यमंत्री थे। उन्होंने बहुत कठोरता पूर्वक नक्सलवाद को समाप्त किया। वह बंगाल में भले ही जड़हीन हुआ हो, परंतु शेष देश में उसके 26 से अधिक छोटे-बड़े कुकुरमुत्ते संगठन उभर कर आए। इनमें सबसे बड़ा संगठन भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) है, जो 21 सितंबर,

2004 को स्थापित हुआ। इसमें भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) पीपुल्स वॉर ग्रुप और माओवादी कम्युनिस्ट सेंटर ऑफ इंडिया (एमसीसी) सम्मिलित हुए। तब से लेकर अब तक नक्सलियों ने 12,000 से अधिक भारतीय नागरिकों और जवानों की क्रूर हत्याएं की हैं। इनमें केवल जवानों की संख्या ही 2700 से अधिक है।

गृह मंत्रालय के अनुसार 9,300 से अधिक जिन नागरिकों की नक्सलियों ने हत्या की, वे बर्बरता और क्रूरता में माओ और पोल पोट की ही विचाररेखा पर की गई हत्याएं हैं। नक्सली 12-13 साल के बच्चों को जबर्दस्ती अपने गुट में शामिल कर लेते हैं। जो माता-पिता अपने बच्चों के अपहरण के खिलाफ आवाज उठाते हैं, उन्हें उनके बच्चों के सामने ही तड़पा-तड़पा कर मारने के उदाहरण नक्सली प्रस्तुत करते रहते हैं, ताकि उस क्षेत्र में दहशत फैल जाए।

छत्तीसगढ़ में इस प्रकार के लगभग 12 छात्रावास चल रहे हैं, जिनमें नक्सलियों द्वारा मार डाले गए लोगों के अनाथ बच्चे सरकारी सहायता से पोषित किए जा रहे हैं। क्रूरता की हद यह है कि नक्सली जिन महिलाओं को अपने गिरोहों में भर्ती करते हैं, उनका दैहिक शोषण भी करते हैं। नक्सली हिंसा के शिकार सैकड़ों बच्चे आज तक राष्ट्रीय मीडिया का ध्यान आकृष्ट नहीं कर पाए हैं। दुर्भाग्य से भारतीय मीडिया के एक वर्ग में नक्सलियों के प्रति एक सहानुभूति का वातावरण मिलता है। इस वर्ग के अनुसार ये लोग गरीबी के खिलाफ लड़ रहे हैं या फिर सर्वहारा के सैनिक हैं।

अरुंधती राय जैसे लोग उन्हें बंदूकधारी गांधीवादी बताते हैं। मीडिया का यह वर्ग सुरक्षा बलों पर आघात की भी चिंता नहीं करता। गृह मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर जिसे वामपंथी अतिवाद कहा है, उसे सीधे-सीधे कम्युनिस्ट आतंकवाद कह कर ही समझा जा सकता है। वाम झुकाव वाला अतिवाद कह कर भ्रम की स्थिति पैदा नहीं करनी चाहिए। यह सीधे-सीधे कम्युनिस्ट विचारधारा को मानने वाले देशद्रोही तत्वों का आतंकवाद है और उसी दृष्टि से इसका अंत किया जाना चाहिए।

प्रतिवर्ष तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि नक्सली आतंकवाद का सामना करने के लिए खर्च की जाती है। यह आतंकवाद चीन तथा पाकिस्तान के हमलों से कम नहीं है। पूर्ण घोषित युद्धों से अधिक संख्या में नागरिक और जवान नक्सलियों द्वारा मारे गए हैं। नक्सली आतंकवाद से प्रभावित तीस ऐसे जिले हैं, जिन्हें सघनतम आतंक ग्रस्त माना जाता है। अकेले इन जिलों पर 2148.24 करोड़ रुपये की राशि खर्च की गई।

यदि हम नक्सलियों के पिछले इतिहास पर नजर दौड़ाएं तो 2010 से लेकर 2020 तक एक भी वर्ष ऐसा नहीं गया, जिसमें नक्सली संगठनों ने बड़ी संख्या में सुरक्षा जवानों और नागरिकों की हत्याएं न की हों। विडंबना यह है कि भारत के अनेक साहित्यकार, लेखक, पत्रकार खुलेआम उनके पक्ष में लिखते हैं। 2006 में गृह मंत्रालय ने एक विशेष कम्युनिस्ट आतंकवाद केंद्रित प्रकोष्ठ बनाया था, जिसे बौद्धिक आवरण देने के लिए वामपंथी अतिवाद खंड कहा गया। औपचारिक रूप से इसकी स्थापना 19 नवंबर, 2006 में की गई। 14 वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन समस्या कम होने का नाम नहीं ले रही है। हालांकि गृह मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार नक्सलवाद के व्याप में 25 प्रतिशत की कमी आई है, लेकिन जिस घर का सुरक्षा जवान शहीद होता है, उसकी ओर से यह तो पूछा ही जाता है कि भारत के भीतर ही भारत के शत्रुओं से लड़ते हुए उनके जवान क्यों शहीद हो रहे हैं?

कम्युनिस्ट विचारधारा ने हमेशा भारत और भारतीयता के विरुद्ध काम किया है। 1962 के युद्ध के समय भी कम्युनिस्ट पार्टी ने चीन का साथ दिया था। तब पं. नेहरू ने 250 से अधिक कम्युनिस्ट नेताओं पर देशद्रोह के मुकदमे चलाए थे। 1964 में कांग्रेस सरकार ने लोकसभा में कम्युनिस्ट देशद्रोही कार्यों पर एक श्वेत पत्र जारी किया था। इसमें भारत में कम्युनिस्टों की देश विरोधी गतिविधियों की जानकारी दी गई थी। समय आ गया है कि नक्सलवाद रूपी जो कम्युनिस्ट आतंकवाद छत्तीसगढ़, आंध्र, ओडिशा आदि राज्यों में सक्रिय है, उसे जड़ से समाप्त किया जाए।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

लखनऊ की स्थिति संभालेंगे एक अपर निदेशक और तीन संयुक्त निदेशक स्वास्थ्य

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में बेहद खतरनाक होते जा रहे कोरोना वायरस संक्रमण पर अंकुश लगाने के रोज नए जतन हो रहे हैं। कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद भी सीएम योगी आदित्यनाथ रोज समीक्षा बैठक में अधिकारियों से हर रोज कोरोना वायरस संक्रमण कम करने के उपायों पर चर्चा करते हैं। सोमवार को लखनऊ को लेकर उन्होंने बड़ा फैसला किया है।

सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद अब लखनऊ में एक अपर निदेशक के साथ तीन संयुक्त निदेशक स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में फैसला लेंगे। कोरोना संक्रमण के तेजी से बढ़ते प्रसार के बीच में लखनऊ के मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने लगभग सरेंडर कर दिया था। उनके शिथिल होने के कारण लखनऊ में स्थितियां दिन पर दिन विकराल होती गईं। यहां पर संक्रमितों को ना तो हॉस्पिटल में बेड मिल पा रहा था और ना ही कोई बेहतर चिकित्सा सुविधा। इसके बाद योगी आदित्यनाथ सरकार ने मामले का संज्ञान लिया। लखनऊ में काबिल अफसर की कमी सरकार को भी खली और यहां पर चार वरिष्ठ अफसरों को तैनात किया गया है। एक अपर निदेशक के साथ तीन संयुक्त निदेशक लखनऊ की स्थिति संभालने के लिए भेजे गए हैं। लखनऊ में अपर निदेशक डॉ. जीएस बाजपेयी के साथ संयुक्त निदेशक डॉ. वाइके पाठक, डॉ. विकास सिंघल व डॉ. सुनील पाण्डेय को तैनात किया गया है।

कोरोना से जेडीयू विधायक मेवालाल के निधन पर गरमाई सियासत, सीएम नीतीश के मंत्री ने अपनी ही सरकार को घेरा

पटना । बिहार की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार में भारतीय जनता पार्टी भी शामिल है, लेकिन वह समय-समय पर अपनी ही सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल भी उठाती रही है। राज्य की कानून-व्यवस्था पर कई बार सवाल उठा चुकी बीजेपी ने अब कोरोनावायरस संक्रमण से बचाव के उपायों को नाकाफी बताते हुए सरकार को घेरा है। बिहार सरकार के पूर्व शिक्षा मंत्री और विधायक डॉ. मेवालाल चौधरी के कोरोनावायरस संक्रमण से निधन पर प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी नेता व पंचायती राज मंत्री सम्राट चौधरी ने अपनी ही सरकार और बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर दिया है। इसपर जनता दल यूनाइटेड ने भी पलटवार किया है।

तारापुर से विधायक थे मेवालाल, पटना में हुआ निधन

पूर्व मंत्री व जेडीयू के तारापुर से विधायक डॉ. मेवालाल चौधरी की कोरोनावायरस संक्रमण के कारण मौत हो गई है। डॉ. मेवलाल चौधरी बिहार की वर्तमान एनडीए सरकार में शिक्षा मंत्री बनाए गए थे, लेकिन उनपर लगे घोटालों के आरोपों के कारण इसका विरोध होन पर उन्हें इस्तीफा देना पड़ा था। हाल ही में वे कोरोनावायरस संक्रमण के शिकार हो गए थे। इलाज के दौरान पटना के पारस अस्पताल में उनका निधन सोमवार की सुबह हो गया।

बीजेपी के मंत्री के निशाने पर अपनी ही नीतीश सरकार- मेवालाल चौधरी के निधन पर बिहार में सियासत गरमा गई है। सरकार में शामिल बीजेपी नेता व पंचायती राज मंत्री सम्राट चौधरी ने भी बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था को कटघरे में खड़ा किया है। मंत्री सम्राट चौधरी ने सवाल उठाया है कि जब हम अपने विधायक और सांसद को नहीं बचा सकते, तो आम लोगों को कैसे बेहतर स्वास्थ्य सुविधा दे सकते हैं उधर, राष्ट्रीय जनता दल के विधायक मुकेश रौशन ने कहा कि कोरोनावायरस संक्रमण से लोगों की जान जा रही है और सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी हुई है।

नीतीश सरकार के बचाव में जेडीयू ने संभाला मोर्चा- कोरोनावायरस से बचाव व उसके इलाज को लेकर सियासी निशाने पर आई नीतीश कुमार की सरकार के बचाव में जेडीयू ने मोर्चा संभाल लिया है। जेडीयू के एमएलसी कुमुद वर्मा ने मंत्री सम्राट चौधरी और आरजेडी विधायक मुकेश रौशन के बयानों पर कहा कि कोरोनावायरस संक्रमण का इलाज मरीज के कद या पद को देखकर नहीं किया जा रहा है। सबों को समान रूप से बेहतर स्वास्थ्य सुविधा दी जा रही है। खुद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पूरी व्यवस्था की मॉनीटरिंग कर रहे हैं। ऐसे में स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाना ठीक नहीं है।

मेवालाल के निधन पर सीएम नीतीश ने जताया शोक- विदित हो कि मेवालाल चौधरी के निधन पर कई राजनेताओं ने शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी अपनी शोक संवेदना में उन्हें एक कुशल राजनेता, प्रसिद्ध शिक्षाविद और प्रख्यात समाजसेवी बताया है। उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा।

संक्षिप्त खबर

पंजाब में 18 दिन में संक्रमण के मामलों में डेढ़ गुणा बढ़ोतरी, मृतकों के आंकड़े में भी तेजी

चंडीगढ़ । पंजाब में कोरोना वायरस के संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। राज्य में पिछले 18 दिन में कोरोना के संक्रमण के मामलों में डेढ़ गुना बढ़ोत्तरी हुई है। राज्य में पिछले 24 घंटे के दौरान 4957 लोगों की कोरोना टेस्ट रिपोर्ट पाजिटिव आई। एक अप्रैल से 18 अप्रैल तक संक्रमण के मामलों में डेढ़ गुणा बढ़ोतरी हुई है। जहां एक अप्रैल को 3187 मामले सामने आए थे वहीं 18 अप्रैल को यह आंकड़ा 4957 रहा। पंजाब में कोरोना पाजिटिव आए कुल लोगों की संख्या तीन लाख के पार पहुंच गई है। कुल 300038 लोग कोरोना पाजिटिव पाए गए। इनमें से 257946 मरीजों ने कोरोना को मात दी तो 7902 लोगों की मौत हो गई। जबकि 34190 लोगों का इलाज चल रहा है। इनमें से 429 मरीजों को आक्सीजन और 48 को वेंटीलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। सेहत विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटे के दौरान एसएएस नगर (मोहाली) में संक्रमण के सबसे ज्यादा 880, अमृतसर में 742, लुधियाना में 686, जालंधर में 445, पटियाला में 379, बठिंडा में 293, होशियारपुर में 268, फाजिल्का में 173, मुक्तसर में 170, पठानकोट में 128, मानसा में 117, रूपनगर में 107 और गुरदासपुर में 104 नए मामले सामने आए। वहीं, अमृतसर में 11, गुरदासपुर में नौ, पटियाला में सात, रूपनगर में छह, लुधियाना व मोहाली में पांच-पांच, जालंधर में चार, तरनतारन, फाजिल्का व कपूरथला में तीन-तीन, बरनाला, फरीदकोट, फतेहगढ़ साहिब व होशियारपुर में दो-दो और बठिंडा, मानसा, मोगा व पठानकोट में एक-एक कोरोना मरीज ने दम तोड़ दिया।

69733 को लगा टीका- राज्य में रविवार को 69733 लोगों को टीका लगाया गया। इनमें से 63119 को वैक्सीन की पहली और 6614 लोगों को वैक्सीन की दूसरी डोज दी गई। 24 घंटे में 3141 लोगों ने कोरोना को मात भी दी।

लुधियाना के दो इलाकों में लगा लाकडाउन- लुधियाना में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए दुगरी इलाके में अर्बन एस्टेट फेज एक और दो में रविवार रात नौ बजे से पूर्ण लाकडाउन लगा दिया गया है। डीसी वरिंदर शर्मा के अनुसार इन इलाकों में कोरोना के मामले अचानक बढ़ गए हैं। इस इलाके को कंटेनमेंट जोन घोषित कर पूरी तरह सील कर दिया गया है।

झारखंड में इस तरह लगा लॉकडाउन, सीएम हेमंत ने किया बड़ा एलान

रांची । झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य में लॉकडाउन की पाबंदियां लागू कर दी हैं। जनता के नाम जारी संदेश में सीएम ने कहा कि सभी परीक्षाएं अगले आदेश तक स्थगित कर दी गई हैं। राज्य में सभी स्कूल, कालेज, कोचिंग, ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, आइटीआइ संस्थान, आंगनबाड़ी केंद्र बंद अगले आदेश तक बंद रहेंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंत्रियों संग बैठक करने के बाद राज्य के लोगों के नाम संदेश जारी किया है। राज्य में बढ़ते कोरोना संक्रमण को देखते हुए कुछ निर्णय लिए गए हैं। ज़रूरत पड़ने पर आगे और कदम उठाये जायेंगे। लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा पहुँचायी जा सके इसके लिए भी उचित कदम उठाये जा रहे हैं। सभी लोगों से अपील है कोरोना की इस विकट घड़ी में आप सभी सतर्क रहें, सुरक्षित रहें।

सीएम ने ट्विटर पर जारी संदेश में कहा- राज्य में बढ़ते कोरोना संक्रमण को देखते हुए कुछ निर्णय लिए गए हैं। जरूरत पड़ने पर आगे और कदम उठाये जायेंगे। लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा पहुंचायी जा सके इसके लिए भी उचित कदम उठाये जा रहे हैं। सभी लोगों से अपील है कोरोना की इस विकट घड़ी में आप सभी सतर्क रहें, सुरक्षित रहें। सीएम हेमंत ने रविवार को जारी किए गए वीडियो संदेश में कहा कि सरकार ने पक्ष-विपक्ष के राजनीतिक दलों से बात करने के बाद प्राथमिक स्तर पर कई निर्णय लिए हैं। राज्य में कोरोना वायरस संक्रमण से बेकाबू हो रहे हालात को संभालने के लिए तत्काल प्रभाव से आने वाले दिनों में होने वाली तमाम परीक्षाएं रद कर दी गई हैं। मौजूदा हालात को ध्यान में रखकर सभी स्कूल, कॉलेज, कोचिंग सेंटर, आइटीआइ और दूसरे ट्रेनिंग सेंटरों को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है। आंगनबाड़ी केंद्रों को भी बंद कर दिया गया है।

सीएम ने कहा कि राज्य में कोरोना संक्रमण से बिगड़ रहे हालात को देखते हुए स्कूल- कॉलेज के एंट्रेंस, संस्थागत परीक्षाएं समेत तमाम परीक्षाओं को अगले आदेश तक रद किया जा रहा है। कोरोना संक्रमण को कंट्रोल करने के लिए आप सब अपने घर में ही रहें। घरों से बेवजह बाहर न निकलें। शारीरिक दूरी बनाकर रहें। चेहरे पर हमेशा मास्क लगाएं। नौजवान थोड़े दिनों के लिए अपनी मौज-मस्ती बंद करें। सीएम ने कहा कि शादी-विवाह में 200 लोगों को शामिल होने की अनुमति पर रोक लगा दी गई है। अब अधिकतम 50 लोगों को ही शादी समारोह में शामिल होने का आदेश दिया गया है।

झारखंड सिविल सेवा परीक्षा स्थगित, सरकार का बड़ा फैसला...

रांची । झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अगले आदेश तक राज्य में लॉकडाउन की पाबंदियां लागू कर दी हैं। रविवार को जनता के नाम जारी संदेश में सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य में गंभीर कोरोना संकट के कारण आने वो समय की सभी परीक्षाएं अगले आदेश तक स्थगित कर दी गई हैं। अब राज्य के सभी स्कूल, कालेज, कोचिंग, ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, आइटीआइ संस्थान, आंगनबाड़ी केंद्र बंद रहेंगे। 10वीं और 12वीं कक्षा के स्कूल भी तत्काल प्रभाव से बंद किए गए हैं।

जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा स्थगित- झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा 2 मई को होने वाली संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा स्थगित कर दी गई है। कोरोना के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए सीएम हेमंत सोरेन ने राज्य में होने वाले एकेडमिक से लेकर सभी तरह की प्रतियोगी परीक्षाएं स्थगित रहेगी। जेपीएससी की सातवीं से लेकर दसवीं तक होने वाली सिविल सेवा की परीक्षा दो मई को होनी थी। इसमें करीब 5 लाख 50 हजार परीक्षार्थियों को शामिल होना था। परीक्षा आयोजन की तैयारी पूरी कर ली गई थी। कुछ दिन सेंटर पर व्यवस्था को लेकर उपायुक्त् छवि रंजन ने बैठक भी की थी। इस परीक्षा के माध्यम से दो सौ से अधिक पदों पर नियुक्ति होनी थी। इधर, झारखंड में बेतहाशा बढ़ रहे कोरोना वायरस संक्रमण पर नियंत्रण के लिए राज्य में लॉकडाउन सरीखीं पाबंदियां लगाते हुए सीएम हेमंत सोरेन ने जनता के नाम वीडियो संदेश जारी कर उनका सहयोग मांगा है। सीएम ने सरकार के प्राथमिक स्तर पर लिए गए फैसलों की जानकारी देते हुए कहा कि राज्य की तमाम स्कूलें अगले आदेश तक बंद कर दी गई हैं। सभी कॉलेज, कोचिंग, आइटीआई, व्यावसायिक ट्रेनिंग संस्थान और आंगनबाड़ी केंद्रों को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है।

बिहार में कोरोना को लेकर नई गाइडलाइन जारी- नाइट कर्फ्यू लगा

पटना । बिहार में कोरोनावायरस की दूसरी लहर में हालात लगातार विस्फोटक होते जा रहे हैं। संक्रमण की चेन को रोक कर बढ़ते मामलों पर नियंत्रण के लिए रविवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बड़े फैसलों की घोषणा की। उन्होंने बिहार के हालात को विस्फोटक बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने फिलहाल पूर्ण लॉकडाउन के बदले नाइट कर्फ्यू लगाने का फैसला किया है। साथ ही शिक्षण संस्थान 15 मई तक के लिए बंद कर दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि कोरोना से बचाव के लिए डेडिकेटेड कोविड अस्पताल बनाए जा रहे हैं। साथ ही होम आइसोलेशन में रहने वाले संक्रमितों तथा राज्य के बाहर से आ रहे लोगों की मॉनीटरिंग की भी घोषणा की। सरकार ने कोरोनावायरस संक्रमण कीइ रोकथाम को लिए नई गाइडलाइन बना ली है। बिहार में कोरोनावायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए शुक्रवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विभिन्न विभागों के साथ हाई लेवल बैठक की। इसमें समीक्षा कर शनिवार को राज्यपाल की अध्यक्षता में आयोजित सर्वदलीय बैठक में सरकार ने हालात की जानकारी दी तथा नियंत्रण के लिए सभी दलों से उनके विचार जाने। बैठक के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप की बैठक में सभी जिलो के डीएम और एसपी के साथ हालात की जानकारी ली। इसके बाद मुख्यमंत्री मीडिया से मुखातिब हुए। इसमें उन्होंने कोरोनावायरस संक्रमण से बचाव की नई गाइडलाइन के महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी दी।

नाइट कर्फ्यू लागूः क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप के साथ मुख्यमंत्री की लंबी बैठक के बाद राज्य में रात्रि नौ बजे से सुबह सुबह पांच बजे तक नाइट कर्फ्यू लागू करने का फैसला किया गया है। कोरोनावायरस संक्रमण का कंटेनमेंट जोन बनाकर लोगों को बचाया जाएगा। कंटेनमेंट जोन में पूर्ण लॉकडाउन जैसे प्रावधान लागू किए जा सकते हैं।

15 मई तक स्कूल-कॉलेज बंदः स्कूल-कॉलेजों की बंदी को 15 मई तक के लिए बढ़ाई गई है। राज्य में परीक्षाएं भी स्थगित कर दी गई हैं।

मॉल व धर्म-स्थल आदा बंद- मॉल, सिनेमा, स्टेडियम, संग्रहालय, जिम, धर्म स्थल आदि 15 मई तक बंद किए गए हैं। खेलकूद की गतिविधियों व सार्वजनिक आयोजनों पर भी 15 मई तक प्रतिबंध लगाए गए हैं।

शादी व श्राद्ध में सौ लोग होंगे शामिलः सभी सरकारी व निजी सार्वजनिक समारोहों पर प्रतिबंध लगा दिए गए हैं। हां, शादी व अंतिम संस्कार को इससे अलग रखा गया है। अंतिम संस्कार में केवल 25 लोग शामिल हो सकते हैं। शादी व श्राद्ध में सौ लोगों की अधिकतम सीमा तय की गई है।

शाम छह बजे तक खुली रहेंगी दुकानें : सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान व दुकान तथा फल-सब्जी की दुकानें अब सायं छह बजे तक ही खुलेंगी। अभी तक इन्हें शाम सात बजे तक खोलने की अनुमति थी।

रेंस्तराओं को होम डिलेवरी की छूट : ढाबा में रेंस्तरा और ढाबा में खाना खिलाने पर प्रतिबंध रहेगा। हां, उन्हें रात नौ बजे तक वे ऑनलाइन डेलिवरी व पैकिंग की छूट दी गई है।

खुले रहेंगे बैंक, डाकघर व पेट्रोल पंप- बैंक, एटीएम, डाकघर व रसोई गैस की दुकान व पेट्रोल पंप आदि खुले रहेंगे। अस्पताल व फायर ब्रिगेड जैसी आपातकालीन सेवाएं भी जारी रहेंगी। पुलिस व सुरक्षा बल ड्यूटी पर मुस्तैद रहेंगे। ई-कॉमर्स के संस्थान खुले रहेंगे।

फ्लाइट, ट्रेन व सड़क यातायात रोक नहीः शारीरिक दूरी के पालन, सैनिटाइजेशन व मास्क पहनने पर एंट्री की शर्तों के साथ सार्वजनिक वाहन चलाए जा सकते हैं। निजी वाहनों के परिचालन की छूट दी गई है। शर्तों के साथ ट्रेनों व फ्लाइट को जारी रखा जाएगा। हां, उनसे आने वाले यात्रियों की संक्रमण की जांच को कड़ा किया जाएगा।

बसपा मुखिया मायावती ने उठाया ऑक्सीजन की कमी का मुद्दा, आयात करने की मांग

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर के बेहद भयावह होने के बाद बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती भी सक्रिय हो गई है। उन्होंने ऑक्सीजन की कमी होने के प्रकरण को इंटरनेट मीडिया पर उठाया है।

इंटरनेट मीडिया पर बेहद एक्टिव हो चुकीं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने उत्तर प्रदेश में ऑक्सीजन की कमी का मुद्दा उठाते हुए केंद्र सरकार से इसकी सप्लाई पर विशेष ध्यान देने की मांग की है। उन्होंने तो यह भी कहा कि यदि जरूरत पड़े तो इसका आयात भी करें।

मायावती ने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों में कोरोना वैक्सीन व अस्पतालों में इलाज के लिए आक्सीजन की जबर्दस्त कमी है। केंद्र सरकार इनकी सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए प्राथमिकता के आधार पर विशेष ध्यान दे और यदि इसके लिए आयात करने की जरूरत पड़ती है तो आयात भी किया जाए। उन्होंने कहा कि देश की जनता से भी पुन- अपील है कि राज्य सरकारों के कोरोना महामारी से बचाव के उपाय के तहत जो भी सख्ती तथा सरकारी गाइडलाइंस दिए जा रहे हैं उसका सही से अनुपालन करें ताकि कोरोना प्रकोप की रोकथाम हो सके अर्थात लोग भी अपनी जिम्मेदारी को निभाएं।

मायावती ने कहा कि इसके अलावा, कोरोना वायरस अब युवाओं को भी अपनी चपेट में लेने लगा है, जो काफी चिन्ता का विषय बनता जा रहा है। अत- कोरोना वैक्सीन के संबंध में उम्र की सीमा के संबंध में भी केन्द्र सरकार को अब जरूर यथाशीघ्र पुनर्विचार करना चाहिए।

गोरखपुर में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना, कोविड अस्पताल से महिला के शव से गहने गायब

गोरखपुर । बाबा राघवदास मेडिकल कालेज के कोविड अस्पताल में 72 वर्षीय महिला के इलाज में कदम-कदम पर लापरवाही बरती गई। महिला की मौत के बाद शव से गहने गायब मिले तो बेटे ने विरोध किया। आरोप है कि गार्डों ने बेटे की पिटाई की। शव लेने पहुंचे एंबुलेंस चालक को भी नहीं बख्शा। महिला का शव देते समय कोरोना निगेटिव की रिपोर्ट थमा दी गई।

यह है घटनाक्रम

गोला थाना क्षेत्र की राधिका देवी को 15 अप्रैल की शाम अचानक सीने में दर्द और सांस लेने में दिक्कत होने लगी। स्वजन पास के अस्पताल ले गए लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ तो बाबा राघवदास मेडिकल कालेज लेकर पहुंचे। यहां कोविड का संदिग्ध मरीज मानते हुए महिला को कोविड वार्ड में भर्ती किया गया।

बीएचटी में नाम हो गया आराधना

राधिका के बेटे अजय शुक्ल ने बताया कि मां को कोविड अस्पताल में भर्ती कराया गया तो डाक्टरों ने राधिका की जगह आराधना नाम लिख दिया। वह मां की स्थिति के बारे में कर्मचारियों से पूछते रहे लेकिन कोई राधिका नाम की मरीज के बारे में बता ही नहीं पा रहा था। 36 घंटे बाद पता चला कि राधिका का नाम गलती से आराधना दर्ज हो गया है।

निगेटिव रिपोर्ट, बैग में दिया शव

अजय शुक्ल ने बताया कि रविवार सुबह उन्हें फोन कर कोविड अस्पताल बुलाया गया। यहां बताया गया कि मां की मौत हो चुकी है। साथ में कोरोना निगेटिव की रिपोर्ट दी गई। इसके बाद बैग में भरकर शव दे दिया गया। जब उन्होंने बैग खोलकर देखा तो मां के गले की चेन, नाक का बूंदा और कान का झुमका गायब था। कर्मचारियों से पूछा तो वह हाथापाई करने लगे। कर्मचारियों ने गार्डों को बुला लिया और पिटाई शुरू कर दी।

मेडिकल कालेज के प्रधानाचार्य ने कहा- इस संबंध में बीआरडी मेडिकल कालेज के प्रधानाचार्य डा. गणेश कुमार ने कहा कि मेरे संज्ञान में मामला है। बैग खोलकर चेहरा स्वजन को दिखाया गया। कर्मचारी इसका वीडियो बना रहा था। शव देते समय वीडियो बनाया जाता है। तीमारदार ने कर्मचारी का मोबाइल पटक दिया इससे मोबाइल टूट गया। इसके बाद विवाद हो गया। मरीज भर्ती करते समय उसके पास मौजूद सभी सामान की जानकारी दर्ज की जाती है। मोबाइल छोड़कर सभी सामान दे दिए जाते हैं। गहने चोरी करने का आरोप बेबुनियाद है। आराधना नाम के दो मरीज के कारण नाम लिखने में गलती हो गई थी।

सुलतानपुर में भाजपा विधायक ही नहीं दे सके वोट, मतदाता सूची से नाम गायब

सुलतानपुर । मतदाता सूची में गड़बड़ी का इससे बेहतर कोई नमूना नहीं हो सकता है। इलाके के लम्भुआ विधानसभा से भाजपा विधायक देवमणि द्विवेदी का नाम ही मतदाता सूची से गायब रहा। इतना ही नहीं, उनके ग्राम पंचायत वार्ड के मतदाताओं को वोट देने के लिए करीब तीन किलोमीटर दूर जाना पड़ा। मतदान से वंचित विधायक ने एसडीएम समेत जिले से अफसरों से इसकी शिकायत भी की।

सोमवार को पंचायत चुनाव में मताधिकार का प्रयोग करने के लिए भाजपा विधायक देवमणि द्विवेदी अपनी पत्नी के साथ गांव पहुंचे। घर के समीप मौजूद प्राथमिक विद्यालय सूर्यभान पट्टी में उनके वार्ड के मतदाताओं के नाम नहीं थे। विधायक का घर गांव के वार्ड संख्या पांच में है। इस वार्ड के मतदाताओं का बूथ करीब तीन किलोमीटर दूर ककराही कम्पोजिट विद्यालय में बनाया गया था। जब भाजपा देवमणि पत्नी के साथ ककराही स्थित बूथ संख्या 121 पर पहुंचे तो पीठासीन अधिकारी रमाशंकर मिश्र ने मतदाता सूची में नाम न दर्ज होने की बात बताई। जबकि, इस वार्ड के क्रमांक 819 पर उनकी पत्नी रेखा का नाम है। इसी तरह क्रमांक 820 पर उनके भाई चिन्तामणि व क्रमांक 821 पर अनुज वधू विभा का नाम अंकित था।

पीठासीन अधिकारी ने विधायक से मतदान करने में असमर्थता जाहिर की। बाद में सेक्टर मजिस्ट्रेट से बात करके पीठासीन अधिकारी ने इसकी पुष्टि की। उधर, खुद विधायक ने एसडीएम व जिले के अन्य अफसरों को फोन करके इसकी शिकायत की। एसडीएम राम अवतार ने कहा कि उन्हें मामले की जानकारी हुई है। बूथ पर राजस्व कर्मी को भेजा जा रहा है। इसकी जांच कराई जाएगी।

पंजाब में अमृतसर के गुरु नानक देव अस्पताल में ऑक्सीजन खत्म, तड़पने लगे मरीज, मची अफरा-तफरी

अमृतसर । यहां गुरु नानक देव अस्पताल में आज सुबह अचानक अफरा-तफरी मच गई। अस्पताल में ऑक्सीजन खत्म हो गई। अस्पताल में 140 से अधिक कोरोना संक्रमित मरीज उपचाराधीन है। ऑक्सीजन सपोर्ट पर लगाए गए मरीजों को बहुत कम मात्रा में ऑक्सीजन मिलने लगी, जिससे वे तड़पने लगे। आपातकालीन स्थिति में एक निजी कंपनी से आग्रह कर सिलेंडर मंगवाए गए और इनके जरिए आपूर्ति की गई। इसके बाद हालात सुधरे और मरीजों को राहत मिली।

सुबह 6:00 बजे ऑक्सीजन सिलेंडर हो गए खत्म- घटना सुबह 6: 00 बजे की है। कोरोना वार्ड में मरीजों को ऑक्सीजन स्पोर्ट पर रखा गया था। अचानक मरीजों की सांस फूलने लगी। इससे उनके परिजन डर गए। इस बात की जानकारी नर्सिंग स्टाफ को दी गई। नर्सिंग स्टाफ ने ऑक्सीजन का फ्लो मीटर चेक किया तो इसमें 40 प्रतिशत ऑक्सीजन पहुंच रही थी। इसके बाद ऑक्सीजन प्लांट में चेक किया गया तो पता चला कि सिलेंडर खत्म हो चुके हैं। अस्पताल में प्रतिदिन 1200 सिलेंडर की खपत हो रही है। बीते रविवार को डेढ़ सौ सिलेंडर आए थे। अगली सप्लाई भी रविवार को ही आनी थी, लेकिन यह पहुंची नहीं। इस कारण ऑक्सीजन की किल्लत हुई।

यहां बताना जरूरी है कि पिछले वीरवार को कोरोना वॉर्ड में कार्यरत नर्सिंग स्टाफ ने ऑक्सीजन का फ्लो मीटर गलत लगा दिया था, जिस वजह से भी मरीजों को ऑक्सीजन की आपूर्ति कम मिलने लगी थी। आज की घटना के बाद अस्पताल प्रशासन मौके पर पहुंचा। डॉक्टरों ने स्थिति का जायजा लिया, लेकिन अभी इस बारे में बात करने से इन्कार कर रहे हैं।

अस्पताल में हिमाचल प्रदेश से लिक्विड गैस की सप्लाई होती रही है, लेकिन इन दिनों यह बंद है। लिक्विड गैस को प्लांट में डालकर इसे ऑक्सीजन में परिवर्तित किया जाता था।

सप्लाई बंद होने की वजह से अब अस्पताल प्रशासन को ऑक्सीजन से भरे सिलेंडर खरीद कर आपूर्ति कर रहा है। बरहाल इस मामले में अभी किसकी लापरवाही तय होती है यह कुछ समय बाद पता चलेगा लेकिन यह तय है कि यदि इस प्रकार की लापरवाही मरीजों के लिए प्राणघातक सिद्ध हो सकती है।

35 घंटे बाद खुला लॉकडाउन तो थोक सब्जी बाजार में बढ़ी भीड़, व्यापारियों को अच्छी बिक्री की उम्मीद

प्रयागराज । रविवार को लॉकडाउन में मुंडेरा मंडी खुली थी लेकिन पुलिस की सख्ती के कारण फुटकर व्यापारी और ग्राहक सब्जी खरीदने जाने का साहस नहीं कर सके थे। सोमवार सुबह 35 घंटे का लॉकडाउन खुलने के बाद फुटकर व्यापारी और ग्राहक सब्जी खरीदने पहुंचे। सुबह से ही भीड़ होने के कारण रविवार की भी भरपाई होने की उम्मीद सब्जी व्यापारियों और किसानों ने जताई।

कोरोना वायरस की चेन को तोड़ने के लिए शासन द्वारा लगाए गए 35 घंटे का लॉकडाउन सोमवार सुबह सात बजे समाप्त हो गया। लॉकडाउन समाप्त होने ही शहर भर के फुटकर व्यापारी और आसपास के ग्राहक मुंडेरा मंडी में सब्जी खरीदने के लिए पहुंचने लगे। अचानक भीड़ बढ़ जाने से उन्हें नियंत्रित करने में सब्जी व्यापारियों (आढ़तियों) को दिक्कतें भी हुईं। बहरहाल, सब्जियों की कीमतें यथावत रहीं। कद्दू और लौकी चार-पांच रुपये किलो रही। नेनुआ, परवल, इक्षभडी, करैला के दाम आठ 10 रुपये से लेकर 15-16 रुपये किलो तक रहे। टमाटर का रेट भी 14-15, प्याज का दाम 12-14 और आलू का मूल्य 10 से 12 रुपये किलो रहा। इसमें भी गोला आलू 10 और जी-फोर 12 रुपये किलो रही। खरबूज, तरबूज और खीरे का रेट भी पूर्ववत रहा।

थोक मुंडेरा मंडी में सब्जियां गंगापार, यमुनापार, कछारी क्षेत्रों के अलावा कौशांबी, धाता, फतेहपुर समेत आसपास के जिलों से बड़े पैमाने पर आईं। मुंडेरा सब्जी एवं फल व्यापार मंडल के अध्यक्ष सतीश कुशवाहा का कहना है कि रविवार को लॉकडाउन की वजह से खरीदार नहीं आए थे, इसलिए सोमवार को मंडी में सुबह से ही काफी भीड़ लगने लगी है। खरीदारी भी अच्छी हुई।

कोरोना काल में गर्भवती और नौनिहालों की फिक्र, लखनऊ की समाज सेवी दे रहीं पौष्टिक आहार

लखनऊ । कहते हैं एक महिला ही दसरी महिला दर्द समझती हैं, लेकिन ऐसी कुछ अलग महिलाएं होती हैं जो उनके दर्द का महसूस भी करती हैं। केवल महसूस ही नहीं उसे दूर करने का प्रयास भी बड़ी शिद्दत से करती हैं। उन्हीं की श्रेणी में आती हैं, इंदिरानगर की बीना पांडेय। वह लखनऊ समेत आसपास जिलों में महिलाओं के लिए पोषण वाटिका के साथ गर्भवती को समय से मिलने पौष्टिक आहार का ध्यान भी रखती रहीं है, वही भी कोरोना संक्रमण के विपरीत परिस्थितियों में।

उनका कहना है संवेदनाओं की शून्यता का बढ़ाना, ऐसा नहीं है कि संवेदनाएं खत्म हो गई हैं, बस सामाजिक बदलाव के साथ उसमे भी बदलाव आया है। कोरोना संक्रमण काल में मास्क के साथ ही पौष्टिक आहार और महिलाओं के लिए दलिया, दूध, प्रोटीनयुक्त खाद्य पदार्थ के साथ ही अन्य सामग्री का वितरण किया। बीना का कहना है कि परिवार से जो संस्कार आपको बचपन में मिलते वह जिंगदी के साथ हर मोड़ पर आपको आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। झोपड़पट्टी में महिलाओं को देखकर लोग गरीबी का एहसास तो जरूर करते हैं, लेकिन जब उनके बारे में करने की बारी आती है तो बगली झांकने लगते हैं। मैं कहने के बजाय करने में विश्वास रखती हूं और मेरे माता पिता ने यही शिक्षा भी दी थी। एक बार फिर कुदरत का कहर संक्रमण की लहर के रूप में आया है, ऐसे सभी को खुद को बचने के साथ ही आसपास के लोगों को भी बचने की प्रेरणा देनी चाहिए। बचाव ही सुरक्षा है इस मंत्र को सभी को समझना होगा, तभी हम इस संक्रमण की महामारी से बच सकेंगे।

चेन्नई में कोरोनावायरस के प्रसार के खिलाफ कलाकार जागरूक करते हुए।

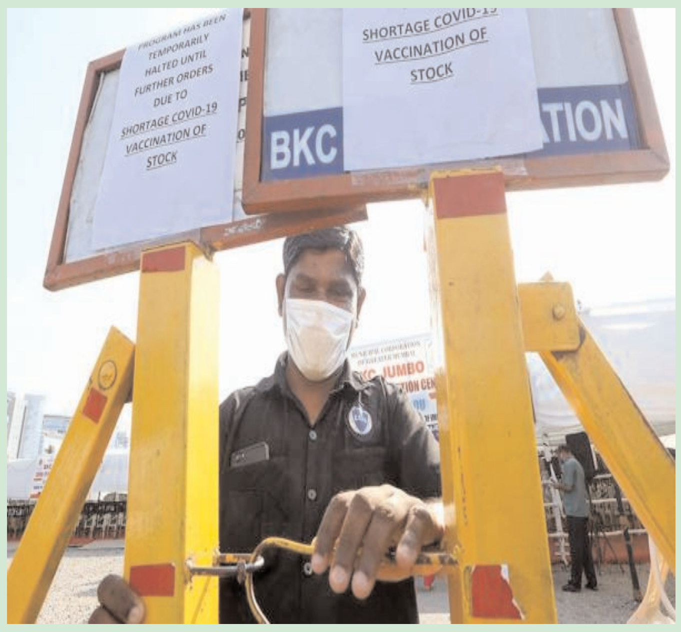

मुंबई में देश भर में कोविद -19 मामलों में वृद्धि के बीच, कोविद वैक्सीन की कमी के कारण बीकेसी कोविद -19 टीकाकरण केंद्र को बंद कर दिया गया।

एक स्वास्थ्य कार्यकर्ता मुंबई में MCGM के दहिसर जंबो कोविड सुविधा के ICU में एक कोविड-19 रोगी का इलाजकरते हुए।

एक नजर

तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ गजेंद्र सिंह शेखावत ने भरी हुंकार, कुशासन को जड़ से उखाड़ फेंकने का संकल्प

कोलकाता । केंद्रीय जलशक्ति मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता गजेंद्र सिंह शेखावत ने रविवार को एक बार फिर तृणमूल कांग्रेस शासन के खिलाफ हुंकार भरी। उन्होंने कहा कि बंगला नववर्ष पर हम सभी लोग यह संकल्प लें कि कुशासन को जड़ से उखाड़ कर फेंक देंगे। दमदम उत्तर विधानसभा क्षेत्र में जनसभा में शेखावत ने कहा कि युवा साथियों को चिंतन, मनन और विचार करने की जरूरत है, क्योंकि पिछले कई दशक से बंगाल में जमकर लूट-खसोट हुई है। युवाओं को रोजगार के लिए अपना घर- परिवार छोड़कर दूसरे राज्यों में जाना पड़ रहा है। केंद्रीय मंत्री ने जनसमूह से अपील करते हुए कहा कि दमदम उत्तर से भाजपा प्रत्याशी डॉ. अर्चना मजुमदार को वोट देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए भारत बनाने के लक्ष्य को साकार करने में अपना योगदान दें। स्वरूपनगर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित चुनावी रैली में केंद्रीय मंत्री शेखावत ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का स्वागत किया। रैली में शेखावत ने भाजपा के झंडे को लहराकर जनता का अभिवादन भी किया।

2016 में तीसरे स्थान पर रही थी भाजपा- रासबिहारी सीट पर टीएमसी को पहली बार 2001 में जीत मिली थी। पिछले 20 वर्षों से टीएमसी का यहां कब्जा है। 2016 के विधानसभा चुनाव में टीएमसी के शोभनदेव चट्टोपाध्याय यहां से चौथी बार विधायक चुने गए थे। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी आशुतोष बनर्जी को 14,553 वोटों से हराया था। वहीं, तीसरे नंबर पर 23,381 वोटों के साथ भाजपा उम्मीदवार एस बनर्जी थे। लेकिन इस बार भाजपा यहां भारी दिख रही है। इस क्षेत्र में अच्छी खासी संख्या में हिंदीभाषी वोटर भी हैं।

कठुआ में गई 3.15 करोड़ की सर्वाधिक बोली, जम्मू के नाम रही तीसरी सबसे बड़ी बोली

जम्मू । जम्मू कश्मीर में शराब के लाइसेंसों की तीन दिनों तक ऑन लाइन चली नीलामी के दौरान सबसे अधिक बोली कठुआ जिले में हुई, जहां एक लाइसेंस की सर्वाधिक बोली 3.15 करोड़ तक गई।जबकि इसी जिले में एक अन्य लाइसेंस के लिए बोली 2.25 करोड़ रूपये तक गई।

यह प्रदेश में दूसरी सबसे बड़ी बोली है।वहीं जम्मू में लाइसेंस के लिए तीसरी बड़ी बोली 1.8 करोड़ रूपये तक गई।राजौरी जिले के सुदंरबनी में चौथी सबसे बड़ी बोली 1.4 करोड़ रुपये तक गई।यह जानकारी एक्साइज कमिशनर राहुल गुप्ता ने सोशल मीडिया पर ट्वीट में दी। जम्मू के बाहरी क्षेत्र दोमाना में शराब के लाइसेंस की बोली 1.63 करोड़ में हुई। रोजी वाइन शॉप भांवला की शराब की दुकान की बोली 82 लाख रुपये।वहीं नगरोटा में संतोष कुमारी के नाम यह बोली 40 लाख रुपये तक गई। डोडा जिले में सर्वाधिक बोली 39 लाख,बड़ी ब्राह्मणा में 1.22 करोड़ रुपये, जम्मू के नगरोटा में 31 लाख, नंदपुर वाइन शॉप ने 1.02 करोड़ में पूरी हुई।रामगढ़ में हरभजन वाइन शॉप का लाइसेंस 25 लाख रुपये, रामगढ़ वाइन शॉप 1.05 करोड़ रुपये,संजीव वाइन शॉप फिंतर की बोली 47 लाख रुपये में बोली लगी। जिला पुंछ में आर्दश वानइ शॉप 23 लाख रुपये, गुरमीत वाइन शॉप पुंछ ने 1.23 करोड़ रुपये की बोली दी। रमेश पुंछ वाइन शॉप ने 1.23 करोड़, रोमेश वाइन शॉप की बोली 96 लाख रुपये, पौणी में 37.25 लाख, भद्रवाह में 1.39 करोड़ रुपये तथा नाइवाला में रेनूका वाइन शॉप 72 लाख रुपये में गई।

सरकार से समन्वय बना किशतवाड़ में विकास को तेजी दें जनप्रतिनिधि- डॉ. जितेन्द्र सिंह

जम्मू । प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री डा. जितेंद्र सिंह ने कहा है कि किशतवाड़ में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। ऐसे में पंचायत, जिला विकास परिषद व ब्लाक विकास परिषदों के प्रतिनिधि सरकार के साथ समन्वय बनाकर विकास व पर्यटन को बढ़ावा दें। जम्मू के कन्वेशन सेंटर में रविवार को जिले की दिशा बैठक किशतवाड़ में केंद्र प्रायोजित योजनाओं को कामयाब बनाने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में जानकारी लेते हुए डा जितेन्द्र सिंह ने कहा कि बिजली समस्या के समाधान के लिए जिले में पक्कल दुल, कीरू व रतले बिजली प्रोजेक्ट बनाने के लिए सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। इन प्रोजेक्टों के बनने से बिजली की जरूरत पूरा होगी। प्रोजेक्ट बनाने वाली एजेंसियों से कहा गया है कि वे स्थानीय लोगों को रोजगार दें।

एक हजार मैगावाट की क्षमता वाला पक्कल दुल प्रोजेक्ट जम्मू कश्मीर का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट होगा। इसके साथ राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत पाडर में डिग्री कालेज खोलने को मंजूरी मिल गई है।बैठक में जिला विकास परिषद किशतवाड़ की अध्यक्ष पूजा ठाकुर, जिले के डिप्टी कमिश्नर प्रशांत कुमार झा, प्रशासन के अधिकारियों के साथ पंचायत प्रतिनिधि आदि भी मौजूद थे। बैठक में डा जितेन्द्र सिंह को बताया कि जिले में एयर स्ट्रिप बनाने के लिए 526 कनाल जमीन चिन्हित कर ली गई है। वहीं प्रधानमंत्री विकास पैकेज से 100 विस्तरों वाले अस्पताल का निमार्ण भी पूरा होने वाला है। ठेकेदारों को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के लंबित प्रोजेक्ट जल्द पूरा करने की सख्त हिदायत दी गई है। जिला विकास आयुक्त ने जिले में केंद्र प्रायोजित योजनाओं के तहत चल रहे कायों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन, पंचायती राज प्रतिनिधियों और शहरी निकाय प्रतिनिधियों को पूरा सहयोग दे रहा है। कोविड 19 के मामलों पर उन्होंने कहा कि सभी सक्रिय मामलों की निगरानी की जा रही है। जिले में कोविड केयर सेंटर और अस्पताल भी तैयार है।डा. सिंह ने दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना और हर घर नल से जल योजनाओं के तहत हुए काम की जानकारी ली।

कुल्लू पुलिस ने एक किलो 312 ग्राम चरस सहित पकड़ी ढाबा संचालक महिला

कुल्लू । जिला कुल्लू के कसोल में शगुन ढाबा से पुलिस ने एक किलो 312 ग्राम चरस बरामद की है। आरोपित की पहचान 36 वर्षीय अंजलि पत्नी थमान पुन निवासी कसोल जिला कुल्लू के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक पुलिस के सूत्रों ने सूचना दी कि कसोल में शगुन ढाबा में चरस तस्करी का कारोबार होता है। यहां पर काफी समय से चरस बेचने का अवैध कारोबार चल रहा है। इसी सूचना के आधार पर पुलिस ने गत दिन सुनियोजित तरीके से शगुन ढाबा कसोल में रेड की तो वहाँ पर एक किलो 312 ग्राम चरस बरामद हुई। पुलिस को सूचना मिली थी कि शगुन ढाबा में काफी मात्रा में चरस एकत्र की गई है। लेकिन मौके पर तलाशी करने पर करीब 1 किलो से अधिक चरस बरामद की गई। मामले की पुष्टि करते हुए पुलिस अधीक्षक खोलो कुल्लू गौरव सिंह ने बताया कि मणिकर्ण घाटी के कसोल मैं पुलिस को चर्च के कारोबार की सूचना मिली थी इसी आधार पर रेड की गई ।

राजस्थान में 15 दिन का लॉकडाउन, जानिए क्या खुलेगा-क्या रहेगा बंद

जयपुर । राजस्थान में कोविड -19 के मामलों में तेजी से हो रही वृद्धि के मद्देनजर, राज्य सरकार ने सोमवार से 15 दिनों के लॉकडाउन की घोषणा की है और यह 3 मई तक लागू रहेगा। राजस्थान में तेजी से बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के बीच अशोक गहलोत सरकार ने रविवार देर रात नई गाइडलाइन जारी की । इसके तहत सोमवार से 3 मई तक जन अनुशासन पखवाड़ा होगा । इसमें सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठान और बाजार बंद रहेंगे । शुक्रवार शाम 6 बजे से सोमवार सुबह 5 बजे तक जिस तरह से रात्रि कर्फ्यू लगाया गया था । उसे अब जन अनुशासन पखवाड़े का नाम दिया गया है, जबकि स्थिति कर्फ्यू जैसी ही रहेगी । प्रदेश की सीमा पर सख्ती की जाएगी । बाहर से आने वालों को 72 घंटे भीतर की आरटीपीसीआर रिपोर्ट दिखाने के बाद ही प्रवेश दिया जाएगा।

आवश्यक सेवाओं को छोड़कर शेष सभी कार्यालय बंद रहेंगे । केवल खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति,टेलिफोन, सार्वजनिक परिवहन, नगर निगम, नगर विकास न्यास, बिजली, पानी व चिकित्सा विभाग खुलेंगे । इनसे जुड़े कार्मिकों को पहचान पत्र दिखाने पर आवागमन की सुविधा होगी । मेडिकल स्टोर, किराने, सब्जी व दूध की दुकानें खुलेंगी। अंतरराज्यीय एवं राज्य के अंदर माल परिवहन करने वाले वाहनों, हाईवे पर भोजनालयों व वाहनों की रिपेयरिंग करने वाली दुकानों को खोलने की अनुमति दी गई है। विवाह समारोह में पूर्व की तरह 50 एवं अंतिम संस्कार में 20 लोगों के शामिल होने की अनुमति होगी। मनरेगा में काम करने वाले मजदूरों को काम पर जाने की अनुमति होगी।

जरूरत के अनुसार लॉकडाउन अथवा अन्य कोई निर्णय लेने का अधिकार जिला कलेक्टरों को दिया गया है। बिना मास्क बेवजह घूमने वालों, शारिरिक दूरी का पालन नहीं करने पर जुर्माना होगा । मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को पहले मंत्रिमंडल की बैठक की और उसके बाद विशेषज्ञों के साथ वर्चुअल संवाद किया ।

इनमें अधिकांश लोगों ने लॉकडाउन अथवा कर्फ्यू लगाने की जरूरत बताई । इसके बाद सरकार ने देर रात नई गाइडलाइन जारी की है ।

जानें क्या रहेगा बंद, क्या खुला

घर का आवश्यक सामान, फल, डेयरी उत्पादों, आदि से जुड़ी दुकानें 1 बजे तक खुली रहेंगी।

सब्जी विक्रेताओं को शाम 7 बजे तक अपना सामान बेचने की अनुमति दी गई है।

पेट्रोल पंप रात 8 बजे तक खुले रहेंगे।

राज्य में परिवहन खुला रहेगा

कारखाने और विनिर्माण इकाइयां भी चालू रहेंगी।

नरेगा परियोजनाएं श्रमिकों को नियमित रोजगार सुनिश्चित करने के लिए भी जारी रखेंगी।

दिशानिर्देशों के अनुसार, बाजार, मॉल, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, सिनेमा हॉल और सभी धार्मिक स्थान बंद रहेंगे।

सभी शैक्षणिक संस्थान, कोचिंग सेंटर, पुस्तकालय, सामाजिक और राजनीतिक कार्यक्रम आदि को भी बंद करने का निर्देश दिया गया है

आवश्यक सेवाओं को छोड़करसभी वाणिज्यिक कार्यालय और बाजार बंद रहेंगे।

बस स्टॉप, मेट्रो स्टेशनों और हवाई अड्डों के यात्रियों को आने-जाने के लिए टिकट दिखाना होगा

दूसरे राज्यों से राजस्थान आने वाले लोगों को यात्रा के 72 घंटों के अंदर की आरटी-पीसीआर रिपोर्ट दिखानी होगी।

गर्भवती महिलाओं को अस्पताल की यात्रा करने की अनुमति दी जाएगी।

केवल 50 लोगों को विवाह पार्टियों में शामिल होने की अनुमति दी जाएगी, जबकि 20 को अंतिम संस्कार के लिए।

दूरसंचार, इंटरनेट सेवाएं, डाक सेवाएं, केबल सेवाएं आदि खुली रहेंगी।

इन छह राज्यों से महाराष्ट्र आने वाले यात्रियों के लिए जरूरी खबर

मुंबई । महाराष्ट्र में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के मामलों के कारण पैदा हुई भयावह स्थिति को देखते हुए देश के छह राज्यों को बेहद संवेदनशील माना है। जिसे देखते हुए महाराष्ट्र सरकार ने नई एसओपी जारी की है जिसके अनुसार केरल, गोवा, राजस्थान, दिल्ली-एनसीआर, गुजरात और उत्तराखंड के ट्रेन यात्रियों को महाराष्ट्र की यात्रा से 48 घंटे पहले आरटी-पीसीआर टेस्ट करवाना होगा। रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद ही राज्य में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी।

राज्य सरकार ने कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए इन राज्यों से लंबी दूरी की ट्रेनों में आने वाले यात्रियों के लिए ये नई एसओपी जारी की है। रेलवे स्टेशन पर सभी यात्रियों को अनिवार्य रूप से जांच की जाएगी और उसके बाद ही यात्रियों को महाराष्ट्र के लिए ट्रेनों में चढ़ने की अनुमति दी जाएगी। महाराष्ट्र के मुख्य सचिव सीताराम कुंटे ने रविवार को एक आदेश में कहा, यात्रा के दौरान कोविड नियमों का पूरी तरह से पालन करना होगा। इस दौरान शारिरिक दूरी का ध्यान रखना सबके लिए जरूरी होगा। इन छह राज्यों से चलने वाली ट्रेनों पर महाराष्ट्र के लिए कोई अनारक्षित टिकट जारी नहीं किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने रेलवे मंत्रालय को स्टेशनों में सभी निकास स्थानों पर थर्मल स्कैनर उपलब्ध कराने और ट्रेनों में कोविड-19 के नियमों को सख्ती से लागू करने के लिए कहा है।भारतीय रेलवे ने पहले ही घोषणा कर दी है कि वह ट्रेनों सहित रेलवे परिसर में फेस मास्क नहीं पहनने और थूकने वालों पर 500 रुपये का जुर्माना लगाएगा। इस संबंध में जारी आदेश को लेकर रेलवे छह महीने की अवधि के लिए तत्काल प्रभाव से कार्रवाई कर सकता है।

कोविड प्रकोप के मद्देनजर केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री शेखावत ने मुख्यमंत्री पर उठाए सवाल, कहा- विफलता छुपाने से नहीं होगा भला

जोधपुर । कोविड के बढ़ते प्रकोप के बीच राज्य सरकार के दिशा निर्देशों और लॉकडाउन के बाद भी कोरोना से संक्रमित लोगों की संख्या लगातार हो रहे इजाफे ने आज जन के साथ-साथ सरकार की भी चिंताएं बढ़ाई है। 2 दिन के वीकेंड लॉकडाउन के बाद राजस्थान में लगे 3 मई तक अनुशासन पखवाड़ा लगाने की घोषणा राज्य सरकार ने की है। इधर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री और जोधपुर के सांसद गजेंद्र सिंह शेखावत ने राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार पर कोरोना को लेकर अपनी विफलताओं को छुपाने का आरोप लगाया है। शेखावत ने कहा कि मुख्यमंत्री महोदय, कोरोना महामारी के प्रबंधन में अपनी विफलता छुपाने के लिए हर बार प्रधानमंत्री जी और केंद्र सरकार को नसीहत देने की रणनीति से किसी का भी भला नहीं होगा। केंद्रीय मंत्री

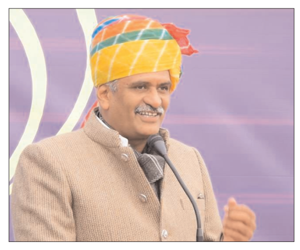

व जोधपुर सांसद ने कोविड-19 के दूसरी लहर मद्देनजर आम जन से अपील की है।

शेखावत ने कहा कि मुख्यमंत्री ने पहले प्रबंधन के लिए निर्णय लेने की छूट मांगी और अब जब मिली तो प्रधानमंत्री को जल्द से जल्द मुख्यमंत्रियों की बैठक कर निर्णय लेने की सलाह दे रहे हैं। अपने संबोधन में केंद्र पर गलत आरोप लगा रहे हैं। शेखावत ने कहा कि अशोक जी, नीतिगत निर्णय ना ले पाना आपकी पार्टी की विचारधारा का महत्वपूर्ण अंग रहा है, लेकिन मोदी सरकार में निर्णय लिए जाते हैं और जिम्मेवारी से उनका पालन भी किया जाता है। यहां अपनी विफलता छुपाने के लिए दोषारोपण की प्रथा नहीं है। जोधपुर की जनता सेअपनी अपील में केंद्रीय मंत्री ने पहले से अधिक सावधान रहने की आवश्यकता जताई है और सात्विक खानपान के साथ साफ सफाई की प्राथमिकता को दोहराया है। सुरक्षित रहिए संभल कर रहिए के संदेश के साथ शेखावत ने आमजन से अपील की है। कोरोना संक्रमण की यह दूसरी लहर अत्यंत गंभीर परिस्थितियां उत्पन्न कर रही है। जोधपुर में संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ने की सूचनाएं चिंता बढ़ा रही हैं। पार्टी द्वारा दी गई ज़िम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए मैं अभी आप सभी लोगों से दूर हूं, परन्तु मन और अवचेतन में जोधपुर की स्थितियों को लेकर चिंता लगातार बनी हुई है।

कोरोना वायरस का यह डबल म्यूटेंट वेरिएंट पहले वायरस से काफी ज़्यादा संक्रामक है। हालांकि इस बार हमारे पास वैक्सीन और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हैं परन्तु कोरोना वायरस का ये वेरिएंट अधिक संक्रामक होने के कारण पहले से ज़्यादा घातक सिद्ध हो सकता है।

सभी नगरवासियों से मेरा हाथ जोड़कर आग्रह है कि आप सभी स्वयं को और अपनों को सुरक्षित रखने के लिए पहले से अधिक सावधान रहें, अनावश्यक रूप से बाहर न जाएं, अपने खानपान और साफ़ सफाई का विशेष ध्यान रखें। खुद को सुरक्षित रखकर ही हम कोरोना के विरुद्ध चल रही इस लड़ाई को जीत सकते हैं इसलिए स्वयं की सुरक्षा ही हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। सुरक्षित रहिए, संभल कर रहिए!

महाराष्ट्र में कोरोना के 68631 नए मामले, मुंबई में 53 व नागपुर में 85 मौतें

मुंबई । महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 68631 नए मामले सामने आए, 45654 डिस्चार्ज हुए और 503 मौतें हुई हैं। सक्रिय मामले 6,70,388 हैं। कुल 31,06,828 डिस्चार्ज हुए। कुल 60,473 की मौत हुई है। इधर, मुंबई में कोरोना के 8479 नए मामले सामने आए और 53 मौतें हुई हैं। यहां 12,347 की मौत हुई है। सक्रिय मामले 87,698 हैं। वहीं, नागपुर जिले में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 7107 नए मामले सामने आए, 85 मौतें हुईं और 3987 रिकवर हुए। कुल मामले 3,23,106 हैं। कुल 2,47,590 रिकवर हुए। सक्रिय मामले 69,243 हैं। कोरोना से 6273 की मौत हुई है।

इधर, देश में कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित महाराष्ट्र में अब इस बीमारी से जुड़ी दवाओं पर भी जबर्दस्त राजनीति हो रही है। बड़ी मात्रा में रेमडेसिविर इंजेक्शन विदेश भेजने की आशंका पर पुलिस ने एक दवा कंपनी के डायरेक्टर को थाने बुलाकर शनिवार को पूछताछ की। इस डायरेक्टर की पैरवी में थाने पर भाजपा नेताओं देवेंद्र फड़नवीस और प्रवीण दारेकर के पहुंचने पर मामला तूल पकड़ गया। सरकार में शामिल दलों ने जहां भाजपा नेताओं की भूमिका पर सवाल उठाए वहीं भाजपा ने महाराष्ट्र सरकार पर संकट काल में भी राजनीति करने का आरोप लगाया। पुलिस ने बताया कि हमें जानकारी मिली थी कि निर्यात पर पाबंदी के बावजूद रेमडेसेविर के करीब 60 हजार वायल (शीशी) एयर कार्गो से विदेश भेजे जाने वाले हैं। इस जानकारी पर हमने दमन स्थित कंपनी ब्रुक फार्मा के डायरेक्टर राजेश दोकानिया को कांदिवली में उनके घर से रात साढ़े आठ बजे बीकेसी थाने बुलाकर पूछताछ शुरू की।

दोकानिया को करीब 12 बजे छोड़ दिया गया। पुलिस ने बताया कि राजेश दोकानिया के पास रेमडेसिविर की 60 हजार वायल का स्टाक था। दवा की किल्लत देखते हुए सरकार ने उसे यह स्टाक देश में ही बेचने को कहा था। महाराष्ट्र पुलिस के डीसीपी मंजूनाथ सिंह ने बताया कि हम दोकानिया से उस स्टाक के बारे में जानना चाहते थे। उधर भाजपा नेताओं को दवा कंपनी के डायरेक्टर से पूछताछ रास नहीं आई। उनका आरोप है कि राज्य सरकार आपदा काल में भी राजनीति कर रही है। वह उन दवा निर्माताओं को परेशान कर रही है जिनसे भाजपा रेमडेसिविर की सप्लाई के लिए संपर्क में है। फड़नवीस ने बताया कि राज्य में रेमडेसिविर की किल्लत पर हम लोगों ने चार दिन पहले ब्रुक फार्मा से इसकी सप्लाई का आग्रह किया था लेकिन महाराष्ट्र सरकार ने इजाजत नहीं दी। इस पर हमने केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया से बातचीत की तब कहीं एफडीए की इजाजत मिली।

भाजपा की ओर से ताल ठोक रहे पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल से तृणमूल को मिल रही कड़ी टक्कर

कोलकाता। दक्षिण कोलकाता की महत्वपूर्ण रासबिहारी सीट पर इस बार जबर्दस्त जंग देखने को मिल रही है। भाजपा की ओर से इस सीट से सेना के पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) सुब्रत साहा ताल ठोक रहे हैं। वहीं, सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस की ओर से कोलकाता नगर निगम के पूर्व मेयर परिषद सदस्य (एमएमआइसी) देवाशीष कुमार मैदान में हैं। तृणमूल का इस सीट पर 2001 से ही कब्जा है लेकिन इस बार यहां उसकी जंग पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल से है। 40 वर्षो तक सेना में महत्वपूर्ण पदों पर सेवा देने वाले पूर्व सैन्य अधिकारी से तृणमूल को यहां कड़ी टक्कर मिल रही है। सत्तारुढ़ दल के सामने इस सीट पर जीत के इतिहास को दोहराने की बड़ी चुनौती है।

तृणमूल के लिए इस बार यहां लड़ाई इसलिए भी चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि इस सीट से लगातार चार बार से जीतते आ रहे निवर्तमान विधायक व राज्य के बिजली मंत्री शोभनदेव चट्टोपाध्याय को ममता बनर्जी ने इस बार अपनी परंपरागत सीट भवानीपुर से उतारा है। ममता खुद इस बार भवानीपुर की बजाय नंदीग्राम से लड़ रही हैं। भवानीपुर से रासबिहारी एकदम सटा हुआ क्षेत्र है। लेकिन, पूर्व सैन्य अधिकारी के सामने रासबिहारी में तृणमूल की राह आसान नहीं दिख रही। इस सीट पर सातवें चरण में 26 अप्रैल को मतदान है।

सर्जिकल स्ट्राइक को अंजाम देने में साहा का रहा है अहम रोल्वैसे तो तृणमूल के उम्मीदवार देवाशीष कुमार राजनीति के धुरंधर खिलाड़ी हैं। लंबे समय तक वह कोलकाता निगम के एमएमआइसी रह चुके हैं। वहीं, पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल साहा अभी-अभी राजनीति अखाड़े में कूदे हैं। साहा के लिए राजनीति भले नई है, लेकिन वह सेना में रहते देश के दुश्मनों को धूल चटा चुके हैं।

सेना उपप्रमुख के पद से रिटायर्ड होने वाले साहा 2016 में पाकिस्तान के खिलाफ हुए सर्जिकल स्ट्राइक को अंजाम देने में भी अहम रोल निभा चुके हैं।

कोविड केयर सेंटर बनाने में हो रही देरी, मरीज हो रहे परेशान

जम्मू । जम्मू-कश्मीर में कोरोना संक्रमण के मामले तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। इनमें से बहुत से संक्रमित ऐसे हैं जिनके पास आइसोलेट होने के लिए पर्याप्त जगह नहीं है। मगर ऐसे संक्रमितों को आइसोलेट करने के लिए अभी तक प्रशासन भी उचित व्यवस्था करने में विफल रहा है। यह संक्रमित अन्य के लिए खतरा बने हुए हैं। प्रशासन सिर्फ टेस्ट करने पर ही जोर दे रहा है और उसमें भी कई बार जांच रिपोर्ट आने में देरी हो रही है। बहुत से लोगों को तो अपनी टेस्ट रिपोर्ट का पता ही नहीं चल पाता है।

जम्मू-कश्मीर सरकार के नियमों के

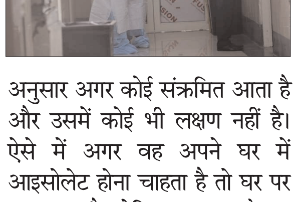

अनुसार अगर कोई संक्रमित आता है और उसमें कोई भी लक्षण नहीं है। ऐसे में अगर वह अपने घर में आइसोलेट होना चाहता है तो घर पर रह सकता है। लेकिन अगर उसके घर में कोई भी कमरा अलग से नहीं है तो स्थानीय प्रशासन की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह उसे कोविड केयर सेंटर में रखे। लेकिन अभी बहुत से जिलों में कोविड केयर सेंटर ही नहीं बन पाए हैं। सांबा जिला भी इनमें एक है। जम्मू को छोड़कर अन्य जिलों में भी ऐसी ही हालत है। यहां पर अगर कोई मरीज घर के स्थान पर किसी कोविड केयर सेंटर में रहना चाहता है तो प्रशासन के हाथ-पांव फूलने लगते हैं।

यह हालत तब है जब इस बार प्रशासन को पहले से कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर आने की पूरी संभावना थी। विशेषज्ञ बार-बार दूसरी लहर आने की बात कह रहे थे।लेकिन इस बार प्रशासन कोविड केयर सेंटर तक समय पर नहीं बना पाया। साांबा, कठुआ, ऊधमपुर, सहित कई जिलों में अभी सेंटर तैयार किए जा रहे हैं और प्रशासन का दावा है कि कुछ दिनों में ही यह सेंटर तैयार हो जाएंगे लेकिन अधिकांश जिलों में अभी संक्रमित घरों में रह रहे हैं।

बहुत से लोग ऐसे हैं जो कि किराये के मकानों में रह रहे हें और संक्रमित आने पर उनके पास ठहरने के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। तीन दिन पूर्व संक्रमित आए एक मरीज ने बताया कि मकान मालिक उसे घर पर रहने नहीं दे रहा है। सांबा जिले में कोई भी व्यवस्था नहीं है। हर बार कहा जाता है कि अभी कोविड केयर सेंटर तैयार किए जा रहे हैं। वहीं जिला प्रशासन का कहना है कि सांबा में दो सेंटर तैयार किए जा रहे हैं। इनमें एक जेकेइडीआइ की इमारत में तैयार किया जा रहा है। लेकिन अभी इसमें कुछ दिन लग जाएंगे। वहीं जम्मू जिले में इस समय यूथ होस्टल में एक कोविड केयर सेंटर है और अब यात्री निवास में दूसरा बनाया जा रहा है। रियासी जिले में भी एक ही सेंटर है। पैंथल रोड पर बनाया गया है।

टेस्ट की रिपोर्ट में देरी- कोरोना टेस्ट की रिपोर्ट आने में भी देरी हो रही है। इस समय मेडिकल कालेज जम्मू, इंडियन इंस्टीटयूट आफ इंटीग्रेटेड मेडिसिन, जीएमसी डोडा, जीएमसी राजौरी, जीएमसी कठुआ और सेना के अस्पताल ऊधमपुर में कोरोना के आरटीपीसआर टेस्ट हो रहे हैं। लेकिन बहुत से मरीजों की जांच रिपोर्ट आने में तीन से चार दिन का समय भी लग रहा है। जम्मू जिले के ही दो से ढ़ाई हजार सैंपलों की रिपोर्ट आना शेष है। वहीं कुछ मरीजों का कहना है कि उनकी रिपोर्ट का पता ही नहीं चल पाता है। न तो पहले की तरह कोई मैसेज आता है और न ही कोई इसकी जानकारी उपलब्ध करवाता है। इससे मानसिक रूप से भी परेशान होना पड़ता है।

माधुरी दीक्षित

ने किया धमाकेदार बेली डांस, नोरा फतेही भी देखकर रह गई हैरान

बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित के डांस के तो लाखों दीवाने हैं, वो आज भी बड़े-बड़े डांसर्स को जबरदस्त टक्कर दे सकती हैं। हाल ही में माधुरी के धमाकेदार बेली डांस ने फैंस को खूबसूरत सरप्राइज दिया है। माधुरी दीक्षित का ये अंदाज देखकर खुद नोरा फतेही भी हैरान रह गईं। इन दोनों एक्ट्रेसेस को एक साथ डांस रिएलिटी शो डांस दीवाने 3 के सेट पर देखा गया। दोनों को एक-साथ देखना फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं था। दरअसल, रिएलिटी शो डांस दीवाने के सेट पर नोरा फतेही बतौर गेस्ट पहुंची थीं। वहीं इस दौरान उन्होंने शो की जज एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित के साथ जमकर मस्ती की। जहां एक तरफ माधुरी ने नोरा को मेरा पिया घर आया पर डांस सिखाया तो वहीं उन्होंने नोरा के साथ उनके गाने दिलबर दिलबर पर डांस भी किया। इस दौरान नोरा ने अपने कुछ बेली डांस स्टेप्स माधुरी को सिखाए और इसके बाद माधुरी ने जो धमाकेदार बेली डांस किया उसे देखकर खुद नोरा भी हैरान रह गईं।

इस दौरान माधुरी दीक्षित ने पिंक कलर का स्टाइलिश लंहगा पहना हुआ था। इसके साथ ही उन्होंने बालों को भी एक बन में बांधा हुआ था। नोरा ने इस शो के लिए ग्रे रंग का गाउन पहना हुआ था। इसके साथ ही उनकी स्लीक हेयर स्टाइल भी खूब फब रही थी। दोनों ने ही अपनी खूबसूरती, डांस और मस्ती से शो पर चार चांद लगा दिए।

बता दें कि माधुरी दीक्षित और नोरा फतेही इंडस्ट्री के बेहतरीन डांसर्स में गिनी जाती हैं। माधुरी ने बॉलीवुड के कई सुपर-डुपर हिट डांस नंबर्स दिए हैं। तो वहीं नोरा ने भी कई गानों में अपनी बोल्डनेस और डांस मूव्स से आग लगा दी है।

करीना कपूर

ने खोला बेडरूम सीक्रेट, कहा- 'सैफ अली खान के साथ बेड पर चाहिए ये दो चीजें'

करीना कपूर और सैफ अली खान बॉलीवुड के पावरफुल कपल में से एक हैं। ऐसे में जाहिर है दोनों की निजी जिंदगी से जुड़े दिलचस्प राज उनके फैंस जानना चाहते हैं। अपने रिलेशनशिप को लेकर पहले भी करीना और सैफ दोनों ही खुलकर बात करते नजर आए हैं। अब करीना ने अपने बेडरूम सीक्रेट्स का खुलासा किया हैं जो इससे पहले शायद ही उन्होंने कभी बताएं हों।

क्या है बेडरूम सीक्रेट

दरअसल, करीना ने हाल ही डिस्कवरी प्लस के लिए एक सेलिब्रिटी कूकिंग शो की शूटिंग की थी। ये एपिसोड 15 अप्रैल को प्रसारित । शो के दौरान उन्होंने अपनी दोस्त तान्या घावरी के साथ खास बातचीत की। करीना बताती हैं कि बेड पर सोने जाने से पहले उन्हें तीन चीजें चाहिए होती हैं। तान्या के पूछने पर करीना जवाब में कहती हैं, 'एक वाइन की बोतल, पैजामा और सैफ अली खान।' इसके बाद करीना हंसने लगती हैं और आगे कहती हैं कि 'मुझे लगता है कि यह बिल्कुल परफेक्ट जवाब है और मेरे पास हैम्पर है।'

दूसरे बच्चे का किया स्वागत

21 फरवरी 2021 को करीना कपूर और सैफ अली खान ने अपने दूसरे बच्चे का स्वागत किया। परिवार के साथ वक्त बिताने के लिए सैफ अली खान ने शूटिंग से छुट्टी ले रखी थी। अभी तक कपल ने ना तो बेटे का चेहरा दिखाया है और ना ही नाम का खुलासा किया है।

किचन में सितारे

करीना कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर उनके आने वाले शो स्टार्स वर्सेस फूड का एक प्रोमो वीडियो साझा किया था। जिसमें बॉलीवुड के सितारे शेफ की मदद से पकवान बनाते नजर आए। वीडियो में सभी सितारे नर्वस नजर आते हैं। इसमें करीना के साथ करण जौहर, अर्जुन कपूर, मलाइका अरोड़ा, करण जौहर और स्कैम 1992 फेम प्रतीक गांधी नजर आने वाले हैं।

हिना खान फोटोग्राफर्स से हुईं परेशान, दौड़कर कार तक पहुंचीं, लोग बोले- स्पेस दो

एक्ट्रेस हिना खान सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं, वो अपने लेटेस्ट फोटोशूट के जरिए फैंस के बीच चर्चा में बनी रहती हैं। वहीं हाल ही में हिना एक वीडियो के कारण जबरदस्त चर्चा में आ गई हैं। हिना खान इंडस्ट्री के उन स्टार्स में गिनी जाती हैं, जो काफी मीडिया फ्रेंडली हैं। लेकिन हाल ही में कुछ ऐसा हुआ कि वो फोटोग्राफर से परेशान होकर दूर भागती नजर आईं। यही नहीं हिना ने अपनी कार तक पहुंचने के लिए दौड़ लगा दी।

दरअसल, हिना खान को पैपराजी ने एयरपोर्ट पर स्पॉट किया था। जिसके बाद सभी हिना से पोज देने की रिक्वेस्ट करने लगे। फोटोग्राफर्स की भीड़ देखकर हिना खान इस कदर घबरा गईं कि अपने दोनों हाथों से कान को ढक लिया। इसके बाद लोगों को अपने करीब आते देख हिना खान ने अपनी कार की तरफ दौड़ लगा दी और जाकर सीधा बैठ गईं। हालांकि, बैठने के बाद उन्होंने पैपराजी को बाय जरूर किया।

इस वीडियो को विरल भयानी ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर शेयर किया है। जिसमें हिना के फैंस की ताबड़तोड़ प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। फैंस ने पैपराजी से हिना को स्पेस देने की बात कही है, इसके साथ कोरोना के दौर में सोशल डिस्टेंसिंग का भी ध्यान दिलाया है।

हिना खान इसके अलावा अपनी लेटेस्ट खूबसूरत तस्वीरों की वजह से भी खूब चर्चा में रमजान के मौके पर हिना ने यलो सूट में अपनी बेहद शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों के जरिए हिना ने फैंस को रमजान की मुबारकबाद दी है।

टाइगर श्रॉफ कैसे कर लेते हैं फिल्मों में खतरनाक स्टंट सीन? जानकर छूट जाएंगे पसीने!

बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ इंडस्ट्री के सबसे फिट स्टार्स में गिने जाते हैं। चाहे फिल्मों में खतरनाक स्टंट सीन की बात हो या फिर मुश्किल डांस मूव्स की... टाइगर श्रॉफ अपने अंदाज से फैंस को चौंका देते हैं। हालांकि, इन सबके लिए टाइगर कड़ी मेहनत भी करते हैं। अभिनेता के ट्रेनर राजेंद्र ढोले ने हाल ही में टाइगर के फिटनेस रुटीन का खुलासा किया है। उन्होंने बताया है कि डांस, मार्शल आर्ट, फिटनेस, सिंगिंग और अभिनय तक हर मामले में खुद को बेस्ट बनाने के लिए के लिए टाइगर क्या-क्या करते हैं।

हर रोज दिन के 12 घंटों तक...

राजेंद्र ढोले की मानें तो टाइगर अगर किसी फिल्म के शूट पर बिजी नहीं होते हैं तो वो खुद की फिटनेस पर काम कर रहे होते हैं। इस दौरान वो किक बॉक्सिंग से लेकर जिम्नास्टिक तक करते हैं। हैरानी की बात तो ये है कि टाइगर लगभग हर रोज 12 घंटे तक किसी नए टैलेंट की ट्रेनिंग लेते हैं। जिसमें डांस से लेकर वेट लिफ्टिंग तक शामिल होता है। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान भी टाइगर अपनी फिटनेस इग्नोर नहीं करते हैं। शूट पर कोई जिम नहीं होता है तो टाइगर बॉडीवेट ट्रेनिंग और डायट का खास ख्याल रखते हैं।

बताई थी खतरनाक स्टंट की काहनी

टाइगर श्रॉफ स्पोर्ट्स में भी काफी एक्टिव रहते हैं, वो अपने फैंस के साथ कई बार वर्कआउट वीडियोज शेयर करते दिखाई दे जाते हैं। इसके अलावा उन्होंने एक बार फिल्म बागी 3 से अपना एक स्टंट सीन भी शेयर किया था। जिसमें उन्होंने बताया कि किस तरह मुश्किल हालातों में भी उन्होंने इस स्टंट को पूरी शिद्दत के साथ किया था।

आने वाली फिल्में

बात करें वर्क फ्रंट की तो टाइगर श्रॉफ हीरोपंती 2, बागी 4 और गणपत जैसी एक्शन-ड्रामा फिल्मों पर काम कर रहे हैं। इन फिल्मों में टाइगर का एक्शन अवतार देखने को मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

IPL 2021 में युजवेंद्र चहल ने लिया पहला विकेट, धनश्री वर्मा हो गई

नई दिल्ली. इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) की टीम ने अपने पहले तीन मैच जीत लिए हैं। इसके साथ ही विराट कोहली की कप्तानी वाली यह टीम प्वॉइंट टेबल में टॉप पर है। इस सीजन के पहले दो मैच में आरसीबी के सबसे अहम गेंदबाजों में शामिल युजवेंद्र चहल एक भी विकेट नहीं ले सके थे, रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ खेले गए मैच में चहल ने दो विकेट लिए। नीतीश राणा के रूप में उन्होंने इस सीजन का अपना पहला विकेट झटका। चहल ने जैसे ही विकेट लिया, स्टेडियम में मौजूद उनकी पत्नी धनश्री वर्मा इमोशनल हो गईं।

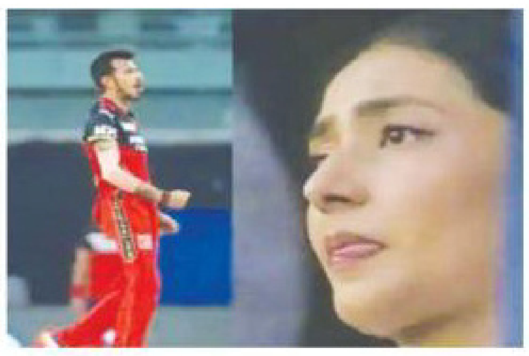

धनश्री की फोटो सोशल मीडिया पर खूब शेयर की जा रही है।

मैक्सवेल की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी देख सहवाग ने शेयर किया यह MEME

कोविड-19 महामारी के चलते इस साल आईपीएल खाली स्टेडियम में बायो सिक्योर एन्वॉयरमेंट में खेला जा रहा है। सभी खिलाड़ी बायो बबल में ही हैं और ज्यादातर खिलाड़ी अपनी फैमिली के साथ बायो बबल का हिस्सा हैं। धनश्री अभी तक आरसीबी के सभी मैचों को देखने के लिए स्टेडियम में नजर आई हैं।

19वें ओवर में महज एक रन देने वाले सिराज के लिए जानिए क्या बोले विराट

आरसीबी ने केकेआर के खिलाफ 38 रनों से जीत दर्ज की। युजवेंद्र चहल ने अपने चार ओवर में 34 रन देकर दो विकेट झटके। चहल ने नीतीश के अलावा दिनेश कार्तिक को आउट किया। आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में चार विकेट पर 204 रन बनाए, जवाब में केकेआर 20 ओवर में आठ विकेट पर 166 रन ही बना पाया।

IPL 2021: राजस्थान के लिए ऐसी हो सकती है चेन्नई की प्लेइंग XI, क्या Lungi Ngidi को मिलेगा मौका?

नई दिल्ली. आइपीएल 2021 में आज चेन्नई सुपरकिंग्स (ष्टस्य्) का मुकाबला ऱाजस्थान रॉयल्स (ऋक्र) से मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में होगा। दोनों टीमों ने दो मैच खेली हैं और एक-एक मैच जीती हैं। दोनों टीमों को अपने पिछले मैच में जीत मिली थी। चेन्नई की टीम अंक तालिका में चौथे नंबर पर है। पिछले मैच में उसने पंजाब किंग्स (PBKS) को हराया था। पंजाब के खिलाफ पिछले मैच में दीपक चाहर ने शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने चार विकेट लिए थे। पंजाब की टीम 20 ओवरों में आठ विकेट पर 106 रन ही बना सकी थी। इसके बाद चेन्नई ने 26 गेंद रहते इस लक्ष्य को हासिल कर लिया। इससे टीम के रनरेट में भी काफी सुधार हुआ। पहले मैच में उसे दिल्ली कैपिटल्स (DC) से हार का सामना करना पड़ा।

क्या लुंगी नगीदि को मिलेगा मौका ?

राजस्थान के खिलाफ मैच की बात करें तो अब चेन्नई के पास लुंगी नगीदि सलेक्शन के लिए उपलब्ध हैं। वह क्वारंटाइन से बाहर आ गए हैं, लेकिन पिछले मैच के प्रदर्शन देखते हुए टीम में बदलाव के आसार कम हैं। टीम के लिए ओपनर रुतुराज गायकवाड़ की फॉर्म थोड़ी चिंता का विषय है, लेकिन कोच स्टीफेन फ्लेमिंग ने उनका बचाव किया है। ऐसे में रॉबिन उथप्पा को अभी बाहर ही बैठे रहना पड़ सकता है।

IPL 2021 DC vs PBKS: 195 रन बनाकर भी हारी पंजाब किंग्स, कप्तान राहुल का ऐसे छलका दर्द

मुंबई. इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 में रविवार (18 अप्रैल) को दो मैच खेले गए। दूसरे मैच में पंजाब किंग्स को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा। पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में चार विकेट पर 195 रन बनाए और दिल्ली कैपिटल्स ने महज 18.2 ओवर में चार विकेट गंवाकर ही 198 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। मैच के बाद पंजाब किंग्स के कप्तान केएल राहुल ने कहा कि उन्हें लगा था कि 195 का स्कोर रहेगा।

IPL Point Table: जीत के साथ टॉप-2 में पहुंचे RCB और DC

मयंक अग्रवाल (36 गेंद, 69 रन, सात चौके, चार छक्के) और राहुल (51 गेंद, 61 रन, सात चौके, दो छक्के) के अर्धशतक और दोनों के बीच पहले विकेट की 122 रन की साझेदारी से पंजाब किंग्स ने चार विकेट पर 195 रन बनाए। दिल्ली की टीम ने इसके जवाब में सलामी बल्लेबाज शिखर धवन (92) के तूफानी अर्धशतक से 18.2 ओवर में चार विकेट पर 198 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। मार्कस स्टोयनिस (13 गेंद में नॉटआउट 27, तीन चौके, एक छक्का) और सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ (32) ने भी उम्दा पारियां खेली। धवन ने 49 गेंद का सामना करते हुए 13 चौके और दो छक्के मारे। राहुल ने मैच के बाद कहा, 'बल्लेबाजी करते हुए लग रहा था कि 196 अच्छा लक्ष्य है। अंत में अगर आप इसे देखो तो लग रहा है कि हमने 10 से 15 रन कम बनाए। मयंक और मैं पहले हाफ में सोच रहे थे कि अगर हम 180-190 रन बना लेंगे तो यह अच्छा स्कोर रहेगा। लेकिन बेशक वानखेड़े स्टेडियम में ओस होती है और धवन को श्रेय जाता है।

राहुल-मयंक पर भारी पड़ी धवन की पारी, DC ने PBKS को 6 विकेट से हराया

उन्होंने कहा, ओस से चीजें मुश्किल हुईं, वानखेड़े में बाद में गेंदबाजी करना हमेशा चुनौती होती है। हम हमेशा इस तरह के हालात के लिए तैयार रहने की कोशिश करते हैं लेकिन हालात के अनुसार चीजें मुश्किल हो जाती हैं राहुल की टीम को उनके जन्मदिन के दिन हार का सामना करना पड़ा और पंजाब किंग्स के कप्तान ने कहा कि अगर उनकी टीम जीतती तो अच्छा रहता।

RCB vs KKR: 19वें ओवर में महज एक रन देने वाले मोहम्मद सिराज के लिए जानिए क्या बोले कप्तान विराट कोहली

नई दिल्ली. इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 में अभी तक कुल 11 मैच खेले जा चुके हैं। इन 11 मैचों में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) इकलौती ऐसी टीम है, जिसने अभी तक किसी मैच में हार का स्वाद नहीं चखा है। विराट कोहली की कप्तानी वाली इस टीम ने अभी तक मुंबई इंडियंस, सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपने मैच जीते हैं। इस सीजन में आरसीबी ने बैटिंग और बॉलिंग दोनों डिपार्टमेंट में शानदार प्रदर्शन किया है। रविवार (18 अप्रैल) को केकेआर के खिलाफ मैच में आरसीबी ने 38 रनों से जीत दर्ज की। आंद्रे रसेल क्रीज पर थे और 17वें, 18वें ओवर में क्रम से 20 और 15 रन आ चुके थे। 19वां ओवर करने के लिए विराट ने गेंद सिराज को थमाई और स्ट्राइक पर थे रसेल।केकेआर की जीत तो उस समय भी काफी मुश्किल नजर आ रही थी, लेकिन रसेल क्रीज पर थे, तो आरसीबी फैन्स भी काफी टेंशन में थे। सिराज ने 19वें ओवर में महज एक रन दिया। उन्होंने पहली पांच गेंदों पर रसेल को एक भी रन बनाने का मौका नहीं दिया। मैच के बाद विराट ने सिराज के उस ओवर का जिक्र किया और कहा, %खासकर सिराज को रसेल को किया ओवर (19वां ओवर जिसमें सिर्फ एक रन बना)। ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद से वह अलग गेंदबाज बन गया है और आज उसने मैच खत्म किया।

राहुल-मयंक पर भारी पड़ी धवन की पारी, DC ने PBKS को 6 विकेट से हराया

केकेआर को आखिरी के दो ओवरों में जीत के लिए 44 रन बनाने थे, रसेल क्रीज पर थे, तो यह नामुमकिन सा तो नहीं लग रहा था। सिराज ने 19वें ओवर में एक ही रन दिया और इस तरह से केकेआर को आखिरी ओवर में 43 रनों का असंभव सा टारगेट मिल गया। सिराज की सोशल मीडिया पर भी खूब तारीफ हुई है। उन्होंने जिस तरह से रसेल को सटीक यॉर्कर गेंद डाली, उसने हर किसी का दिल जीत लिया।

IPL 2021: हार्दिक-नताशा और क्रुणाल-पंखुरी का डांस बना देगा आपका दिन

नई दिल्ली. इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 में अपना ओपनिंग मैच हारने के बाद मुंबई इंडियंस ने जबर्दस्त वापसी करते हुए लगातार दो मैच अपने नाम किए। रविवार को आईपीएल 2021 में दो मैच खेले गए, लेकिन मुंबई इंडियंस के लिए यह रेस्ट डे था। टीम के खिलाड़ी हार्दिक पांड्या और क्रुणाल पांड्या ने इस रेस्ट डे को खूब एन्जॉय किया। कोविड-19 महामारी के चलते आईपीएल मैच खाली स्टेडियम में खेले जा रहे हैं और सभी खिलाड़ियों को बायो बबल में रहना पड़ रहा है। इस दौरान कई खिलाड़ियों का परिवार भी उनके साथ बायो बबल में ही रह रहा है। हार्दिक पांड्या और क्रुणाल पांड्या भी अपनी-अपनी पत्नियों के साथ बायो बबल में हैं। हार्दिक ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह नताशा के साथ और क्रुणाल अपनी पत्नी पंखुरी के साथ मस्त डांस करते दिख रहे हैं।

ञ्चयक्रटीम में दिख सकते हैं कुछ बड़े बदलाव, कोच मैक्कलम ने किया इशारा

19वें ओवर में महज एक रन देने वाले सिराज के लिए जानिए क्या बोले विराट इन चारों ने जस्टिन बीबर के गाने पर मिलकर डांस किया है। इस दौरान चारों ने ही स्माइली टी-शर्ट पहन रखी है। हार्दिक और क्रुणाल की टी-शर्ट तो बिल्कुल एक-जैसी है, जबकि नताशा ने ब्लैक और पंखुरी ने ब्लू टी-शर्ट पहन रखी है। मुंबई इंडियंस के लिए हार्दिक और क्रुणाल ने अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। मुंबई इंडियंस आईपीएल इतिहास की सबसे सफल टीम है। इस टीम नेअभी तक कुल पांच खिताब अपने नाम किए हैं।

IPL 2021 RCB vs KKR: ग्लेन मैक्सवेल की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी देख वीरेंद्र सहवाग ने शेयर किया यह MEME

नई दिल्ली. इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 में ग्लेन मैक्सवेल ने पहले तीन मैचों में शानदार प्रदर्शन किया है। ऑरेंज कैप की दौड़ में मैक्सवेल दूसरे नंबर पर चल रहे हैं। रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ वह चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे और ताबड़तोड़ 78 रन ठोक डाले। मैक्सवेल 49 गेंदों पर 9 चौके और तीन छक्कों की मदद से ये रन बनाए। मैक्सवेल जब बल्लेबाजी के लिए आए थे, तब आरसीबी का स्कोर 9/2 था। उन्होंने पहले देवदत्त पडीक्कल और फिर एबी डिविलियर्स के साथ मिलकर आरसीबी के बड़े स्कोर की नींव रखी। मैक्सवेल की तारीफ करते हुए टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने एक मजेदार मीम शेयर किया है।

शिखर धवन ने छीनी मैक्सवेल से ऑरेंज कैप, पर्पल कैप पर हर्षल का कब्जा

सहवाग ने लिखा, 'इस आईपीएल में मैक्सवेल को अपनी क्षमता के हिसाब से खेलते देखना अच्छा लग रहा है। इस दौरान मैक्सवेल अपनी पहले की फ्रेंचाइजी टीमों को कुछ इस तरह चिढ़ा रहे हैं।' पिछले सीजन में सहवाग ने मैक्सवेल को काफी खरी-खोटी सुनाई थी। उन्होंने यहां तक कहा था कि मैक्सवेल

किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) के लिए 10 करोड़ रुपये की चीयरलीडर की तरह हैं। मैक्सवेल ने पिछले सीजन में एक भी छक्का नहीं लगाया था। इस साल आरसीबी ने उन्हें 14.25 करोड़ रुपये में खरीदा है।

मैच की बात करें तो आरसीबी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया और 20 ओवर में चार विकेट पर 204 रन बनाए। एबी डिविलियर्स 34 गेंद पर 76 रन बनाकर नॉटआउट लौटे। जवाब में केकेआर की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 166 रन ही बना सकी। काइल जेमीसन ने तीन जबकि युजवेंद्र चहल और हर्षल पटेल ने दो-दो विकेट लिए, एक विकेट वॉशिंगटन सुंदर के खाते में गया।

श्रीलंका के महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन की हुई एंजियोप्लास्टी, सनराइजर्स हैदराबाद की टीम से जल्द जुड़ेंगे

नई दिल्ली. श्रीलंका के महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन की एंजियोप्लास्टी हुई है। रिपोर्ट्स के अनुसार चेन्नई में हुई उनकी एंजियोप्लास्टी सफल रही है और वह जल्द ही हैदराबाद की टीम से जुड़ेंगे। मुरलीधरन आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद टीम के सपोर्ट स्टाफ का हिस्सा हैं। टेस्ट क्रिकेट में 800 विकेट चटकाने वाले श्रीलंका के इस गेंदबाज ने 17 अप्रैल को अपना 49वां जन्मदिन मनाया था।

IPL 2021, DC 1s PBKS: दिल्ली कैपिटल्स ने पंजाब किग्स को 6 विकेट से हराया, शिखर धवन ने खेली धमाकेदार पारी

ईएसपीएन क्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार इस चैंपियन स्पिनर की धमनी को खोलने के लिए स्टेंट डाला गया और वह अस्पताल से छुट्टी मिलने पर सनराइजर्स से दोबारा जुड़ेंगे। वह पिछले काफी समय से हैदराबाद की टीम के साथ हैं और टीम के मेंटोर वीवीएस लक्ष्मण से उनकी काफी गहरी दोस्ती भी है। विश्व के बल्लेबाजों को अपनी घूमती गेंदों पर नाच नचाने वाले मुरलीधरन ने साल 1992 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना इंटरनेशनल करियर शुरू किया था और आखिरी मैच भारत के खिलाफ खेला। टेस्ट क्रिकेट में 800 और वनडे में 534 विकेट लेने वाले इस गेंदबाज का बॉलिंग में कद ठीक वैसा ही है, जैसा मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर का बल्लेबाजी में है।

चेन्नई सुपर किंग्स से जल्द जुड़ेंगे तेज गेंदबाज जेसन बेहरनडोर्फ

भारत के हाथों साल 2011 विश्व कप के फाइनल में मिली हार के बाद मुरलीधरन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया था। संन्यास के वक्त तक मुरलीधरन वनडे क्रिकेट में 534 विकेट के आंकड़े पर पहुंच गए थे। इस मामले में दूसरे स्थान पर पाकिस्तान के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज वसीम अकरम हैं। उन्होंने इस फॉर्मेट में 502 विकेट हासिल किए हैं। वनडे की तरह मुरलीधरन के नाम टेस्ट क्रिकेट में भी सर्वाधिक 800 विकेट लेने का वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज है। इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर शेन वॉर्न हैं, जिनके नाम 708 टेस्ट विकेट दर्ज हैं। इस तरह इंटरनेशनल क्रिकेट को जब मुरलीधरन ने छोड़ा तो उनके खाते में टेस्ट, वनडे और टी-20 मिलाकर कुल 1347 विकेट लेने का अविश्वसनीय रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके थे।

KKR टीम में दिख सकते हैं कुछ बड़े बदलाव, कोच मैक्कलम ने किया इशारा

चेन्नई . कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के हेड कोच ब्रेंडन मैक्कलम ने रविवार को कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 के मुंबई में खेले जाने वाले आने वाले मैचों के लिए उनकी टीम में कुछ बदलाव होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि टीम और वेन्यू में बदलाव से उनका अभियान पटरी पर लौटेगा। केकेआर को रविवार को आरसीबी के खिलाफ 38 रनों से हार का सामना करना पड़ा, जो इस सीजन में उनकी लगातार दूसरी हार है।

19वें ओवर में महज एक रन देने वाले सिराज के लिए जानिए क्या बोले विराट

मैक्कलम ने कहा, हमें शायद ऐसे खिलाड़ी चाहिए, जो तारोताजा हों, उम्मीद है कि टीम में कुछ बदलाव होगा। मुंबई में मैच होने से वेन्यू में भी बदलाव होगा।' केकेआर ने चेन्नई में अब तक तीन मैच खेले है, जिसमें उन्हें पिछले दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। न्यूजीलैंड के इस पूर्व कप्तान ने कहा, 'नया वेन्यू होगा लेकिन हमें कुछ जगहों पर सुधार करना होगा। हम अगले दो मैचों में अच्छा कर वापसी कर सकते हैं।'

ICC Two WC 2021 के लिए क्या संन्यास वापस लेंगे एबीडी ? जानिए जवाब

वरुण चक्रवर्ती ने अपने पहले ओवर में दो विकेट चटकाए, लेकिन केकेआर के कप्तान इयोन मोर्गन ने उन्हें गेंदबाजी से हटा दिया जिसकी मैक्कलम ने भी आलोचना की। मैक्कलम ने कहा, 'हमें उस समय चक्रवर्ती को गेंदबाजी से नहीं हटाना चाहिए था। उस ओवर के बाद उन्हें हटाना गलती थी। हम एबी डिविलियर्स के खिलाफ उनका इस्तेमाल करना चाहते थे लेकिन हमारा यह प्लान काम नहीं आया। डिविलियर्स (नॉटआउट 76) और ग्लेन मैक्सवेल (78) की आक्रामक पारियों के दम पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने चार विकेट पर 204 रन बनाने के बाद केकेआर की पारी में आठ विकेट पर 166 रन पर रोक दिया। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज के बारे में पूछे जाने पर मैक्कलम ने कहा, ऐसा लग रहा कि वह नए प्लान के साथ आए हैं। वह आत्मविश्वास से भरे लग रहे हैं।